NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 09 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-190

दोस्त पुतिन से मिलने रूस पहुंचे पीएम मोदी का भव्य स्वागत

सहयोग के सभी पहलुओं को टटोलेंगे भारत रूस

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस और ऑस्ट्रिया के तीन दिवसीय दौरे के लिए रवाना हुए। आज शाम रूस की राजधानी मास्को पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। एक बैठक के बाद पीएम मोदी राष्ट्रपति पुतिन के साथ रात्रिभोज में शामिल होंगे। मास्को पहुंचने पर पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पीएम मोदी 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

इस दौरे से पहले पीएम मोदी ने भारत-रूस के संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी पिछले दस वर्षों में आगे बढ़ी है। मॉस्को दौरे से पहले पीएम मोदी ने कहा, मैं अपने मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए उत्सुक हूं। रूस के अलावा पीएम मोदी ऑस्ट्रिया दौरे पर भी जाएंगे। उन्होंने ऑस्ट्रिया को भारत का दृढ़ और विश्वसनीय भागीदार बताया। पीएम मोदी ने कहा, हम लोकतंत्र के आदर्शों को साझा करते हैं। मैं नए क्षेत्रों में हमारी साझेदारी को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने की आशा करता हूं।

पीएम मोदी अपने इस दौरे में राष्ट्रपति पुतिन से मुलाक़ात के साथ ही रूस में रहने वालों भारतीयों से बातचीत के कार्यक्रम में भी शरीक होंगे। इसके अलावा उन्हें रूस का सर्वोच्च सम्मान सेंट एन्ड्रू आर्डर से नवाजा जाएगा। उन्हें यह पुरस्कार 2019 में दिया गया था, अब वह इसे ग्रहण करेंगे। राष्ट्रपति पुतिन के साथ पीएम मोदी भारत और रूस के बीच व्यापार और सैन्य सहयोग को लेकर भी बातचीत होगी। भारत, रूस से लगातार बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा है। इस कारण भारत

दो दिन के लिए ऑस्ट्रिया भी जाएंगे नरेंद्र मोदी
मोदी की यात्रा ऑस्ट्रिया का सम्मान है : नेहमर

का व्यापार घाटा भी बढ़ रहा है। इसको लेकर भी बातचीत होगी।

दोनों नेताओं की बातचीत में मुख्य मुद्दा यूक्रेन-रूस युद्ध होगा। यह युद्ध बीते 2 वर्ष से अधिक समय से जारी है और दोंनो संघर्षरत देशों के बीच कोई समझौता नहीं हो पाया है। भारत के दोनों देशों के साथ अच्छे रिश्ते रखता है और कई बार माहौल को शांत करवाने का काम करता रहा है। यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार पीएम मोदी रूस जा रहे हैं। इस बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अलावा और कोई भी बड़ा नेता पुतिन से नहीं मिला है।

पीएम मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री की ये यात्राएं उन देशों के साथ संबंधों को गहरा करने का अवसर है, जिनके साथ भारत की परखी हुई दोस्ती है। पीएम मोदी ने कहा, मैं इन देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करने के लिए भी उत्सुक हूं।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर यात्रा कर रहे हैं। यह सम्मेलन तीन साल बाद हो रहा है। फरवरी 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहली रूस यात्रा है। उनकी पिछली यात्रा 2019 में हुई थी, जब उन्होंने रूस के शहर व्लादिवोस्तोक में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लिया था।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और व्लादिमीर पुतिन भारत और रूस के बीच बहुआयामी संबंधों की श्रृंखला की समीक्षा करेंगे तथा आपसी हितों के समकालीन क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बताया कि इस यात्रा के दौरान यूक्रेन के खिलाफ रूस की ओर से लड़ने के लिए गुमराह किए गए अपने नागरिकों की भारत द्वारा जल्द रिहाई की मांग पर चर्चा होने की उम्मीद है। क्वात्रा ने कहा कि दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। क्वात्रा ने कहा कि भारत का अनुमान है कि उसके 30 से 40 नागरिक पहले से ही युद्ध में हैं। ▶10 पर

मोदी की रूस यात्रा से पश्चिमी देश जल रहे हैं : रूस

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस दौरे पर अमेरिका समेत बाकी विश्व की भी नजरें हैं। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति पुतिन के साथ भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगे। दोनों देशों के बीच राजनयिक सहयोग का यह सबसे बड़ा मंच है। इसमें पीएम मोदी ने 2019 में आखिरी बार हिस्सा लिया था। इसके अब तक 21 संस्करण सम्पन्न हो चुके हैं। यह अंतिम बार दिल्ली में आयोजित किया गया था।

पीएम मोदी की इस यात्रा पर रूस ने कहा है कि इसे देख कर पश्चिमी देश जल रहे हैं और इसको बहुत ही गंभीरता से ले रहे हैं। रूस ने कहा कि यह दौरा महत्वपूर्ण होने वाला है इसीलिए पश्चिमी देश इसे काफी गंभीरता से रहे हैं। पीएम मोदी रूस के बाद यूरोपियन देश ऑस्ट्रिया भी जाएंगे। ऑस्ट्रिया में 41 वर्षों में यह पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा होगी। प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति और चांसलर, दोनों से मिलेंगे और साथ ही वियना में रहने वाले भारतीय समुदाय से भी बातचीत करेंगे।

कठुआ के मच्छेड़ी में सेना के काफिले पर हमला

आतंकी हमले में चार सैनिक शहीद, 6 जख्मी

इलाके को सील कर सेना कर रही है ऑपरेशन

श्रीनगर, 08 जुलाई (ब्यूरो)।
जम्मू संभाग के कठुआ जिले के मच्छेड़ी इलाके में सोमवार को भारतीय सेना के काफिले पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में चार सैन्यकर्मी शहीद हो गए। छह गंभीर रूप से घायल हो गए। हमलावर आतंकियों के साथ दोपहर से ही मुठभेड़ जारी है। जिस इलाके में हमला हुआ वह इलाका भारतीय सेना की 9वीं कोर के अंतर्गत आता है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादियों द्वारा पहले गश्ती पार्टी के वाहन पर हथगोले फेंके गए। बाद में अंधाधुंध गोलियां चलीं, जिसमें 10 जवान जख्मी हो गए। सैनिक अस्पताल में चार जवानों ने दम तोड़ दिया।

अधिकारियों ने बताया कि हमले के बाद हमारे सैनिकों ने भी जवाबी कार्रवाई की। यह घटना कठुआ शहर से 150 किलोमीटर दूर लोहाई मल्हार के बदनोटा गांव में हुई है जो मच्छेड़ी में आता है। हमला उस समय हुआ जब सेना के कुछ वाहन इलाके में नियमित गश्त पर थे। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में अतिरिक्त बल भेजा गया है और विस्तृत जानकारी का इंतजार है। फिलहाल सेना ने इन शहादतों की पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ के कंडी क्षेत्र लोहाई मल्हार में जैंडा नाला के पास मच्छेड़ी में आतंकियों ने सैन्य वाहन को निशाना बनाया। पिछले कुछ दिनों से इस इलाके में आतंकी देखे जाने की सूचनाओं के बाद तलाशी अभियान चल रहा था। बिलाकर कस्बे में और सुकराला देवी तीर्थस्थान के आसपास भी आतंकी देखे गए थे। बिलावर की मस्जिद में कुछ अज्ञात लोगों को रात के वक्त नमाज अदा करते देखा गया था। इंटरनेशनल बॉर्डर से इस ओर आने वाले आतंकी इसी रास्ते से भद्रवाह और डोडा होते हुए कश्मीर आते रहे हैं।

जिला कठुआ के कंडी क्षेत्र लोहाई मल्हार में जैंडा नाला के पास आतंकियों ने सैन्य वाहन को निशाना बनाया। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबलों की अन्य टीमें भी मुठभेड़ स्थल के लिए रवाना हो गईं। इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। आसपास के संपर्क मार्गों को भी अलर्ट कर दिया गया है। इससे पहले रविवार कश्मीर घाटी के कुलगाम में सुरक्षाबलों ने छह आतंकियों को मार गिराया था। जिला कुलगाम में दो अलग-अलग जगह चली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के ये सफलता मिली। आतंकियों के पास हथियार भी बरामद किए गए। ▶10 पर

आतंकियों ने आलमारी के पीछे बना रखे थे पक्के बंकर

जम्मू, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
जम्मू कश्मीर के जिला कुलगाम में दो जगह चली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने जिन छह आतंकवादियों को ढेर किया उन आतंकियों ने अपने अड्डे पर आलमारी के भीतर गुप्त ठिकाना बना रखा था। बाहर से इस ठिकाने को इस तरह से छिपाकर रखा था कि पता ही न चल पाए कि यहां कोई बंकर है भी या नहीं। पुलिस और सुरक्षाबलों की जांच के बाद इस आतंकी ठिकाने का पर्दाफाश हुआ है।मुठभेड़ में मारे गए दहशतगर्द हिजबुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़े हुए थे। ▶10 पर

अपराधी सरगना को बचाने में जुटी है ममता सरकार
सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को धिक्कारा

सीबीआई जांच के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस याचिका खारिज कर दिया, जिसमें संदेश-खाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध करने और जमीन हड़पने के आरोपों की सीबीआई जांच कराने का निर्देश देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि पहले ही राज्य ने इस मामले में महीनों तक कुछ नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से सवाल पूछा कि आखिर शासन एक शख्स को बचाने में क्यों जुटा है? सुप्रीम कोर्ट ने संदेशखाली के टीएमसी नेता और कुख्यात अपराधी शा-हजहां शेख को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार को खूब खरी-खरी सुनाई। संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण के मामले की जांच सीबीआई कर रही है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने ही सीबीआई जांच का आदेश दिया था। इसके खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने यह फैसला सुनाया और पश्चिम बंगाल सरकार को खूब धिक्कारा। शाहजहां शेख और उसके गुर्गों पर बसीरहाट के संदेशखाली में जनजातीय समाज की महिलाओं के यौन शोषण के साथ-साथ कइयों की जमीन कब्जाने के भी आरोप हैं। इससे पहले 29 अप्रैल को ये मामला सामने आया था, ▶10 पर

अयोध्या समाधान का श्रेय न मिले, इसलिए गिराई गई चंद्रशेखर सरकार : हरिवंश

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को विलक्षण दृढ़-निश्चयी, साहसी और कर्तव्य निष्ठ नायक बताते हुए सोमवार को कहा कि 1980 के दशक में उनकी सरकार को इसलिए गिराया गया ताकि अयोध्या विवाद के समाधान का श्रेय उन्हें न मिल सके।

श्री हरिवंश ने कहा कि श्री चंद्रशेखर प्रधानमंत्री के रूप में अपने अल्पावधि के कार्यकाल में अयोध्या विवाद को बातचीत से हल करने के निकट पहुंच चुके थे। उन्होंने कहा कि यह बात राजनेता शरद पवार ने भी अपनी पुस्तक में लिखी है और कुछ अन्य जानकार लोगों ने भी इसका उल्लेख किया है। चंद्रशेखर: दी लास्ट आयकन ऑफ आयडोलॉजिकल पालिटिक्स (चंद्रशेखर: आदर्शवादी राजनीति के अंतिम शलाका पुरुष) के सह-लेखक श्री हरिवंश ने कहा, चंद्रशेखर की सरकार इसलिए गिरा दी गयी ताकि उनको अयोध्या विवाद हल करने का श्रेय न मिल जाय। श्री हरिवंश ने अंग्रेजी में यह पुस्तक रविदत्त बाजपेयी के साथ मिल कर लिखी है। उन्होंने मीडिया को बताया कि वह चंद्रशेखर के जीवन और कृतीत्व पर हिंदी में पुस्तक पर भी काम कर रहे हैं।

श्री हरिवंश प्रखर समाजवादी नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की 17वीं पुण्यतिथि पर यहां आयोजित एक सभा को संबोधित कर रहे थे। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और एनटीए से मांगी रिपोर्ट

पेपर लीक हुआ, इसे नकारा नहीं जा सकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। याचिका में पांच मई को हुई परीक्षा रद्द करने, एनटीए को दोबारा परीक्षा कराने का आदेश देने और अनियमितताओं के संबंध में कोर्ट की निगरानी में जांच किए जाने की मांग की गई। कुछ याचिकाकर्ताओं के वकील ने कोर्ट से दोबारा परीक्षा कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि कसूरवार और बेकसूरों की पहचान करना संभव नहीं है। इस दौरान प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनटीए को परीक्षा रद्द करने से रोकने की मांग वाली गुजरात के 50 से अधिक सफल परीक्षार्थियों की याचिका पर भी सुनवाई की।

शीर्ष कोर्ट ने कहा, एक बात तो साफ है कि प्रश्न-पत्र लीक हुआ है। सवाल यह है कि इसकी पहुंच कितनी व्यापक है? पेपर लीक होना एक स्वीकार्य तथ्य है। लीक की प्रकृति कुछ ऐसी है, जिसका हम पता लगा रहे हैं। आप केवल इसलिए पूरी परीक्षा रद्द नहीं कर सकते, क्योंकि दो छात्र धांधली में शामिल थे। इसलिए हमें लीक की प्रकृति के बारे में सावधान रहना चाहिए। दोबारा परीक्षा का आदेश देने से पहले हमें लीक की सीमा के बारे में जानना होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि हम 23 लाख छात्रों के मामले को सुन रहे हैं। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 23^0

मालाबार मीट के लिए केरल सरकार ने मंगाए टेंडर

सत्ताधारी सीपीएम खोलेगी बूचड़खाना, बेचेगी मांस

तिरुअनंतपुरम, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
केरल की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) यानी सीपीएम द्वारा नियंत्रित ब्रह्मगिरी डेवलपमेंट सोसाइटी (बीडीएस) द्वारा संचालित देश से सबसे बड़े बूचड़खाने को पुनर्जीवित की प्रक्रिया तेज हो गई है। बीडीएस ने अपने प्रमुख उद्यम मालाबार मीट ब्रांड की निजी पूंजी स्वीकार की है। कर्ज तथा निवेशकों एवं कर्मचारियों के विरोध के कारण बीडीएस ने लगभग एक साल पहले मीट संयंत्र बंद कर दिया था।

दरअसल, पशु बाजारों से वध के लिए मवेशियों की खरीद-बिक्री पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध के बाद बीडीएस ने केरल में बीफ का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनने की कोशिश की थी। इसके लिए सीपीएम ने भरपूर मदद भी की थी। हालांकि, कोरोना और

मालाबार को मुसलमानों के लिए अलग राज्य बनाने की मांग हो रही है

राजनीतिक खींचतान के बाद यह कर्ज में डूब गई और आखिरकार मीट प्लांट बंद करना पड़ा था। अब मालाबीर मीट ब्रांड को बचाने की कोशिश की जा रही है। मालाबार को ही मुसलमानों के लिए अलग राज्य बनाने की मांग हो रही है।कोट्टयम स्थित फर्म बफेट ब्लूवे प्राइवेट लिमिटेड (बीबीएल) ने बीडीएस में हिस्सेदारी ली है। बीबीएल इस प्लांट के रखरखाव में बीडीएस की मदद करेगी। इसके लिए वह कार्यशील पूंजी जुटाएगी और आवश्यक लाइसेंस प्राप्त करेगी। सूत्रों ने बताया कि मध्य केरल की यह फर्म विदेशी बाजारों में भैंस के मांस के निर्यात में शामिल है। बीडीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर बी. सुनील कुमार ने बताया कि इससे केरल में पिंक क्रांति होगी। उन्होंने कहा, निजी भागीदारी के साथ मालाबार मीट ब्रांड ▶10 पर

TIBCON CAPACITORS
It`s all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने इजराइली माउंटेन बेस को निशाना बनाया, सबसे बड़ा हवाई हमला बताया

बेरूत, 08 जुलई (एजेंसियां) । लेबनान के हिजबुल्लाह आंदोलन ने रविवार को दावा किया है कि उसने अपना सबसे बड़ा हवाई अभियान शुरू किया है, जिसमें गोलान हाइट्स में पर्वत की चोटी पर स्थित इजराइली सैन्य खुफिया अड्डे पर विस्फोटक ड्रोन भेजकर हमला किया है। सीमा पार से बढ़ती गोलीबारी के बीच यह इस हमले ने वैश्विक चिंता बढ़ा दी है।

इजराइली सेना ने कहा- हमले में कोई हताहत नहीं – इजराइली सेना ने कहा कि एक विस्फोटक ड्रोन माउंट हर्मन में एक खुले क्षेत्र में गिरा है लेकिन इसमें कोई भी हताहत नहीं हुआ है। पिछले साल 7 अक्तूबर को इजराइल पर फलिस्तीनी समूह के हमले के बाद से गाजा पट्टी में युद्ध चल रहा है। इसमें ईरान समर्थित हमास के सहयोगी हिजबुल्लाह का इजराइल के सुरक्षा बलों के साथ लगातार गोलीबारी हो रही है।

टोही केंद्र को निशाना बनाने के लिए किया हमला – अपने हवाई बलों द्वारा किए गए सबसे बड़े ऑपरेशन की घोषणा करते हुए, हिजबुल्लाह ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने माउंट हर्मन पर टोही केंद्र को निशाना बनाने के लिए ड्रोन से लगातार स्क्वाड्रन भेजे हैं।

यह है मामला – हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 37000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

कतर में हो रहीं बैठक – हमास के रुख में यह बदलाव कतर में इजराइल और हमास के प्रतिनिधियों के बीच फिर से शुरू हुई वार्ता के बीच आया है। बता दें, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से व्यापक समझौते पर मध्यस्थता के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा करने की अनुमति मिलने के बाद यह बातचीत फिर से शुरू हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, मोसाद के निदेशक डेविड बार्निया ने मध्यस्थों से मिलने तथा युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई को शामिल करते हुए संभावित नए समझौते की शर्तों पर चर्चा करने के लिए कतर की यात्रा की।

न्यूज ब्रीफ

नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन के लिए मजबूत समर्थन पेश करेगा अमेरिका बाइडन कर सकते हैं कई बड़े एलान

वॉशिंगटन । अमेरिका में इस सप्ताह नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन के लिए अमेरिका अपना मजबूत समर्थन पेश करेगा। इसके अलावा यूरोपीय देशों के लिए सैन्य राजनीतिक और वित्तीय समर्थन बढ़ाने के लिए अमेरिका द्वारा महत्वपूर्ण नई घोषणाएं करने की संभावना है। बता दें कि इस साल मार्च में स्वीडन को नाटो के सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। इसी के साथ यह सम्मेलन नाटो की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ को भी चिह्नित करेगा। वर्तमान में यह 32 देशों का एक मजबूत गठबंधन है। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा, यह वास्तव में यूरो-अटलांटिक की सुरक्षा के लिए आवश्यक रहा है। यह अमेरिका और हमारे सहयोगियों के लिए आ रहे खतरों को रोकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के कुछ ही दिन बाद नाटो शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, इससे पुतिन को एक कड़ा संदेश जाएगा कि अगर उन्हें ऐसा लगता है कि वे यूक्रेन का समर्थन करने वाले देशों को मात दे सकते हैं, तो वह गलत हैं। उन्होंने आगे कहा, हम दुनिया को यह संदेश देने जा रहे हैं कि हम एकजूट होकर लोकतांत्रिक मूल्यों के समर्थन में खड़े हैं। वॉशिंगटन में शुरू होगा शिखर सम्मेलन वॉशिंगटन में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होगा। राष्ट्रपति बाइडन सभी नेताओं का स्वागत करेंगे। 10 जुलाई को राष्ट्रपति बाइडन नाटो के 32 सहयोगियों की बैठक में सबसे नए सदस्य के रूप में स्वीडन का स्वागत करेंगे। इसके बाद शाम में वह नाटो के सभी नेताओं को व्हाइट हाउस में डिनर के लिए आमंत्रित करेंगे। 11 जुलाई को यूरोपीयन यूनियन (ईयू) और इंडो-पैसेफिक साजेदारों ऑस्ट्रेलिया, जपान दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड के साथ नाटो एक बैठक करेगा।

उत्तराधिकारी नियुक्त होने तक पद पर बने रहने को तैयार, इस्तीफे की घोषणा के बाद बोले फ्रांसीसी पीएम

पेरिस। फ्रांस में चुनाव संपन्न होने के बाद प्रधानमंत्री गेब्रियल अट्टल ने अपने इस्तीफे की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने पेरिस ओलंपिक को एक महत्वपूर्ण दायित्व बताया और अपना उत्तराधिकारी नियुक्त होने तक अपने कर्तव्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। चुनाव बाद आए शुरुआती रुझानों में एनएफपी को सबसे ज्यादा बहुमत मिलने का अनुमान है। वहीं, इमैनुअल मैक्रों की सत्तारूढ़ पार्टी दूसरे और दक्षिणपंथी नेशनल रैली तीसरे स्थान पर रह सकती है। चुनावी रुझानों के बाद प्रधानमंत्री अट्टल ने इस्तीफा देते हुए कहा, यदि उनका इस्तीफा अस्वीकार कर दिया जाता है तो वह अपना उत्तराधिकारी नियुक्त होने तक अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए पद पर बने रहेंगे, क्योंकि पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से शुरू होने वाले हैं। फ्रांस 24 के अनुसार, फ्रांसीसी पीएम अट्टल ने अपने इस्तीफा भाषण में कहा, मैंने शुरुआत से ही तीन जोखिमों के लिए सचेत किया है, जिसमें वामपंथी फ्रांस इनसोमिस पार्टी के पूर्ण बहुमत, नेशनल रैली के पूर्ण बहुमत और हमारे मूल्यों और सिद्धांतों को मूर्त रूप देने वाले आंदोलन के गायब होने का जोखिम शामिल है, लेकिन फ्रांस के लोगों ने इन तीनों जोखिमों को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया है। अट्टल ने कहा, प्रधानमंत्री बनना मेरे जीवन का सम्मान था। मैं इस फ्रांसीसी भावना में विश्वास करता हूं जो गणतंत्र की भावना के प्रति गहराई से निहित और प्रतिबद्ध है।

रॉयल्स परिवार में बच्चे एक-दूसरे को विचित्र उपनाम से बुलाते हैं, दिवंगत रानी को कहते थे 'लिलिबेट

लंदन । ब्रिटेन की रॉयल फैमिली के सदस्य एक-दूसरे को उनकी उपाधियों से संबोधित नहीं करते हैं बल्कि सबके लिए एक खास या विचित्र उपनाम होता है। प्रिंस विलियम का उनकी दादी के लिए एक विशेष उपनाम यानी गैरी था अपने एलए दौरे के दौरान जेम्स कॉर्डन के साथ एक साक्षात्कार में मेघन मार्कल ने खुलासा किया कि वह प्रिंस हैरी को हज कहती हैं। द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक दिलचस्प बात यह है कि दिवंगत रानी का परिवार उन्हें लिलिबेट कहकर संबोधित करता था और प्रिंस विलियम का उनकी दादी के लिए एक विशेष उपनाम यानी गैरी था। प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन के बच्चे प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर देते हैं प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन के तीन बच्चे हमेशा महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में अपनी दुर्लभ उपस्थिति से रॉयल प्रशंसकों को आश्चर्यचकित करते हैं। कुछ दिन पहले प्रिंस जॉर्ज, प्रिंसेस चार्लोट और प्रिंस जॉर्ज को अपने माता-पिता के साथ ट्रूपिंग द कलर में देखा गया था।

चुनाव में वामपंथी गठबंधन के आगे निकलते ही भड़की हिंसा,कहीं आग का मंजर कहीं सड़कों पर भागते दिखे लोग

पेरिस, 08 जुलई (एजेंसियां) । चुनाव परिणामों ने फ्रांसीसी राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा। यहां उस समय सियासी उथल-पुथल मच गई, जब वामपंथी गठबंधन बहुमत का दावा करने के लिए तैयार था। इससे पेरिस में जश्न और हिंसा का मिलाजुला माहौल देखने को मिला।

फ्रांस में संसदीय चुनाव के दूसरे चरण के लिए वोटिंग हुई। चुनाव संपन्न होने के बाद मतगणना जारी है। शुरुआती रुझानों के सामने आते ही पूरे देश में हिंसा भड़क उठी। दरअसल, रुझानों में वामपंथी गठबंधन आगे निकल गया है। वहीं, फ्रांस की पहली कट्टर दक्षिणपंथी सरकार बनाने की मरीन ली पेन के सपने को झटका लगा है। ऐसे में यहां नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने दंगा भड़का दिया। यहां प्रदर्शनकारियों को सड़कों पर भागते, आग जलाते और उपद्रव करते हुए देखा गया। इन दंगों को रोकने के लिए बड़ी संख्या में दंगा रोधी पुलिस की तैनाती की गई है।

इसलिए मध्यावधि में हुए चुनाव

गौरतलब है, फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में नौ जून को अपनी पार्टी रेनेसां की बड़ी हार के बाद राष्ट्रपति मैक्रों ने समय पूर्व संसद भंग कर बड़ा जोखिम लिया है। 30 जून को पहले दौर के चुनाव में मरीन ली पेन की नेशनल रैली को अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली थी। उनकी पार्टी को सबसे ज्यादा 35.15 प्रतिशत वोट मिले, जबकि 27.99 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे नंबर पर वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) गठबंधन रहा। मैक्रों की रेनेसां पार्टी सिर्फ 20.76 फीसदी वोट हासिल कर सकी। दूसरे दौर के लिए सिर्फ वही प्रत्याशी मैदान में हैं, जिन्हें पहले चरण में 12.5 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले हैं।

देश में हिंसा भड़की

देश में भड़की हिंसा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में नकाबपोश प्रदर्शनकारी को सड़कों पर दौड़ते, आग जलाते, उपद्रव करते और शहर में अशांति फैलाते हुए देखा जा सकता है। इन लोगों को तितर-बितर करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस भी मौजूद रही।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव परिणामों ने फ्रांसीसी राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा। यहां उस समय सियासी उथल-पुथल मच गई, जब वामपंथी गठबंधन बहुमत का दावा करने के लिए तैयार था। इससे पेरिस में जश्न और हिंसा का मिलाजुला माहौल देखने को मिला।

एनएफपी को सबसे ज्यादा बहुमत

चुनाव बाद आए शुरुआती रुझानों में एनएफपी को सबसे ज्यादा बहुमत मिलने का अनुमान जताया गया। वहीं, इमैनुअल मैक्रों की सत्तारूढ़ पार्टी दूसरे और दक्षिणपंथी नेशनल रैली तीसरे स्थान पर रह सकती है। चुनावी रुझानों के बाद प्रधानमंत्री अट्टल ने इस्तीफा देते हुए कहा था कि यदि उनका इस्तीफा अस्वीकार कर दिया जाता है तो वह अपना उत्तराधिकारी नियुक्त होने तक अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए पद पर बने रहेंगे, क्योंकि पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से शुरू होने वाले हैं।

इसलिए जुटे लोग

इस खबर की खुशी में हजारों लोग पेरिस के प्लेस डे ला रिपब्लिक में एकत्र हुए, जिससे प्रधानमंत्री इमैनुएल मैक्रों के मध्यमार्गी गुट, जिसे दूसरा स्थान मिला था, के मुकाबले गठबंधन को मिले व्यापक समर्थन का पता चला। वहीं, इस उलटफेर से कंजर्वेटिव हैरान रह गए क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि मरीन ले पेन की नेशनल रैली सत्ता पर कब्जा कर लेगी।

आंसू गैस के गोल छोड़े

गुस्साए लोग पेरिस की सड़कों पर उतर आए हैं। वहीं पुलिस अधिकारी भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे। इतना ही नहीं अधिकारियों ने झड़पों के बीच आंसू गैस के गोले भी छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर मोलोटोव कॉकटेल फेंके और धुआं करने के लिए पटाखे फोड़े।

कौन हैं वामपंथी के सदस्य दल

पॉपुलर फ्रंट के नाम से प्रसिद्ध वामपंथी गठबंधन में फ्रांस की सोशलिस्ट पार्टी, फ्रेंच कम्युनिस्ट पार्टी, इकोलॉजिस्ट और फ्रांस अनबोव्ड शामिल हैं। गठबंधन ने मतदाताओं को लुभाने के लिए मैंक्रों की पेंशन सुधार योजना में बदलाव और 60 साल की उम्र पर सेवानिवृत्त करना शामिल है। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन में वृद्धि, धन कर को बहाल करना और फ्रांस के न्यूनतम वेतन में वृद्धि की योजनाएं शामिल हैं।

सुलावेसी द्वीप में बारिश से आई आपदा, सोने की खदान में भूस्खलन से कई लोग मिट्टी में दबे, 12 की मौत

जकार्ता, 08 जुलई (एजेंसियां) । गोरोनटालो प्रांत के सुमावा जिले में हुए भूस्खलन में खनिकों और अवैध खदान के पास रहने वाले निवासियों की मौत हो गई। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर कई दिनों से हो रही भारी बारिश की वजह से बड़ा हादसा सामने आया है। यहां सुलावेसी द्वीप पर मूसलाधार बारिश की वजह से एक अवैध सोने की खदान में भूस्खलन हो गया। भूस्खलन की वजह से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 18 लोगों का फिलहाल कुछ पता नहीं लगा। इतने लोगों को जिंदा बचाया स्थानीय बचाव एजेंसी बसरनास के प्रमुख हेरियांतो ने बताया कि गोरोनटालो प्रांत के सुमावा जिले में हुए भूस्खलन में खनिकों और अवैध खदान के पास रहने वाले निवासियों की मौत हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि हादसे में मिट्टी के नीचे दबे पांच लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि, बचाव दल 18 लापता लोगों की तलाश कर रहा है। बचाव अभियान में आ रही मुसीबत हेरियांतो ने बताया, हमने लापता लोगों की तलाश के लिए राष्ट्रीय बचाव दल, पुलिस और सैन्यकर्मियों समेत 164 कर्मचारियों को तैनात किया है। वहीं, बचाव कर्मचारियों को भूस्खलन स्थल तक पहुंचने के लिए करीब 20 किलोमीटर यानी 12.43 मील का रास्ता तय करना पड़ रहा है। यहां सड़क पर कीचड़ और क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से बचाव अभियान में मुसीबत आ रही है। कुछ घर भी तबाह उन्होंने कहा कि लोगों को बचाने के लिए अगर संभव हो सका तो एक्सवेटर का भी इस्तेमाल करेंगे। एजेंसी की माने तो भूस्खलन से कुछ घर भी तबाह हो गए हैं। इंडोनेशिया की आपदा एजेंसी (बीएनपीबी) ने कहा कि भूस्खलन से कई घर और एक पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। उसने निवासियों तो चेतावनी दी है कि गोरोनटालो प्रांत के कुछ इलाकों में अभी भी बारिश हो सकती है और लोगों से सतर्क रहने को कहा है। पहले भी हो चुका है भूस्खलन दक्षिण सुलावेसी में अप्रैल में एक भूस्खलन में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना भी भारी बारिश के चलते ही हुई थी। वहीं, इंडोनेशिया के पश्चिम सुमात्रा प्रांत में मई में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ और मिट्टी खिसकने से 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

पादरी ने सबको खड़े होने के लिए कहा, पर मंच पर ही बैठे रह गए राष्ट्रपति जो बाइडन, स्वास्थ्य पर फिर उठे सवाल

हैरिसबर्ग, 08 जुलई (एजेंसियां) । पेंसिल्वेनिया में एक अभियान में जब पादरी ने सभी को खड़ा होने के लिए कहा तो जो बिडेन लगभग 25 सेकेंड तक अचेत अवस्था में बैठे रहे। इस दिनों वैसे ही उनको अयोग्य बताकर राष्ट्रपति की दौड़ से बाहर निकालने की मांग भी बढ़ रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद की बहस में जो बाइडन की डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद से ही उनके पद की रेस से बाहर होने की मांग उठने लगी। मंच पर वैसे पर तो जो बाइडेन अक्सर कुछ न कुछ गलतियां करते रहे हैं। कभी वे स्तब्ध रह गए, गलत भी बोले फिर एक जगह बस देखते ही रह गए। अब हाल ही में नॉर्थवेस्ट फिलाडेल्फिया में माउंट एरी चर्च ऑफ गॉड इन क्राइस्ट में बाइडेन का स्वागत किया गया। चर्च में उन्होंने भाषण दिया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अमेरिका को फिर से एकजुट करना है। उन्होंने कहा कि मैं यह काम लंबे समय से कर रहा हूं। और अगर ईमानदारी से कहूं तो मैं अमेरिका के भविष्य का लेकर पहले कभी आशावादी नहीं रहा। अगर हम साथ मिलकर काम करें। हमें अमेरिका में सम्मान और उम्मीद वापस लानी होगी। इस बीच अजीब घटना यह हुई कि जब फिलाडेल्फिया के एक चर्च में जो बाइडेन तब भी बैठे रहे जब पादरी ने सभी को खड़े होने के लिए कहा। लगभग 25 सेकेंड तक वे कुसी पर बैठे रहे। वहीं पुरानी बहस के बाद उन्होंने कहा था कि उनका पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा मैं चुनाव लड रहा हूं मैं, डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार हूं, कोई भी मुझे बाहर नहीं धकेल रहा, मै नहीं जा रहा हूं। सेवा के अयोग्य बताकर पीछे हटने की मांग उनके वीडियो के कमेंट में कई यूजर ने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। एक यूजर ने कहा कि ये भी पता नहीं चल पा रहा है कि उन्हें खड़ा होना चाहिए या नहीं। उनके पास परमाणु कोड हैं यहां तक कि एक डेमोक्रेट को भी यहां समस्या होगी।

इस साल इतिहास में सबसे गर्म रहा जून, लगातार 12वें महीने टूटी वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी की सीमा

वॉशिंगटन, 08 जुलई (एजेंसियां) । जलवायु परिवर्तन का असर पूरी दुनिया पर पड़ता दिखाई दे रहा है। कहीं गर्मी तो कहीं बारिश का तांडव देखा जा सकता है। तापमान ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस गर्मी में भारत में अब तक 50 डिग्री के पार जा चुका है। इस बीच, यूरोपीय संघ (ईयू) की जलवायु एजेंसी कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने बताया कि पिछले महीने पांच महाद्वीपों में लाखों लोगों को चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ा। साथ ही इस बात की पुष्टि की कि जून अब तक का सबसे गर्म महीना था। दुनिया बड़े पैमाने पर जलवायु परिवर्तन के संकट को टालने के लिए विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार करने के कगार पर खड़ी है। जून इस तय सीमा के करीब पहुंचने का लगातार 12वां महीना है। सी3एस के वैज्ञानिकों के मुताबिक, पिछले साल जून के बाद से हर महीना रिकॉर्ड पर सबसे गर्म महीना रहा है। गौरतलब है, इस साल जनवरी में बढ़ता तापमान औद्योगिक काल (1850 से 1900) से पहले की तुलना में 1.66 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा था, जो इसे अब तक की सबसे गर्म जनवरी बनाता है। बता दें कि कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस यूरोपियन यूनियन के अर्थ ऑब्जरवेशन प्रोग्राम का हिस्सा है। जनवरी 2024 के दौरान सतह के पास हवा का औसत वैश्विक तापमान 13.14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जो 1991 से 2020 के दरमियान जनवरी माह में दर्ज औसत तापमान से करीब 0.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

2015 में यह सीमा की थी तय

2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते के तहत वैश्विक औसत तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ने देने का लक्ष्य रखा गया था और कहा गया था कि इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस पार नहीं होने दिया जाएगा। हालांकि, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और वैश्विक तापमान से यह लक्ष्य पार होते दिख रहा है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यदि लोगों की बड़ी आबादी को भारी नुकसान से बचाना है, तो उचित सीमा एक डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे निर्धारित की जानी चाहिए। हालांकि, इस बात पर भी गौर किया जाना चाहिए कि पृथ्वी का तापमान 150 साल पहले की तुलना में 1.2 डिग्री सेल्सियस पहले ही बढ़ चुका है।

पिछले 12 महीने सबसे गर्म

नए आंकड़ों के अनुसार, जून 2024 अब तक का सबसे गर्म महीना रहा, जिसमें सतह का औसत तापमान 16.66 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991-2020 के औसत तापमान से 0.67 डिग्री सेल्सियस अधिक तथा जून 2023 में दर्ज पिछले उच्चतम तापमान से 0.14 डिग्री सेल्सियस अधिक है। यूरोपीय जलवायु एजेंसी ने कहा कि पिछले 12 महीनों (जुलाई 2023-जून 2024) के लिए वैश्विक औसत तापमान रिकॉर्ड पर सबसे अधिक है।

आखिर क्यों फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों नई सरकार के बारे में फैसला करने का करेंगे इंतजार

पेरिस, 08 जुलई (एजेंसियां) । संसदीय चुनावों के दूसरे दौर के प्रारंभिक परिणामों की घोषणा के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय का बयान सामने आया है। उसका कहना है कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों नई सरकार के बारे में फैसला लेने के लिए इंतजार करेंगे।

लोगों की पसंद का करेंगे सम्मान

फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय एलिसी पैलेस का कहना है, हमारे संस्थानों की जिम्मेदारी लेने वाले के रूप में राष्ट्रपति यह सुनिश्चित करेंगे कि फ्रांसीसी लोगों की पसंद का सम्मान किया जाए। गणतंत्रीय परंपरा को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लेने से पहले नई नेशनल असेंबली के गठन का इंतजार करेंगे। मैक्रों आने वाले परिणामों पर सावधानीपूर्वक विचार कर रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि मैक्रों का ध्यान फिलहाल चुनाव परिणामों के विश्लेषण पर है और वह कोई भी फैसला लेने से पहले संसद में पूरी तस्वीर सामने आने का इंतजार कर रहे हैं।

न्यू पॉपुलर फ्रंट की सफलता

संसदीय उपचुनाव में न्यू पॉपुलर फ्रंट की सफलता ने उन्हें अग्रणी ताकत बना दिया है, हालांकि वे पूर्ण बहुमत से पीछे रह गए हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह परिणाम फ्रांस में चल रही राजनीतिक अस्थिरता को दर्शाता है, जहां किसी भी एक गठबंधन को स्वतंत्र रूप से शासन करने के लिए पर्याप्त सीटें नहीं मिल रही हैं।

इस बीच, फ्रांस के प्रधानमंत्री गैब्रियल अट्टल ने अपने इस्तीफे की घोषणा की है।

जॉर्डन बार्डेला ने मैक्रों की आलोचना की

चुनाव परिणामों ने फ्रांसीसी राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा। जॉर्डन बार्डेला के नेतृत्व वाली नेशनल रैली ने मैक्रों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति मैक्रों कथित तौर पर फ्रांस को अनिश्चितता और अस्थिरता में धकेल रहे हैं। इसके अलावा बार्डेला ने अनुमानित परिणामों से कम सीटें मिलने पर निराशा भी व्यक्त की।

फ्रांस में त्रिशंकु सरकार बनने की संभावना

फ्रांस में संसदीय चुनाव के दूसरे चरण के लिए वोटिंग हुई। रुझानों में अप्रत्याशित रूप से एकजुट हुए वामपंथी गठबंधन को बढ़त मिलती दिख रही है, जोकि राष्ट्रपति मैक्रों के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं, रुझानों में मैक्रों का मध्यमार्गी गठबंधन दूसरे और धुर दक्षिणपंथी तीसरे स्थान पर रहने का अनुमान है। किसी भी एक गठबंधन को बहुमत मिलता दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में राष्ट्रपति मैक्रों को अभूतपूर्व परिस्थितियों का सामना करते हुए धुर-दक्षिणपंथियों के साथ सत्ता साझा करनी पड़ सकती है। वहीं, विशेषज्ञों ने त्रिशंकु सरकार बनने की भी संभावना जताई है। राष्ट्रपति मैक्रों ने सबको चौंकाते हुए समय से तीन साल पहले आकस्मिक चुनाव का एलान किया था, लेकिन इसका असर उल्टा होता दिख रहा है।

मतगणना जारी

चुनाव संपन्न होने के बाद मतगणना जारी है। चुनाव परिणाम आने की उम्मीद है। फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में 9 जून को अपनी पार्टी रेनेसां की बड़ी हार के बाद राष्ट्रपति मैक्रों ने समय पूर्व संसद भंग कर बड़ा जोखिम लिया है। 30 जून को पहले दौर के चुनाव में मरीन ली पेन की नेशनल रैली को अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली थी। उनकी पार्टी को सबसे ज्यादा 35.15 प्रतिशत वोट मिले, जबकि 27.99 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे नंबर पर वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट गठबंधन रहा। मैक्रों की रेनेसां पार्टी सिर्फ 20.76 फीसदी वोट हासिल कर सकी। दूसरे दौर के लिए सिर्फ वही प्रत्याशी मैदान में हैं, जिन्हें पहले चरण में 12.5 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले हैं।

फ्रांस में संसदीय चुनावों के लिए इस बार 4.9 करोड़ से ज्यादा मतदाता पंजीकृत हैं। मतदाताओं को नेशनल असेंबली के लिए 577 सदस्यों का चुनाव करना है। नेशनल असेंबली फ्रांस की संसद का प्रभावशाली निचला सदन है, जिसमें बहुमत के लिए 289 सीटें जीतना जरूरी है। फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, स्थानीय समयानुसार दोपहर तक 26.63 प्रतिशत मतदाता वोट डाल चुके थे। फ्रांस के संसदीय चुनाव में मतदान का नया रिकॉर्ड बना है। रात 8 बजे मतदान की समाप्ति से तीन घंटे पहले 59.71 प्रतिशत लोग मतदाधिकार का प्रयोग कर चुके थे, जो वर्ष 1981 के बाद सबसे अधिक मतदान है।

हेमंत सोरेन ने विधानसभा में विश्वासमत हासिल किया

45 विधायकों ने दिया हेमंत सोरेन का साथ

सीएम सोरेन ने मंत्रिमंडल का किया विस्तार

रांची, 08 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभालने वाले हेमंत सोरेन सोमवार को विधानसभा में विश्वास मत पेश किया। विपक्ष के जोरदार हंगामे और वॉकआउट के बीच सीएम सोरेन ने विश्वास मत जीत लिया।

झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए एक घंटे का समय आवंटित किया था। 81 सदस्यीय विधानसभा में कुल 45 विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। वहीं, निर्दलीय विधायक सरयू राय ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया।

विधानसभा के विशेष सत्र में विश्वास प्रस्ताव के दौरान इंडिया ब्लॉक और एनडीए के विधायकों की रणनीति क्या हो, इसके लिए रविवार शाम सत्ता और विपक्ष के विधायकों की बैठक हुई। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायकों ने विश्वास मत हासिल करने का विश्वास जताया। वहीं विपक्षी दल एनडीए ने कहा कि सत्तारूढ़

गठबंधन के लिए यह आसान नहीं होगा। हेमंत सोरेन ने अपने पूर्ववर्ती चंपई सोरेन के पद से हटने के एक दिन बाद, चार जुलाई को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में झारखंड उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद हेमंत सोरेन को 28 जून को जेल से रिहा कर दिया गया था। 31 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने से कुछ समय पहले उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में 76 विधायक हैं। हेमंत सोरेन ने तीन जुलाई को सरकार बनाने का दावा पेश किया था, जिसके बाद सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन ने राज्यपाल को 44 विधायकों की समर्थन सूची सौंपी।

सीएम सोरेन ने किया मंत्रिमंडल में फेरबदल

रांची, 08 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में हेमंत सोरेन ने दो दिन पहले तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सोरेन ने आज सदन में विश्वास मत हासिल किया और उन्होंने आज ही अपने मंत्रिमंडल का विस्तार भी किया। कांग्रेस-जेएमएम-आरजेडी गठबंधन के 11 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। कांग्रेस के चार विधायक मंत्री बने हैं। जेएमएम के 6 विधायक मंत्री बने हैं। इसके अलावा आरजेडी की ओर से सत्यानंद भोक्ता को मंत्री बनाया गया है। जेएमएम के जिन 6 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ की, उनमें मिथिलेश ठाकुर, बेबी बेबी, हफीजुल हसन, चंपई सोरेन, बैद्यनाथ राम और दीपक बिरुआ शामिल हैं। कांग्रेस के 4 विधायक इरफान अंसारी, बन्ना गुप्ता, रामेश्वरम उरांव और दीपिका सिंह पांडे सोरेन मंत्रिमंडल में शामिल हुए हैं। हेमंत सोरेन ने अपने मंत्रिमंडल में आरजेडी को भी एक कोटा दिया है। आरजेडी की ओर से सत्यानंद भोक्ता को मंत्री बनाया गया है। मंत्रिमंडल में बादल पत्रलेख और बसंत सोरेन को शामिल नहीं किया गया।

कश्मीर के 57 नेताओं से सुरक्षा वापस ली गई

जम्मू, 08 जुलाई (ब्यूरो)। प्रदेश में विधानसभा के संभावित चुनावों से पहले, उपराज्यपाल प्रशासन ने कई प्रमुख राजनीतिक नेताओं और पूर्व न्यायाधीशों और पुलिस अधिकारियों के अलावा कुछ पत्रकारों की सुरक्षा वापस ले ली है। राजनीतिक पंडित इसे कश्मीर में सब चंगा है दिखाने की कवायद मानते हैं। करीब 57 लोगों से सुरक्षा वापस ले ली गई है।

राज्य स्तरीय समिति (एसएए-लसी) ने 30 मार्च 2024 को कुछ वीआईपी से सुरक्षा और गार्ड वापस लेने के बारे में जो फैसला किया था उसके तहत यह कदम उठाया गया है। इस फैसले का पालन करते हुए कुछ शीर्ष पुलिस अधिकारियों, न्यायाधीशों और नौकरशाहों के अलावा कुछ पत्रकारों से सुरक्षा कवर वापस ले लिया गया है। हालांकि इस कदम को उठाने की टाइमिंग पर उठते सवालों का जवाब अधिकारी नहीं दे पाते।

जानकारी के मुताबिक, पूर्व आईपीएस अधिकारी मुनीर अहमद खान, जो वर्तमान में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग के सदस्य हैं; जुनैद मट्टू, पूर्व मेयर श्रीनगर; पूर्व न्यायाधीश, मोहम्मद याकूब मीर; सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश, मंसूर अहमद मीर; फारूक अहमद शाह, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी, वर्तमान में एनसी नेता; पूर्व सांसद, शरीफ दीन शरीक; पूर्व विधायक, मोहम्मद शफी उड़ी; पूर्व मंत्री, जावेद मुस्तफा मीर, एम अशरफ मीर और इमरान रजा अंसारी और कई अन्य की सुरक्षा व्ययवस्थ्था हटाने का फैसला लिया गया है। कुछ मीडियाकर्मियों की सुरक्षा भी वापस ले ली गई है। पुलिस प्रशासन ने 57 वीआईपी की सूची जारी की है, जिनकी सुरक्षा वापस ले ली गई है। इस आदेश पर एसएसपी श्रीनगर ने हस्ताक्षर किए हैं।

प्रशासन के इस फैसले से यहां नई बहस छिड़ गई है। लोग इस फैसले के समय पर सवाल उठा रहे हैं।

एक तरफ तो उपराज्यपाल प्रशासन विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा है, लेकिन दूसरी तरफ कुछ अहम शख्सियतें, जो इस प्रक्रिया को सफल बना सकती हैं, उन्हें सुरक्षा कवर नहीं दिया जा रहा है।

कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आप राजा एजाज, जुनैद मट्टू, इमरान और आबिद अंसारी, मोहम्मद शफी उड़ी, जावेद मुस्तफा मीर और एम अशरफ मीर जैसे लोगों से कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि वे चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे, जबकि उनके पास सुरक्षा कवर नहीं है। यह सच है कि सुरक्षा कवर भी एक उपद्रव बन गया है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनके पैरों तले जमीन नहीं है और वे वीवीआईपी सुरक्षा कवर का आनंद ले रहे हैं। लेकिन दूसरी तरफ कुछ ऐसे भी लोग हैं, जो विपरीत समय में देश की अखंडता के लिए खड़े रहे। जिनके पैरों तले ज़मीन नहीं बची है, उन्हें सुरक्षा दी जा रही है, लेकिन देश के साथ खड़े होने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वालों से सुरक्षा वापस ले ली गई है। पुलिस द्वारा जारी किया गया ताजा आदेश कई लोगों को हैरान कर रहा है, क्योंकि जाहिर तौर पर इसमें कोई तर्क नहीं दिखता। एक राजनीतिक नेता का कहना था कि आपने अभी-अभी लोकसभा चुनाव संपन्न किए हैं, और विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रहे हैं और कुछ प्रमुख राजनीतिक खिलाड़ियों की सुरक्षा वापस ले रहे हैं।

के. कविता की याचिका पर सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति मामले में बीआरएस नेता के. कविता की डिफॉल्ट जमानत वाली याचिका पर अदालत ने सीबीआई को नोटिस जारी किया है। इस मामले में 12 जुलाई को सुनवाई होगी। के कविता ने डिफॉल्ट जमानत की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था। जिस पर आज राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई।

तिरुवल्लूर के पोथुर में दफनाए गए के. आर्मस्ट्रॉन्ग

शहर में निकाली गई आठ घंटे की शवयात्रा

चेन्नई , 08 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु बीएसपी अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग को कार्यालय में दफनाने की याचिका मद्रास हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। इसके बाद उन्हें सोमवार को पड़ोसी तिरुवल्लूर जिले में दफनाया गया। शहर से आठ घंटे तक उनकी अंतिम यात्रा चलकर तिरुवल्लूर के पोथुर पहुंची वहां उनके शव को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। तमिलनाडु के बीएसपी अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार को उनके घर के पास ही हत्या कर दी गई थी। चेन्नई के पेरांबूर में 6 लोगों की अज्ञात भीड़ ने बीएसपी प्रदेश अध्यक्ष की हत्या की है। दोपहिया वाहन पर हमलावरों ने चेन्नई नगर निगम के पूर्व पार्षद के. आर्मस्ट्रॉन्ग पर पेरम्बूर में उनके घर के पास हमला किया और भाग गए। हमले में बसपा नेता गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि अस्पताल ले जाते समय के. आर्मस्ट्रॉन्ग की मौत हो गई। बीएसपी सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को यहां अपने पार्टी सहयोगी को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को न्याय दिलाने के लिए हत्या की सीबीआई जांच की मांग की।

इस बार अमरनाथ श्रद्धालुओं को राहत पहुंचा रहा पोनी-एम्बुलेंस

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 08 जुलाई।

अमरनाथ यात्रा में शिरकत करने वाले वे श्रद्धालु अब राहत महसूस कर रहे हैं जिन्हें स्वास्थ्य समस्याएं आ रही हैं क्योंकि स्वाथ्य विभाग ने यात्रा मार्ग पर पोनी अर्थात खच्चरों पर एम्बुलेंस स्थापित किए हैं जो कुछ ही देर में पीड़ितों के पास पहुंच कर उन्हें राहत दे रही हैं। इस बार स्वास्थ्य सेवा निदेशालय कश्मीर ने अमरनाथ यात्रा के लिए एक पोनी एम्बुलेंस सेवा शुरू की है, जो तीर्थयात्रियों को उनकी यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सहायता प्रदान कर रही है। सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह के मार्गदर्शन में निदेशक स्वास्थ्य सेवा कश्मीर डॉ. मुश्ताक अहमद राथर द्वारा की गई इस पहल को यात्रियों द्वारा व्यापक रूप से सराहा जा रहा है।

पोनी एम्बुलेंस, मेडिकल किट और आक्सीजन सिलेंडर से सुसज्जित एक घोड़े पर चढ़कर आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, बालटाल और पहलगाम दोनों अक्षों पर तीर्थयात्रियों के साथ जाती है। प्रशिक्षित कर्मचारी पोनी एम्बुलेंस को संभालते हैं, जो यात्रा के दौरान यात्रियों के सामने आने वाली किसी भी स्वास्थ्य समस्या पर तुरंत प्रतिक्रिया देता है। समय पर किए गए इस हस्तक्षेप से रुग्णता और मृत्यु दर में काफी कमी आई है। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा सचिव डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह ने इस अभिनव दृष्टिकोण के लिए स्वास्थ्य विभाग की सराहना करते हुए कहा कि हम श्री अमरनाथ यात्रियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पोनी एम्बुलेंस सेवा ने तीर्थयात्रियों के आत्मविश्वास को बढ़ाया है और यात्रा के दौरान आराम। वे कहते हैं कि यह अग्रणी प्रयास चुनौतीपूर्ण इलाके में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के समर्पण को दर्शाता है। पोनी एम्बुलेंस ने कश्मीर के स्वास्थ्य सेवा नवाचार को प्रदर्शित करते हुए दूरदराज के क्षेत्रों में आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए एक नया मानक स्थापित किया है।

इस एंबुलेंस में घोड़े पर चढ़ा एक आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र चिकित्सा किट और आक्सीजन सिलेंडर से लैस है। यह तंत्र बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर तीर्थयात्रियों के साथ जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पोनी एम्बुलेंस को प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। ये कर्मी यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं या आपात स्थिति में तेजी से प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार हैं। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा सचिव सैयद आबिद रशीद शाह ने कहा कि हम अमरनाथ यात्रियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पोनी एम्बुलेंस सेवा ने यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों के आत्मविश्वास और आराम को बढ़ाया है। शाह ने कहा कि यह सेवा, जिसे तीर्थयात्रियों द्वारा व्यापक रूप से सराहा गया है, कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा विभाग द्वारा शुरू की गई है। इस सेवा की परिकल्पना विभाग के निदेशक मुश्ताक अहमद राथर ने की थी। स्वास्थ्य विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस सेवा ने दूरदराज के इलाकों में आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए एक नया मानक स्थापित किया है।

नेपाल के उप राष्ट्रपति से मिले बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष

नेपाल में हिंदी के विकास और सम्मान के लिए सार्थक पहल

पटना/काठमांडू, 08 जुलाई (एजेंसियां)। सांस्कृतिक, आत्मिक और सामाजिक रूप से जुड़े पड़ोसी देश नेपाल में हिंदी के प्रचार प्रसार और उत्थान के लिए बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने पिछले दिनों नेपाल के उपराष्ट्रपति राम सहाय यादव से मुलाकात की और उन्हें अक्टूबर माह में प्रस्तावित हिंदी साहित्य सम्मेलन के शताब्दी समारोह के लिए उन्हें आमंत्रित किया। नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री और संघीय समाजवादी फोरम के अध्यक्ष उपेंद्र यादव के साथ डॉ. सुलभ उप राष्ट्रपति से मिले और उन्हें अपनी चार पुस्तकें भी भेंट कीं। डॉ. सुलभ ने कहा कि जिस तरह भारत में नेपाली भाषा को सम्मान और सरकारी कामकाज में स्वीकार्यता है, उसी तरह नेपाल में हिंदी का सम्मान होना चाहिए।

काठमांडू के उप राष्ट्रपति निवास में लगभग बीस मिनट की मुलाकात में डॉ. सुलभ ने बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के गौरवशाली 105 वर्षों के अवदान से उप राष्ट्रपति को अवगत कराया और नेपाल में हिंदी के उन्नयन के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की। डॉ. सुलभ ने बताया कि यह भेंट भारत और नेपाल के मध्य सांस्कृतिक और साहित्यिक संबंधों के विकास की दिशा में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सम्पन्न हुआ। डॉ. सुलभ के साथ नेपाल हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष और नेपाली तथा हिंदी के वरिष्ठ कवि डॉ. रामदयाल राकेश और पटना से आए समाज-सेवी और संस्कृति-कर्मी शिवम् झा भी भेंट में सम्मिलित थे।

नेपाल में सम्मानित हुए सम्मेलन अध्यक्ष

काठमांडू, 08 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल हिंदी साहित्य सम्मेलन तथा पार्वती स्मृति प्रतिष्ठान, सर्लाही के संयुक्त तत्त्वावधान में, शनिवार की शाम काठमांडू के बानेसर स्थित ओक्टोबर कैफे में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। प्रतिष्ठान की ओर से डॉ. सुलभ को पार्वती स्मृति सम्मान से विभूषित किया गया। डॉ. सुलभ को यह सम्मान, भाषा आयोग, नेपाल के अध्यक्ष और सुप्रसिद्ध भाषा-वैज्ञानिक डॉ. गोपाल ठाकुर ने किया। सम्मान में प्राप्त हुई ग्यारह हजार रुपए की सम्मान-राशि डॉ. सुलभ ने पार्वती स्मृति प्रतिष्ठान को अन्य साहित्यिक प्रयोजन के लिए अर्पित कर दी।

समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. ठाकुर ने कहा कि नेपाल में बोली जानेवाली बोलियों और भाषाओं की संख्या 124 है, जिनके संरक्षण और विकास के लिए उदारवादी नीति आवश्यक है। नेपाल में हिंदी भाषा का सौहार्दपूर्ण विकास के लिए हम सभी तत्पर हैं। सभा की अध्यक्षता करते हुए नेपाल सरकार के प्रज्ञा प्रतिष्ठान के पूर्व सदस्य सचिव और नेपाली के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. तुलसी भट्टराई ने कहा कि भारत और नेपाल का सांस्कृतिक संबंध आदि-कालीन है। हमें इसे और प्रगाढ़ करने पर बल देना चाहिए। अपार स्नेह और सम्मान के लिए कृतज्ञता-ज्ञापित करते हुए, डॉ. अनिल सुलभ ने कहा कि भारत-नेपाल के मध्य केवल सांस्कृतिक ही नहीं रक्त के संबंध भी हैं, जो कभी तोड़े नहीं जा सकते। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिस प्रकार भारत ने अपने शासकीय कार्यों के लिए संविधान की अष्टम अनुसूची में नेपाली भाषा को सम्मिलित कर इसका उचित सम्मान किया है, उसी प्रकार नेपाल में हिंदी का सम्मान होना चाहिए। परस्पर सौहार्द के लिए भाषिक-सौहार्द भी आवश्यक है, क्योंकि भाषा सेतु का निर्माण करती है।

मदेसी आयोग की सदस्या और लेखिका आभा सेतु सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अतिथियों का अभिनन्दन नेपाल हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राम दयाल राकेश ने तथा संचालन कवयित्री संगीता ठाकुर ने किया। वरिष्ठ लेखिका पूनम दहल, डॉ. विप्लव धकाल, डॉ. नागेन्द्र शाह, डॉ. पद्मा आर्या, डॉ. आरती शाह, तारादेवी शाह, आदित्य शाह, तारणी राज, प्रशांत शाह, काशीनाथ तनहा, रवींद्र कुमार शाह, शंकर भारती, राजेंद्र प्रसाद शाह समेत अनेक गण्यमान्य प्रबुद्धजन समारोह में उपस्थित थे।

बसपा प्रदेशाध्यक्ष की हत्या के बाद चेन्नई पुलिस कमिश्नर का तबादला

चेन्नई , 08 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु बहुजन समाज पार्टी के प्रमुख के आर्मस्ट्रॉन्ग की चेन्नई में उनके घर के सामने हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के बाद चेन्नई के पुलिस कमिश्नर का तबादला कर दिया गया है। उनके स्थान पर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ए अरुण को तैनाती दी गई है।

तमिलनाडु के बसपा प्रमुख की शुक्रवार को हत्या कर दी गई। बाइक सवार छह लोगों ने उनके घर के पास ही उनकी हत्या कर दी। इस मामले में अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह पिछले साल गैंगस्टर अर्कोट सुरेश की हत्या से जुड़ा बदला लेने के लिए की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि अर्कोट सुरेश के परिवार को संदेह है कि आर्मस्ट्रॉन्ग ने ही हत्या की साजिश रची थी।

शुक्रवार को हुई इस घटना के बाद वर्तमान चेन्नई पुलिस कमिश्नर का तबादला कर दिया गया है। एनडीआरएफ और सीआईएसएफ में रहे चुके आईपीएस अधिकारी संदीप राय राठौर की जगह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ए अरुण को नियुक्त किया जाएगा। अरुण कुमार वर्तमान में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था हैं। वहीं संदीप राय राठौर को अब पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, चेन्नई का डीजीपी नियुक्त किया है। अरुण की जगह डेविडसन देवसिरवथम को राज्य डीजीपी कानून और व्यवस्था नियुक्त किया है।

आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या के बाद बीएसपी सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को यहां अपने पार्टी सहयोगी को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को न्याय दिलाने के लिए हत्या की सीबीआई जांच की मांग की।

एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग को पूरी आजादी देकर ही कानून-व्यवस्था को बेहतर तरीके से संभाला जा सकता है। राज्य सरकार द्वारा चेन्नई के पुलिस आयुक्त संदीप राय राठौर की जगह वरिष्ठ अधिकारी ए अरुण को नियुक्त करने के तुरंत बाद, विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने कहा कि केवल एक अधिकारी का तबादला कर देने से कानून-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से नहीं चलाता जा सकता।

पुलिस विश्वविद्यालय एआई का अपराध अनुसंधान में करे सकारात्मक उपयोग : मिश्र

जोधपुर, 08 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय का कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का अपराध अनुसंधान में सकारात्मक उपयोग एवं अपराध रोके जाने के लिए 'थिंक-टैंक' के रूप में काम करने, अपराध विज्ञान से जुड़े विभिन्न अनुशासनों में उत्कृष्ट शोध और प्रभावी पुलिस शिक्षण के लिए कार्य करने का आह्वान किया है।

श्री मिश्र जोधपुर स्थित सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपराध विज्ञान के शिक्षण में नवाचार का भी यह विश्वविद्यालय देश-विदेश का बड़ा केन्द्र बनें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का व्यक्ति और समाज के विकास से अत्यन्त गहरा रिश्ता है। साथ ही हमें शिक्षा के बेहतरीन ढांचें एवं आदर्श मूल्यों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वह है, जो व्यक्ति को अज्ञान, अनिश्चितताओं और अस्पष्टताओं से मुक्त करे। इसी प्रकार यह विश्वविद्यालय भी पुलिस एवं सुरक्षा के क्षेत्र में अस्पष्ट, अज्ञात और भ्रमित करने वाली जानकारियों के संदर्भ में आलोक पथ का संवाहक बने।

श्री मिश्र ने कहा कि भारत सदियों तक विश्वगुरु रहा है। और दुनिया को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित किया है। नालंदा एवं तक्षशिला इसके जीते-जागते उदाहरण हैं।

उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नामकरण लौह पुरूष सरदार पटेल के नाम पर किया गया है। जिन्होंने रियासतों का एकीकरण करते हुए छोटी-बड़ी रियासत को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया। साथ ही, देश में मजबूत पुलिस व्यवस्था स्थापित करने में सरदार पटेल की महती भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय उनके बताए आदर्श मार्ग पर चलते हुए भारत को मजबूत पुलिस व्यवस्था देने वाले कार्मिक और अधिकारी उपलब्ध कराने के साथ ही पुलिसिंग में समय अनुरूप उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' संकल्प को पूरा करने में इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का भी योगदान रहे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में साइबर अपराध सहित अन्य अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। अपराधी तकनीक का इस्तेमाल करने लगे है, ऐसे में 'स्मार्ट पुलिसिंग' आज के समय की बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा एवं वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में पुलिस विश्वविद्यालय को अपने पाठ्यक्रमों को समयानुकूल, उपयोगी और अद्यतन बनाना होगा। साथ ही विश्वविद्यालय को पुलिसिंग, आतंरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, फोरेंसिक साइंस आदि क्षेत्रों में शोध को अकादमिक गुणवत्ता एवं सामाजिक उपयोगिता सहित दोनों दृष्टियों से प्रभावी बनाना होगा। उन्होंने कहा कि इससे पुलिसिंग की विभिन्न विधाओं में शोध एवं अनुसंधान में युवा अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे।

श्री मिश्र ने कहा कि वर्तमान में संगठित और साइबर अपराध के नये-नये स्वरूप देखने को मिल रहे हैं। इसलिए केन्द्र सरकार ने आपराधिक न्याय से जुड़े तीन नये कानूनों लागू किया हैं जो न्याय की अवधारणा को मजबूत करते हैं। जिसमे समयबद्ध न्याय एवं पुलिस के लिए सीमाएं निर्धारित की गई हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार छोटे अपराधों में सजा के तौर सामुदायिक सेवा का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों में नये कानूनों के अध्यन का समावेश करे।

श्री मिश्र ने कहा कि अपराध विज्ञान, पुलिस विज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान आदि के तहत समय-संदर्भों और अपराध से जुड़े विशेष प्रकरणों के आधार पर पुलिस बलों के लिए नवीन पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय तैयार करे। इनमें सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों की मदद के साथ फोरेंसिक वैज्ञानिक, मनावैज्ञानिकों, चिकित्सकों और सूचना और प्रौद्योगिकी में दक्ष विशेषज्ञों की मदद ले। श्री मिश्र ने कहा कि संविधान हमारी उदात्त जीवन परम्पराओं का संवाहक है।उन्होंने ने युवाओं से आह्वान किया कि भारत के नव-निर्माण में आपको महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, इसलिए संविधान में प्रदत्त मूल कर्तव्यों को आचरण में लाकर आगे बढ़ें। समारोह में राज्यपाल ने 10 दीक्षार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर समाज को एक नयी दिशा देने की ओर कार्य करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वह न्याय की प्रक्रिया में नये अनुभव के साथ कार्य कर देश की प्रगति में अहम योगदान देवें।

जस्सी ने बिना किसी बाधा के हेरोइन की खेप फाजिल्का पहुंचाई थी

श्रीगंगानगर, 08 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अनूपगढ़ जिले में मादक पदार्थों के तस्करों का सहयोगी जसविंदर सिंह उर्फ जस्सी 10 दिन पहले पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से आई छह किलो हेरोइन की खेप बिना किसी बाधा के पंजाब के फाजिल्का जाकर एक बड़े तस्कर को दे आया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जस्सी को पुलिस ने गत पांच-छह जुलाई की रात पाकिस्तान सीमा के समीप पकड़ा था। तब उसके पास दो लाख रुपए की राशि मिली थी। उस रात जसविंदर फिर से पंजाब एवं पाकिस्तान के तस्करों को एक और हेरोइन की खेप मंगवाने के लिए मोबाइल फोन से उस स्थान की जानकारी भेजने वाला था। यह खेप भी वह सुरक्षित पंजाब पहुंचा देता तो उसे तस्करों से पांच लाख रुपए मिलने थे। सीमावर्ती समेजा कोठी थाना क्षेत्र में सलेमपुर गांव का जसविंदर सिंह रायसिख (32) से पुलिस तथा खुफिया एजेंसियों द्वारा निरंतर कड़ी पूछताछ की जा रही है। वह छह दिन की पुलिस हिरासत में है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में जस्सी ने खुलासे किये हैं। वह न केवल पंजाब, बल्कि पाकिस्तान के तस्करों के संपर्क में भी था। उसके मोबाइल फोन में कई संदिग्ध व्यक्तियों के नंबर मिले हैं। ये नंबर पंजाब और पाकिस्तान के तस्करों के हैं। इन नंबरों पर उसने हेरोइन की खेप मंगवाने के लिए कई बार सीमा क्षेत्र की जानकारी भेजी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक जस्सी से की गई पूछताछ और उसके मोबाइल फोन को खंगालने पर पंजाब के कई तस्करों से उसके संबंध पाए गए हैं। वहीं वह छिंदा किंग नामक एक पाकिस्तानी तस्कर के भी संपर्क में था। पूछताछ में जस्सी से पता चला कि वह काफी समय से राई काका के संपर्क में था। दोनों मिलकर इसी सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी तस्करों से ड्रोन के माध्यम से हेरोइन मंगवाकर पंजाब में भेजने का काम कर रहे थे। जस्सी ने खुलासा किया है कि पांच छह जुलाई की रात को फिर से छह किलो हेरोइन की खेप चक 24-एसजेएम के पास ड्रोन द्वारा गिराई जानी थी।

पुलिस को उसके मोबाइल फोन को खंगालने पर राइ काका और छिंदा सिंह के अलावा भी कई अन्य संदिग्ध व्यक्तियों के मोबाइल नंबर मिले हैं। इनमें कुछ नंबर अन्य तस्करों के भी हैं। पुलिस का एक दल राई काका को दबोचने का प्रयास कर रहा है ताकि 28-29 जून की रात को आई हेरोइन की खेप बरामद की जा सके।

सूत्रों के मुताबिक जस्सी की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में अनूपगढ़ जिला पुलिस को गुप्त रूप से पिछले काफी दिनों से सूचनाओं मिल रही थीं। उसे पर गोपनीय नजर रखी जा रही थी। उसके मामले की जांच श्रीविजयनगर थानाप्रभारी गोविंदराम द्वारा की जा रही है, जबकि खुफिया एजेंसियां भी उससे पूछताछ कर रही हैं।

सीआरपीएफ कांस्टेबल ने फंदा लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

अजमेर, 08 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले में तैनात सीआरपीएफ जीसी 2 के कांस्टेबल ने रविवार को अपने क्वार्टर में फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची गंज थाना पुलिस ने कांस्टेबल के शव को जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। सोमवार को मृतक कांस्टेबल के परिवार वाले और सीआरपीएफ ग्रुप जीसी 2 के अधिकारी मोर्चरी में पहुंचे। गंज थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। फिलहाल गंज थाना पुलिस सुसाइड के कारणों को पता करने में जुटी है।

जानकारी के अनुसार असम मणिपुर निवासी अमरजीत सिंह कांस्टेबल के पद पर फॉयसागर रोड स्थित सीआरपीएफ ग्रुप 2 में तैनात था। रविवार को कांस्टेबल अमरजीत ने अपने क्वार्टर में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इसकी सूचना मिलते ही स्टाफ में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर सीआरपीएफ ग्रुप के अधिकारी और गंज थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। गंज थाना पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर कांस्टेबल के शव को जेएलएन अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया। सोमवार को कांस्टेबल के परिजन मोर्चरी में पहुंच गए। पुलिस के अनुसार अमरजीत करीब पांच साल से यहां पर तैनात था। पुलिस को प्रारंभिक जांच में मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस सुसाइड के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

बाघ टी 58 की हार्ट अटैक से हुई मौत मेडिकल बोर्ड ने जांच के लिए विसरा भेजा

सवाई माधोपुर, 08 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के रणथंभौर नेशनल पार्क में रविवार को टाइगर टी 58 की आकस्मिक रूप से मौत होने से वन अधिकारी सकते में आ गए। वन विभाग ने टाइगर टी 58 का शव अपने कब्जे में लिया और राज बाग नाका चौकी पहुंचाया, जहां सोमवार को मेडिकल बोर्ड की मौजूदगी में टाइगर के शव का पोस्टमार्टम किया गया। पशु चिकित्सकों के मुताबिक प्रथम दृष्टया टाइगर की मौत अचानक हृदयघात के कारण हुई है। पशु चिकित्सकों का कहना है कि जहर व अन्य कारणों की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। टाइगर के शव से सेम्पल विसरा लिया गया है, जिसे बरेली एवं भरतपुर में जाँच के लिए भेजा जाएगा।

दरअसल रविवार को टाइगर टी 58 का मूवमेंट हिंदवाड़ गांव के नजदीक था। बताया जा रहा है कि इस दौरान टाइगर ने वहां एक भैंस का भी शिकार किया था। हिंदवाड़ गांव के नजदीक ही टाइगर टी 58 एक खेत में बैठा हुआ था, जिससे मौके पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई थी। सूचना पाकर वन विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे थे और टाइगर की मॉनिटरिंग भी की जा रही थी लेकिन रविवार शाम को अचानक टाइगर की मौत हो गई, जिससे मौत की दूसरी संभावनाओं से भी इंकार नहीं किया जा सकता। मेडिकल बोर्ड द्वारा विसरा लेकर जांच रिपोर्ट के लिए प्रयोगशाला को भेजा गया है। प्रमुख रूप से विसरा की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही टाइगर की मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पोस्टमार्टम करने के बाद टाइगर के शव का विधिवत रूप से अंतिम संस्कार कर दिया गया।

गिनती के लिए कुत्तों की माइक्रोचिपिंग की जाएगी

चंडीगढ़, 08 जुलाई (एजेंसियां)। चंडीगढ़ में आवारा कुत्तों की गणना के लिये कुत्तों की माइक्रोचिपिंग की जाएगी। चंडीगढ़ नगर निगम की वित्त एवं अनुबंध समिति ने कुत्तों की गणना के लिये और टीकाकरण प्रबंधन के लिये 1000 माइक्रोचिप ऐप्लकैटर और एक रीडर के साथ खरीदने को मंजूरी दे दी। इस पर करीब चार लाख रुपये का खर्च आयेगा।

इसके अलावा कुत्तों की एआई इमेजिंग भी करायी जायेगी ताकि कुत्तों की गिनती की जा सके। यह निर्णय समिति की बैठक में हुआ, जिसकी अध्यक्षता महापौर कुलदीप कुमार ने की और आयुक्त अनिन्दिता मित्रा मौजूद थीं। समिति की बैठक में कई और फैसले लिये गये।

हरियाणा में 500 क्रैच खोलने का लक्ष्य :असीम गोयल

चंडीगढ़, 08 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के महिला एवं बाल विकास मंत्री असीम गोयल ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों के बच्चों की देखभाल के लिए अभी 500 क्रैच खोलने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने बताया कि क्रैच पॉलिसी के तहत वर्ष 2024-25 के लिए 3215 लाख रुपए की धनराशि आवंटित की गई है। श्री गोयल ने विभाग ने पहले चरण में 16 जिलों में 165 क्रैच शुरू भी कर दिए हैं। इनमें साढ़े चार हजार से अधिक बच्चों की समुचित देखभाल की जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा देश का प्रथम राज्य है जिसने अपनी क्रैच-पॉलिसी बनाई है। मंत्री ने क्रैच-पॉलिसी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं के कार्यस्थल के नजदीक बने इन क्रैच-सेंटरों में छह माह से छह साल तक के बच्चे को आठ से दस घंटे तक रखा जा सकता है। जहां कुशल एवं प्रशिक्षित कर्मचारी बच्चों के खेलने, नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण, सोने की व्यवस्था, शिक्षा तथा शारीरिक विकास आदि का प्रबंधन करते हैं। क्रैच में बच्चों को पौष्टिक भोजन भी दिया जाता है जिस का खर्च प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जाता है। छोटे बच्चों के लिए फीडिंग रूम की भी व्यवस्था की गयी है ताकि उन की माताएं अपने कार्य से निर्धारित लंच के समय आकर अपनी सुविधानुसार उन्हें फीड करा सकें।

पंचतत्व में विलीन हुए शहीद प्रदीप, तिरंगे में लिपटे सपूत को देख सिसक उठे लोग

जींद, 08 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले के मुदरघम इलाके में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में जींद के जाजनवाला गांव निवासी 28 वर्षीय प्रदीप नैन बलिदान हो गए थे। सोमवार सुबह उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। पार्थिव शरीर जैसे ही गांव में पहुंचा तो पूरा गांव सिसक उठा। उनकी अंतिम विदाई में हजारों लोग पहुंचे। सभी भारत माता की जय, प्रदीप नैन अमर रहे के गगनभेदी नारे लगा रहे थे। सेना की गाड़ी में उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर लाया गया। गांव के श्मशान घाट में उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस और सेना की टुकड़ी ने राजकीय सम्मान के साथ फायरिंग कर उन्हें अंतिम विदाई दी।

सुबह आठ बजे की प्रदीप नैन का शव जींद पहुंचा। उनके शव को सेना की गाड़ी में तिरंगे में लपेट कर लाया गया। उनकी गाड़ी के आगे-आगे बड़ी संख्या में लोग गाड़ियों व बाइकों पर चल रहे थे। प्रदीप नैन के पिता बलवान सिंह ने कहा कि बेटे की शहादत पर उनको गर्व है। आसपास के गांवों के लोग भी काफी संख्या में गांव जाजनवाला पहुंचे और प्रदीप नैन की अंतिम यात्रा में शामिल हुए। लोगों ने अपने घरों की छतों पर चढ़कर शहीद के पार्थिव शरीर पर फूलों की वर्षा की। प्रदीप नैन ने 12वीं कक्षा पास के बाद सेना में भर्ती होने के प्रयास शुरू कर दिए थे। वह कई बार फिजिकल पास कर लेते लेकिन लिखित परीक्षा को पास नहीं कर पाते। तीसरी बार उन्होंने लिखित परीक्षा पास की और 17 जनवरी 2015 में सेना में भर्ती हो गए।

प्रदीप नैन बलवान सिंह के इकलौते बेटे थे। कुलगाम में आतंकियों से मुठभेड़ में बलिदान हुए प्रदीप नौ वर्ष पहले सेना में भर्ती हुए थे। उनकी काबिलियत को देखते हुए उन्हें पैरा कमांडो बनाया गया था। बलिदानी प्रदीप नैन परिवार में अपने पीछे पिता बलवान सिंह, माता रामस्नेही और पत्नी मनीषा को छोड़ गए हैं। उनकी पत्नी गर्भवती हैं। प्रदीप की घर में सभी से 15 दिन पहले फोन पर बात हुई थी। वह खुशी-खुशी बात कर रहा था। उसने प्रमोशन के साथ जुलाई में ही घर आने को कहा था, लेकिन यह सब सपना ही रह गया। अब तिरंगे में लिपटा हुआ आया। इतना कहते हुए प्रदीप के पिता बलवान सिंह का गला रुंध गया। अपने आपको संभालते हुए उन्होंने कहा कि उनका सभी कुछ खत्म हो गया। उनका इकलौता बेटा हमेशा के लिए दूर चला गया। वह दो महीने पहले छुट्टी काटकर घर से जल्दी ही वापस आने के लिए ड्यूटी पर गया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई शुभ समाचार मिलेगा. मन में उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों को दूसरों के साथ थोड़ा और अधिक दोस्ताना देखते हैं. अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हा सकते हैं. घर-परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें. कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़-भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यस्थल पर बहुत ऊर्जावान रहेंगे. आप अपने व्यवहार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं. आराम करने के लिए पर्याप्त समय लें.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें और काम करने के तरीके में बदलाव करें. सब ठीक हो जाएंगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए. बहते जल में तिल प्रवाहित करें, आर्थिक पक्ष मजबूत होगा

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कारोबारी आज अपनी आंखें खुली रखें, उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से किसी घरेलु समस्या।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके लिए दिन सामान्य रहेगा. लेन-देन और निवेश के मामलों में नई प्लानिंग करेंगे. आपके आसपास चहल-पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे, लेकिन आपको सफलता मिल सकती है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बहुत सारे लाभ मिल सकते हैं. किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो आप केवल बुरे परिवर्तनों को आमंत्रित कर रहें हैं. व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अगर आपकी प्लानिंग दोषपूर्ण है तो आपके बिजनेस-पार्टनर के साथ रिश्ते कड़वे हो सकते हैं. अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख रिश्तेदारों से सम्बन्ध सुदारने के लिए आज का दिन अनुकूल है ख पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ लोग आपसे प्रभावित हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी .उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी चाहिए.इससे आपको सफलता मिलेगी.जो लोग स्टेशनरी के बिजनेस से जुड़े हैं, उनको आज लाभ मिल सकता है.कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.ब्राह्मण को भोजन कराएं, परिवार में खुशियों का आगमन होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आरोग्य साधारण रहेगा. आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर-सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग आपकी राशि में दिखाई दे रहे हैं. आज आप गुस्से और चिढ़चिढ़ेपन से बचने की कोशिश करें वरना आपका ही नुकसान हो जाएगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आरोग्य साधारण रहेगा. आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर-सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग आपकी राशि में दिखाई दे रहे हैं. आज आप गुस्से और चिढ़चिढ़ेपन से बचने की कोशिश करें वरना आपका ही नुकसान हो जाएगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. मार्केटिंग, मीडिया आदि से जुड़े लोगों को यात्रा करनी पड़ सकती है. नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए एक सकारात्मक चरण है. आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे लेकिन आपके कुछ करीबी लोगों का स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा.आज माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा.सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए-नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे.बॉस आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में कोई अवॉर्ड मिल सकता है.दोस्तों के साथ मौज-मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.गणेश जी को दुर्वा चढ़ाएं, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 09 जुलाई 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 06:10 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रातः 07:53 तक
योग : सिद्धि रात्रि 02:25 तक
करण : गर प्रातः 06:10 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रातः 07:53 तक
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अंगारक चतुर्थी
व्रत , भद्रा सायं 06:57 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

इस गांव में भगवान जगन्नाथ को लगान देते हैं ग्रामीण 123 साल से निभा रहे परंपरा, जानें क्या है मान्यता

जिले के देवभोग में 84 गांव के लोग भगवान जगन्नाथ जी को आज भी लगान देते है। लगान देने की ये परंपरा पिछले 123 साल से निरंतर चली आ रही है। लगान के रूप में चावल और नगद लिया जाता है। इस लगान की राशि से मंदिर का संचालन होता है।

देवभोग में मौजूद जगन्नाथ जी के मंदिर का इतिहास 123 साल से भी ज्यादा पुराना है। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष देवेंद्र बेहेरा ने बताया कि 18वीं शताब्दी में मिछ मूंड नामक पंडित पुरी से जगन्नाथ भगवान की प्रतिमा लेकर झराबहाल गांव पहुंचे। यहां उन्होंने प्रतिमा को बरगद पेड़ के नीचे रखा और पूजा करने लगे। इसके बाद धीरे-धीरे लोगों की आस्था इस पर बढ़ती गई।

हुआ था ये चमत्कार

लोगो ने मंदिर निर्माण के लिए जमींदार से स्थान की मांग की, लेकिन तत्कालीन जमींदारों ने प्रतिमा का शक्ति का परीक्षण कराना तय किया। इसके बाद देवभोग से लगे आसपास के 54 गांवों के प्रतिनिधि बुलाए गए। प्रतिमा की सत्यता का परीक्षण किया। पंडा ने जिस परात में मूर्ति का स्नान चंदन हल्दी पानी से कराया, उस पानी में लोहे के कछुए को पंडा ने तैरा दिया। इस चमत्कार के बाद मंदिर बनाने का ऐलान किया गया।

जनभागीदारी से मंदिर बनाने का हुआ निर्णय

परीक्षण के बाद यह भी तय हुआ कि मंदिर निर्माण अकेले जमींदार नहीं कराएंगे, बल्कि जनभागीदारी से मंदिर बनाया जाएगा। बताया जाता है कि 1854 में मंदिर बनाना शुरू हुआ। इसमें 84 गांव के लोगों ने अपनी क्षमता के अनुरूप सहयोग किया। निर्माण सामग्री से लेकर आर्थिक सहयोग किया। 1901 में मंदिर बनकर तैयार हुआ।

मंदिर बनने के बाद अब इसके संचालन को भी भक्तों के आस्था के साथ जोड़ा गया। फसल कटने के बाद फसल का अंश मंदिर संचालन और भगवान के भोग के लिए देना तय हुआ और इसके लिए संकल्प भी लिया गया।

फसल कटने के बाद देते हैं लगान

मंदिर बनने के बाद अब इसके संचालन को भी भक्तों की आस्था के साथ जोड़ा गया। संचालन के लिए जो अनाज ग्रामीण देते हैं, उसी से पुजारी की सैलरी, सेवादारों की मेहनताना और मंदिर मेंटेनेंस खर्च चलाया जाता है, जिसे लगान का रूप दिया गया। मंदिर संचालन के लिए प्रति साल फसल कटाई के बाद अनाज या नकद लगान के रूप में ग्रामीण देते हैं। वहीं लगान के रूप में जो अनाज लिया जाता है, वह पुरी के विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ मंदिर जाता है। जो भगवान जगन्नाथ को भोग लगता है।

मां त्रिपुर सुंदरी को समर्पित है गुप्त नवरात्र का तीसरा दिन, जानिए कैसे हुई देवी की उत्पत्ति

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य में स्थित मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर बहुत प्रसिद्ध है। यह 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। त्रिपुरा राज्य का नाम मां त्रिपुर सुंदरी के नाम पर रखा गया है। मां को त्रिपुर सुंदरी कहा जाता है, क्योंकि तीनों लोकों में उनसे सुंदर कोई नहीं है।

कामाख्या मंदिर की तरह ही त्रिपुर सुंदरी मंदिर भी तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध है। गुप्त नवरात्र में यहां देवी मां की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। आइए, जानते हैं कि देवी त्रिपुर सुंदरी की उत्पत्ति कैसे हुई थी।

51 शक्तिपीठ की कहानी

एक बार राजा दक्ष ने एक यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने अपने दामाद भगवान शिव और अपनी पुत्री सती को आमंत्रित नहीं किया। माता सती यज्ञ में जाना चाहती थीं, लेकिन महादेव ने उन्हें जाने से मना कर दिया। इसके बावजूद सती यज्ञ में गईं। जब सती पहुंची, तो दक्ष ने उनकी उपेक्षा की और उनके सामने महादेव को बुरा भला कहा।

सती अपने पति के बारे में कही गई बातों को बर्दाश्त नहीं कर सकीं और उन्होंने यज्ञ कुंड में कूदकर अपनी जान दे दी। यहीं से सती के शक्ति बनने की शुरुआत हुई। यह सुनकर महादेव ने वीरभद्र को भेजा, जिसने दक्ष का सिर काटा। यज्ञ विध्वंस के बाद महादेव सती के शव को लेकर पूरे ब्रह्मांड में घूमने लगे।

तब भगवान विष्णु ने महादेव का मोह तोड़ने के लिए सती को सुदर्शन चक्र से कई टुकड़ों में काट दिया। जिन स्थानों पर सती के शरीर के अंग गिरे वे स्थान शक्तिपीठ कहलाये और महादेव भी उनके साथ भैरव रूप में विराजमान रहे।

देवी त्रिपुर सुंदरी की उत्पत्ति

भगवती त्रिपुर सुंदरी को दस महाविद्याओं में से एक माना जाता है। गुप्त नवरात्र का तीसरा दिन इन्हें समर्पित होता है।

मां त्रिपुर सुंदरी का मंदिर त्रिपुरा राज्य के उदयपुर की पहाड़ी पर स्थित है। यह मंदिर भारत के 51 महापीठों में से एक है।

इस स्थान पर माता का दाहिना चरण गिरा था। यहां मां भगवती को त्रिपुर सुंदरी के नाम से जाना जाता है और उनके साथ विराजमान भैरव को त्रिपुरेश के नाम से जाना जाता है। माता के इस पीठ को कूर्भपीठ भी कहा जाता है। यह मंदिर तंत्र साधना के लिए बहुत प्रसिद्ध है। तंत्र-मंत्र की साधना करने वाले साधक यहां आते हैं।

इन लोगों के साथ रहकर कभी नहीं मिलती सफलता, आज ही बना लें दूरी

चाणक्य, जो 'कौटिल्य' के नाम से भी विख्यात हैं। उनकी गणना देश के महान विद्वानों में की जाती है। चाणक्य की पहचान एक शिक्षक और महान सलाहकार के रूप में भी की जाती है। उन्होंने एक महान ग्रंथ की

रचना की है, जिसे चाणक्य नीति के नाम से जाना जाता है। इस नीति शास्त्र में मनुष्य के जीवन से जुड़ी कई बातों का जिक्र है, जिनका अध्ययन करने पर उचित मार्गदर्शन की प्राप्ति होती हैं। चाणक्य के इस नीति शास्त्र में सफलता के कई सूत्र भी हैं, जिन्हें अपनाने पर तरक्की के मार्ग बनते हैं। इसके अलावा इसमें उन लोगों का भी उल्लेख है, जिनसे हमेशा सावधान रहना चाहिए। चाणक्य के अनुसार इंसान को हमेशा बुरी संगत से दूर रहना चाहिए। ये लोग हमेशा आपकी तरक्की में बाधा बनते हैं। इसके अलावा कई अन्य लोगों का भी उल्लेख है, जिनसे दूरी बनाकर रखनी चाहिए। आइए इनके बारे में विस्तार से जान लेते हैं।

बुराई करने वाले

चाणक्य नीति के अनुसार व्यक्ति को हमेशा पीठ पीछे बुराई करने वालों से दूर रहना चाहिए। ऐसे लोग कामयाबी हासिल करने में बाधा उत्पन्न करते हैं। माना जाता है कि बुराई करने वाले लोगों में हमेशा ईर्ष्या का भाव होता है। ऐसे में ये आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए आज ही इनसे दूरी बनाकर रखें।

नकारात्मक लोगों से दूर

जीवन में सफलता पाने के लिए पहले असफलताओं के मार्ग से गुजरना पड़ता है। ऐसे में हमेशा एक सच्चे मित्र की आवश्यकता होती है, जो आपका मनोबल बढ़ा सके। इस दौरान नकारात्मक लोगों से दूर रहना चाहिए।

मुसीबत में साथ न देने वाला

आचार्य चाणक्य के अनुसार मुसीबत में साथ छोड़ देने वाले व्यक्ति से कई कोसों दूर रहना चाहिए। ये आपका भारी नुकसान करा सकते हैं। साथ ही ऐसे लोग हमेशा मानसिक तनाव का कारण बनते हैं। आज ही इनसे दूरी बना लें।

काम निकलवाने वाले

आचार्य चाणक्य के अनुसार हमेशा अपना काम निकलवाने वाले लोगों से सावधान रहना चाहिए। ऐसे लोग कभी भी आपका एहसान नहीं मानते हैं। साथ ही अपने लाभ के लिए ये आपकी हानि करा सकते हैं।

मूर्ख लोगों से हमेशा रहें दूर

जीवन में मूर्ख लोगों से हमेशा दूर रहना चाहिए। ये हमेशा आपका नुकसान कराने की सोचते हैं। कहते हैं कि मूर्ख इंसान हमेशा आपके रहस्य दूसरों के सामने उजागर करता है, इसलिए ऐसे लोगों से हमेशा दूर रहना चाहिए।

सनातन धर्म और गोवंश की सुरक्षा का ऐसा जज्बा ये संत पैदल कर चुका है 10 राज्यों की यात्रा

जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज के शिष्य और बाल संत हरीश वैष्णव महाराज 10 राज्यों की पदयात्रा कर भरतपुर पहुंचे, जहां संत ललित मोहन शरण महाराज ने उनका स्वागत किया। यह संत भारत और नेपाल की 1100 दिन की यात्रा पर निकले हैं। संत हरीश वैष्णव महाराज सनातन धर्म के प्रचार प्रसार और गोवंश संरक्षण के लिए आम जन को जागरूक कर रहे हैं।

यह संत सनातन धर्म के प्रचार प्रसार और गोवंश संरक्षण के लिए आम जन को जागरूक करने के उद्देश्य से 16 अप्रैल 2023 को यात्रा पर निकले हैं। वह 15 माह की यात्रा में करीब 18 हजार किमी का सफर तय कर चुके हैं। बाल संत हरीश वैष्णव महाराज जी ने यह यात्रा मध्य प्रदेश प्रांत के ओरछा की नगरी से प्रारंभ की थी और वह अब तक लगभग जम्मू कश्मीर हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब बिहार, चंडीगढ़, हरियाणा आदि प्रांतों की यात्रा कर चुके हैं। वह करीब विश्व विख्यात पांच

दर्जन से अधिक धार्मिक स्थलों, संत और भक्तों की सभा करके धार्मिक स्थलों के दर्शन कर चुके हैं। संत का उद्देश्य गौ संरक्षण और हिंदुओं को जागरूक करना है।

बाल संत हरीश वैष्णव महाराज ने बताया कि उन्होंने अपने गुरु महाराज जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज का आशीर्वाद लिया और भारत के विभिन्न स्थानों की यात्रा पर निकल चुके है। उन्होंने कहा कि संसार में बढ़ते हुए पाप, मन, धन, हानि को रोकने के लिए हमें देवताओं की शरण लेनी चाहिए और संसार में हो रही गौ हत्याओं को रोकने के लिए हमें पूरे विश्व भर में संकल्प लेकर हिंदुत्व के साथ गौ माता की रक्षा करनी है।

क्यों की जाती है भगवान कार्तिकेय की पूजा?, पढ़िए धार्मिक महत्व

आषाढ़ माह में पड़ने वाली स्कंद षष्ठी का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है। स्कंद षष्ठी, जिसे षष्ठी व्रत और कुमार षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। इसे भगवान कार्तिकेय (स्कंद) की पूजा के लिए समर्पित माना जाता है। भगवान शिव और देवी पार्वती के छठे पुत्र कार्तिकेय की पूजा हर महीने

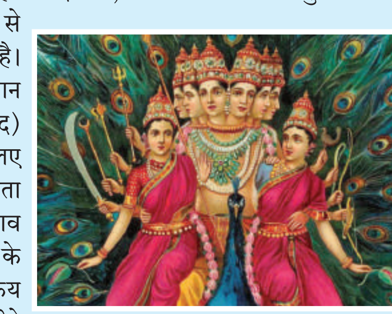

शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को की जाती है। स्कंद षष्ठी के दिन भगवान कार्तिकेय के निमित्त व्रत भी रखा जाता है। आइए, जानते हैं कि स्कंद षष्ठी का व्रत क्यों रखा जाता है।

स्कंद षष्ठी तिथि 2024

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास की स्कंद षष्ठी तिथि 11 जुलाई को सुबह 10.03 बजे शुरू होगी और अगले दिन यानी 12 जुलाई को दोपहर 12.32 बजे समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, स्कंद षष्ठी व्रत 11 जुलाई 2024 को ही रखा जाएगा।

स्कंद षष्ठी पूजा विधि

स्कंद षष्ठी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए

साफ कपड़े पहनें और व्रत का संकल्प लें।

पूजा स्थल पर भगवान कार्तिकेय की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

इसके बाद दीपक जलाएं और अगरबत्ती जलाएं।

भगवान कार्तिकेय को फल, फूल, मिठाई और नैवेद्य चढ़ाएं और षष्ठी व्रत की कथा सुनें।

भगवान कार्तिकेय के मंत्र ओम षडानन स्कंदाय नमः का 108 बार जाप करें।

इस दिन व्रत रखें और सात्विक भोजन करें।

रात के समय भगवान कार्तिकेय की आरती करें।

ब्राह्मणों और गरीबों को भोजन और दान दें।

क्यों की जाती है भगवान कार्तिकेय की पूजा

भगवान कार्तिकेय का जन्म भयानक राक्षसों का नाश करने के लिए हुआ था। स्कंद पुराण के अनुसार, कहा जाता है कि जब भगवान शिव की पत्नी सती ने आत्मदाह किया था, तो भगवान शिव ने अपना आपा खो दिया। राक्षसों ने इसका फायदा उठाया और ब्रह्मांड असहाय हो गया।

तारकासुर नाम का एक राक्षस था। ब्रह्मा जी से वरदान प्राप्त करने के बाद वह सभी प्राणियों पर अत्याचार करने लगा और अधर्म भी फैलने लगा। तब ब्रह्मा जी ने देवताओं से कहा कि तारकासुर का वध केवल महादेव के पुत्र ही कर सकता है। तब षष्ठी तिथि को कार्तिकेय प्रकट हुए। तभी से स्कंद षष्ठी पर्व मनाया जाने लगा।

हस्ताक्षर करते समय आप भी खींचते हैं लाइन?

जानें क्या है हस्ताक्षर करने का सही तरीका, किन बातों का रखें ध्यान

जब हम किसी विशेष व्यक्ति से मिलते हैं तो उससे ऑटोग्राफ या सिग्नेचर लेते हैं। वहीं कुछ विशेष कागजों को तैयार करते समय हमें खुद सिग्नेचर करने होते हैं। कई लोगों के सिग्नेचर हमें पसंद आते हैं, हालांकि यह एक कला है जो एक दूसरे से अलग होती है। लेकिन, कई बार आपने देखा होगा कि सिग्नेचर करने के बाद लोग उसके नीचे लाइन खींचते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में सिग्नेचर को लेकर भी कई सारे नियम बताए गए हैं। कहा जाता है कि यदि हम गलत तरीके से सिग्नेचर करते हैं तो यह हमें नुकसान पहुंचा सकता है। दरअसल सिग्नेचर को नकारत्मक और सकारात्मक दोनों तरह से देखा जाता है। ऐसे में सिग्नेचर के नीचे खींची गई लाइन सही या गलत? क्या कहता है वास्तु शास्त्र और किन बातों का रखें ध्यान? आइए जानते हैं..

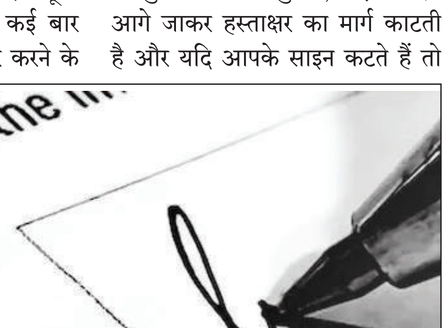

हस्ताक्षर से बड़ी होनी चाहिए लाइन

सिग्नेचर को लेकर वास्तु शास्त्र में कई बातें बताई गई हैं, जिसके अनुसार हस्ताक्षर करने के बाद आप लाइन खींचते सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे हस्ताक्षर के नीचे लाइन खींच रहे हैं तो यह आपके हस्ताक्षर से बड़ी हो। इसके साथ यह लाइन सीधी होनी चाहिए।

यदि आप अपने हस्ताक्षर के नीचे लाइन खींचते हैं और यह टेढ़ी होती है तो यह आपके लिए नुकसानदायक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, टेढ़ी लाइन आगे जाकर हस्ताक्षर का मार्ग काटती है और यदि आपके साइन कटते हैं तो यह आपकी तरक्की को रोकने का काम करती है।

कई लोग सिग्नेचर करने के बाद एक से अधिक लाइन भी खींचते हैं। ऐसा करना गलत माना गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हस्ताक्षर के नीचे एक से अधिक लाइन का मतलब असमंजस माना गया है। ऐसे में आप कभी भी सही निर्णय नहीं ले सकते और हमेशा उलझे रहेंगे।

आषाढ़ माह में करनी चाहिए सूर्य पूजा हिंदू धर्म में है इसका विशेष महत्व

आषाढ़ महीना 21 जुलाई तक रहेगा। इस महीने उगते हुए सूरज को अर्घ्य देने की परंपरा है। आषाढ़ के दौरान सूर्य अपने मित्र ग्रहों की राशि में रहता है। इससे सूर्य का शुभ प्रभाव और बढ़ जाता है । स्कंद पुराण के मुताबिक आषाढ़ महीने में भगवान विष्णु के वामन अवतार की पूजा करनी चाहिए। क्योंकि इस महीने के देवता भगवान वामन ही हैं। इसलिए आषाढ़ महीने के शुक्लपक्ष की द्वादशी तिथि पर भगवान वामन की विशेष पूजा और व्रत की परंपरा है। वामन पुराण के मुताबिक आषाढ़ महीने के दौरान भगवान विष्णु के इस अवतार की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। संतान सुख मिलता है, जाने-अनजाने में हुए पाप और शारीरिक परेशानियां भी खत्म हो जाती हैं।

आषाढ़ महीना धर्म-कर्म के अलावा सेहत के नजरिये से भी बहुत खास होता है। आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य चरक, सुश्रुत और वागभट्ट ने इस महीने को ऋतुओं का संधिकाल कहा है। यानी ये मौसम परिवर्तन का समय होता है। इस दौरान गर्मी खत्म होती है और बारिश की शुरुआत होती है। ज्योतिषीयों के मुताबिक आषाढ़ महीने में सूर्य मिथुन राशि में रहता है। इस कारण भी रोगों का संक्रमण बढ़ता है।

सूर्य पूजा से बढ़ता है आत्मविश्वास

ज्योतिषाचार्यों और धर्माधिकारियों के अनुसार सूर्य को जल चढ़ाने से आत्मविश्वास बढ़ता है। सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। आषाढ़ महीने में सूर्योदय से पहले नहाकर उगते हुए सूरज को जल चढ़ाने के साथ ही पूजा करने से बीमारियां दूर होती हैं। भविष्य पुराण में श्रीकृष्ण ने अपने पुत्र को सूर्य पूजा का महत्व बताया है। श्रीकृष्ण ने कहा है कि सूर्य ही एक प्रत्यक्ष देवता हैं। यानी ऐसे भगवान हैं जिन्हें रोज देखा जा सकता है। श्रद्धा के साथ सूर्य पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सूर्य पूजा से कई ऋषियों को दिव्य ज्ञान प्राप्त हुआ है।

सूर्य को देना चाहिए अर्घ्य

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सुबह सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ स्नान करें। संभव नहीं हो तो घर पर ही पानी में गंगाजल डालकर नहाएं। इसके बाद भगवान सूर्य को जल चढ़ाएं। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और चावल, फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। जल चढ़ाते समय सूर्य के वरूण रूप को प्रणाम करते हुए ऊं रवये नमः मंत्र का जाप करें। इस जाप के साथ शक्ति, बुद्धि, स्वास्थ्य और सम्मान की कामना करना चाहिए। इस प्रकार जल चढ़ाने के बाद धूप, दीप से सूर्य देव का पूजन करें। सूर्य से संबंधित चीजें जैसे तांबे का बर्तन, पीले या लाल कपड़े, गेहूं, गुड़, लाल चंदन का दान करें। श्रद्धानुसार इन में से किसी भी चीज का दान किया जा सकता है। इस दिन सूर्यदेव की पूजा के बाद एक समय फलाहार करें।

श्रीराम ने की थी सूर्य पूजा

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि स्कंद और पद्म पुराण के अनुसार सूर्य को देवताओं की श्रेणी में रखा गया है। उन्हें भक्तों को प्रत्यक्ष दर्शन देने वाला भी कहा जाता है। इसलिए आषाढ़ महीने में सूर्यदेव को जल चढ़ाने से विशेष पुण्य मिलता है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार युद्ध के लिए लंका जाने से पहले भगवान श्रीराम ने भी सूर्य को जल चढ़ाकर पूजा की थी। इससे उन्हें रावण पर जीत हासिल करने में मदद मिली। आषाढ़ महीने में सूर्य को जल चढ़ाने से सम्मान, सफलता और तरक्की मिलती है। दुश्मनों पर जीत के लिए भी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

शुरू होता है बारिश का मौसम

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि आषाढ़ महीने में गर्मी खत्म होने लगती है और ये बारिश का मौसम शुरू होता है। दो मौसमों के संधिकाल की वजह से इन दिनों बीमारियों का संक्रमण ज्यादा होने लगता है।

साथ ही नमी की वजह से फंगस और इनडाइजेशन की समस्या भी बढ़ जाती है। इसी महीने में ही मलेरिया, डेंगू और वाइरल फीवर ज्यादा होते हैं। इसलिए खान-पान पर ध्यान देते हुए छोटे-छोटे बदलाव कर के ही बीमारियों से बचा जा सकता है।

बढ़ने लगते हैं फंगस रोग

ज्योतिषाचार्य में बताया कि आयुर्वेद के मुताबिक आषाढ़ महीने के दौरान फंगस रोग बढ़ने लगते हैं। जिससे बचने के लिए नीम, लौंग, दालचीनी, हल्दी और लहसुन का इस्तेमाल ज्यादा करना चाहिए। इनके साथ ही त्रिफला चूर्ण को गरम पानी के साथ लेना चाहिए और गिलोय भी खाना चाहिए। साथ ही इस महीने में टमाटर, अचार, दही और अन्य खट्टी चीजें खाने से बचना चाहिए।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता को दें महत्व: रश्मि गुप्ता

गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा की एक्ट्रेस रश्मि गुप्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने ट्रेंड के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया को एक्सपोजर और कनेक्शन के लिए जरूरी टूल बताया।फिलहाल रश्मि गुप्ता ध्रुव तारा– समय सदी से परे में चंद्रा की भूमिका निभा रहीं हैं।उन्होंने कहा, सोशल मीडिया एक्सपोजर और कनेक्शन के लिए जरूरी टूल के रूप में काम करता है, फिर भी मैं ट्रेंड और मेट्रिक्स के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता को प्राथमिकता देती हूं।एक्ट्रेस ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म दोधारी तलवार की तरह है।

उन्होंने कहा, सोशल मीडिया ने मेरे काम के लिए नेटवर्किंग और विजिबिलिटी की सुविधा दी है। सहयोग करने और बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंचने में मेरी मदद की है।रश्मि ने बताया कि सोशल मीडिया अभिशाप और वरदान दोनों है। यह लोगों को अपना टैलेंट दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करता है, यह व्यूज और फॉलोअर्स के लिए लिमिट्स को पार करने का कारण भी बन सकता है।एक्ट्रेस का मानना है कि वास्तविक जुडाव संख्या से कहीं ज्यादा मायने रखता है।

उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर दूसरों की पॉपुलैरिटी से खुद की तुलना करने के बजाय मैं अपने सफर पर ध्यान देती हूं और मेरा मानना है कि वास्तविक जुड़ाव संख्याओं से कहीं ज्यादा मायने रखता है।रश्मि ने आगे कहा, घटना–बढ़ना जैसे एल्गोरिदम निराशाजनक हो सकते हैं, लेकिन मैं व्यू काउंट की तुलना में मीनिंगफुल कंटेंट को प्राथमिकता देती हूं।एक एक्टर के तौर पर, वह कास्टिंग में सोशल मीडिया की अहमियत को पहचानती हैं। उनका मानना है कि कास्टिंग टैलेंट के दम पर होना चाहिए।ध्रुव तारा–समय सदी से परे में ध्रुव के किरदार में ईशान धवन और तारा के रोल में रिया शर्मा हैं।शो के नए एपिसोड में ध्रुव और तारा के बिल्कुल अलग अवतार दिखाई देंगे।शशि सुमीत प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, ध्रुव तारा–समय सदी से परे सोनी सब पर प्रसारित होता है।वर्कफ्रंट की बात करें तो, रश्मि ने तिरुपति बालाजी कथासार सीरीज में देवी पार्वती की भूमिका निभाई।वह गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा और साथ निभाना साथिया 2 में भी नजर आ चुकी हैं।

बाहुबली के डायरेक्टर की बायोग्राफी मॉडर्न मास्टर्स

एस.एस राजामौली की रिलीज डेट आउट

बाहुबली और आरआरआर जैसी मेगा–ब्लॉकबस्टर फिल्म के डायरेक्टर एस.एस राजामौली की बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री की रिलीज डेटा का एलान हो गया है। नेटफ्लिक्स ने दिग्गज डायरेक्टर की बायोग्राफी का एलान कर एक पोस्टर भी छोड़ा है। नेटफ्लिक्स ने राजामौली की बायोग्राफी के टाइटल के साथ–साथ इसकी रिलीज डेट का भी एलान किया है। अब सोशल मीडिया पर इसका खूब हल्ला मच रहा है।नेटफ्लिक्स राजामौली की बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री को लेकर लंबे समय से चर्चा में था। राजामौली की डॉक्यूमेंट्री की नाम मॉडर्न मास्टर्स: एस एस राजामौली है, जिसे अपलोज एंटरटेनमेंट और फिल्म कंपेनियोन बनाया है।राजामौली की डॉक्यूमेंट्री पहली ऐसी फिल्म है, जो फिल्म और उनके डायरेक्टर पर बात करती है। उन लोगों की बात करती हैं जो इंडियन सिनेमा के मास्टर्स हैं, जिनका सिनेमा अलग दुनिया का है। बता दें, नेटफ्लिक्स आगामी 2 अगस्त को राजामौली की बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री स्ट्रीम करने जा रहा है।वहीं, सोशल मीडिया पर राजामौली की फिल्मों के दिवाने फैंस अब उन्हें बधाईयां दे रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें 2 अगस्त का बेसब्री से इंतजार है। एक्स हैंडल पर राजामौली के फैंस उनकी इस डॉक्यूमेंट्री के पोस्टर को शेयर कर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं।बता दें, राजामौली ने अभी तक अपने करियर में जितनी भी फिल्में है की हैं, उसमें लगभग सभी हिट हैं। इसमें मगाधीरा, मक्खी, बाहुबली 1, बाहुबली 2 और पिछली मेगा–ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर शामिल है।

रिवीलिंग लहंगा पहन तारा सुतारिया ने बिखेरा हुस्न का जलवा

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया अपने फैशन सेंस से अक्सर लोगों के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की बेहद खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर मंत्रमुग्ध हो गए हैं।एक्ट्रेस तारा सुतारिया आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच साझा कर अक्सर लोगों को अपना दीवाना बना देती हैं।उनकी फोटोज इंस्टाग्राम पर जब भी पोस्ट होती है तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।अब हाल ही में तारा सुतारिया की एथनिक लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने सिल्वर कलर का लहंगा और साथ ही रिवीलिंग ब्लाउज पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट एंड ग्लैमरस लग रही हैं।बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच साझा करती हैं तो उनका हर एक लुक काफी ट्रेंड करता है।

हालांकि इन तस्वीरों में भी आप देख सकते हैं तारा सुतारिया का ये जबरदस्त अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं और उनकी फोटोज पर से लोगों की निगाहें हटने का नाम नहीं ले रही हैं।इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस तारा सुतारिया का हर एक लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही फैंस के बीच छा जाता है।

द बकिंघम मर्डर्स की रिलीज डेट आउट

13 सितंबर को पर्दे पर आएगी करीना कपूर की मर्डर मिस्ट्री

बॉलीवुड की बेबो करीना कपूर खान इस साल फिल्म क्रू से बॉक्स ऑफिस पर छाई थीं। मौजूदा साल में करीना एक्शन फिल्मों के डायरेक्टर रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन में भी धमाका करती दिखेंगी। इससे पहले एक्ट्रेस हंसल मेहता की फिल्म द बकिंघम मर्डर्स में नजर आएंगी। फिल्म द बकिंघम मर्डर्स की रिलीज डेट का एलान हो चुका है।द बकिंघम मर्डर्स एक मर्डर मिस्ट्री फिल्म है। द बकिंघम मर्डर्स के मेकर्स बालाजी मोशन पिक्चर्स ने आज फिल्म से करीना कपूर खान का नया पोस्टर जारी कर इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया है। फिल्म द बकिंघम मर्डर्स आगामी 13 सितंबर को रिलीज होने जा रही है। बता दें, 13 सितंबर को सारा अली खान, आदित्य रॉय कपूर स्टारर फिल्म मैट्रो इन दिनों रिलीज होने जा रही थी, जो अब 29 नवंबर 2024 को रिलीज होगी।द बकिंघम मर्डर्स के मेकर्स बालाजी मोशन पिक्चर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्रा अकाउंट पर एक फिल्म द बकिंघम मर्डर्स का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें करीना कपूर अलग–अलग अवतार में दिख रही हैं। इस फिल्म को हंसल मेहता ने डायरेक्ट किया है। इसमें करीना कपूर खान का फुल फ्लेज रोल है।द बकिंघम मर्डर्स का बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2023 में प्रीमियर हुआ था, जिसे खूब तालियां मिली थीं। इसके अलावा मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2023 में भी फिल्म की स्क्रीनिंग हुई थी।

प्रभु देवा की डांसिंग फिल्म के टाइटल मून वॉक का ऐलान

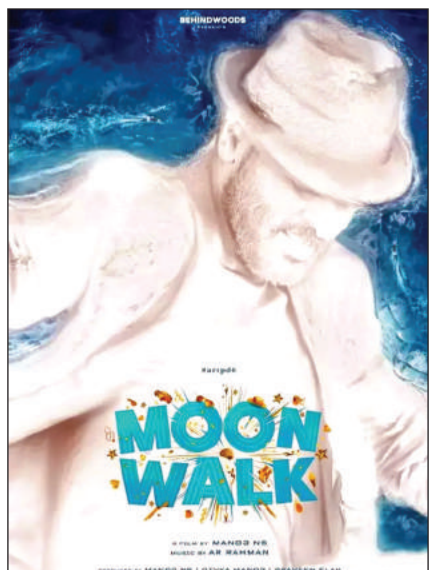

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कोरियोग्राफर प्रभु देवा अपने फैंस के लिए फिर हाजिर हैं एक फुल डांसिंग फिल्म लेकर। प्रभु देवा ने बीती 22 मार्च 2024 को अपनी नई डांसिंग फिल्म का एलान किया था और अपनी सुपरहिट फिल्म हम से है मुकाबला के हिट सॉन्ग मुकाबला के हुकअप स्टेप्स के पोस्टर शेयर किए थे। बीती 22 मार्च 2024 से प्रभु देवा के फैंस को उनकी इस फिल्म के नाम और इसकी रिलीज डेट के एलान का इंतजार था। प्रभु देवा ने अपनी इस फिल्म से एक तोहफा अपने फैंस को दिया है।

प्रभु देवा ने अपनी इस फिल्म के नाम का खुलासा कर दिया है। साथ ही फिल्म की पूरी स्टार कास्ट के नाम भी गिना दिए हैं।फिल्म मून वॉक में दिग्गज कंपोजर एआर रहमान का म्यूजिक होगा। यह छठवीं बार होगा, जब प्रभु देवा और एआर रहमान एक साथ कोई फिल्म करने जा रहे हैं। इस जोड़ी ने फिल्म हमसे है मुकाबला से ऐसा धमाका मचाया था, जो आज तक भी लोग भूले नहीं हैं। फिल्म का हिट सॉन्ग मुकाबला आज भी हिट सॉन्ग की लिस्ट में है। अब एआर रहमान और प्रभु देवा अपने सिनेमैटिक प्रोजेक्ट के लिए साथ लौटे हैं।मून वॉक को मनोज एनएस डायरेक्ट करने जा रहे हैं। इस फिल्म में प्रभु देवा के साथ–साथ अपनी कॉमिक टाइमिंग से हंसाने वाले योगी बाबू, अजू वर्गीस, अर्जुन अशोकन, सेट्रज, निश्मा चेंगपा, सुष्तिमा नायक, रेडिन किंग्स्ले, मोट्टई राजेंद्रन, सिंघमपुली, टीएसआर श्रीनिवासन, दीपा शंकर, डॉ. संतोष जैकब और रामकुमार नटराजन अहम रोल में नजर आएंगे। दिव्या मनोज और डॉक्टर प्रवीन एलॉक ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। बिहाइंडवुड्स फिल्म को पेश कर रहे हैं।बता दें, इससे पहले बीती 22 मार्च 2024 को एआर रहमान ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इस फिल्म एआरआरडीपी6 का एलान किया था। साथ ही इस फिल्म का पोस्टर भी जारी किया था। सबसे पहले इस जोड़ी ने 1990 में साथ में काम किया था। साल 1994 में फिल्म कधलान (हमसे है मुकाबला) के सॉन्ग मुकाबला, उर्वशी उर्वशी और प्रेमिका ने प्यार से से धमाल मचाया था।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वृक्षारोपण जन अभियान-2024 : उत्तर प्रदेश के 948 विरासत वृक्षों को संवारेगी योगी सरकार

सौ वर्ष से अधिक उम्र के 28 प्रजाति के वृक्ष विरासत-वृक्ष घोषित

लखनऊ, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
योगी सरकार विरासत वृक्ष अंगीकरण योजना के तहत सूबे के 948 विरासत वृक्षों को संवारेगी। 100 वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजाति के वृक्षों को विरासत वृक्ष घोषित किया गया है। यह वृक्ष प्रदेश के सभी 75 जनपदों में हैं। योगी सरकार पेड़-पौधों के जरिए भी विरासत का सम्मान करने को प्रतिबद्ध है। काशी में सर्वाधिक 99, प्रयागराज में 53, हरदोई में 37, गाजीपुर में 35 व उन्नाव में विभिन्न प्रजातियों के 34 विरासत वृक्ष हैं। योगी सरकार विलुप्त हो रही वृक्ष प्रजातियों के संरक्षण व पौराणिक/ऐतिहासिक अवसरों, महत्वपूर्ण घटनाओं, अति विशिष्ट व्यक्तियों के स्मारकों, धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़े हुए वृक्षों को संरक्षित कर जन सामान्य में इसके प्रति जागरूकता पैदा कर रही है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन द्वारा विरासत/ हेरिटेज वृक्षों के चयन व अभिलेखीकरण हेतु दिशा-निर्देश दिया गया है। इस बार इन वृक्षों की नई पौध तैयार करने के लिए विरासत वृक्ष वाटिका भी तैयार की जाएगी।

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने गैर वन क्षेत्र (सामुदायिक भूमि) पर अवस्थित सौ वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजातियों को विरासत वृक्ष घोषित किया है। इनमें अरु, अर्जुन, आम, इमली, कैम, करील, कुसुम, खिरनी, शमी, गम्हार, गूलर, छितवन, चिलबिल, जामुन, नीम, एडनसोनिया, पाकड़, पीपल, पीलू, बरगद, महुआ, महोगनी, मैसूर बरगद, शीशम, साल, सेमल, हल्दू व तुमाल शामिल हैं। इसमें बरगद प्रजाति के 363 व पीपल प्रजाति के 422 वृक्ष हैं।

विरासत वृक्ष में आध्यात्मिक व स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े वृक्ष शामिल किए गए हैं। योगी सरकार यूपी के सभी 75 जिलों में विरासत वृक्षों को खोजकर इन्हें संरक्षित करने को प्रतिबद्ध है। सीएम योगी के गृह जनपद गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में हनुमान मंदिर, काली मंदिर के समीप व गौशाला के अंदर बरगद व पाकड़ वृक्षों सहित पूरे जनपद में 19 वृक्ष विरासत वृक्ष घोषित किए गए हैं। वहीं लखनऊ व वाराणसी के क्रमशः दशहरी आम व लंगड़ा आम के मातृ वृक्ष, फतेहपुर का बाचन इमली, मथुरा के इमलीतला मन्दिर परिसर का इमली वृक्ष, प्रतापगढ़ का करील वृक्ष, बाराबंकी में स्थित एडनसोनिया वृक्ष, हापुड़ व संत कबीर नगर में अवस्थित पाकड़ वृक्ष, सारनाथ का बोधि वृक्ष, बाबा झारखंड के नाम से प्रसिद्ध अम्बेडकर नगर का पीपल वृक्ष एवं आर्डिनेंस क्लॉथ फैक्ट्री शाहजहांपुर में स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा पीपल वृक्ष शामिल है।

वृक्षारोपण जन अभियान-2024 के तहत प्रदेशवासियों को चिह्नित विरासत वृक्षों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 11 जनपदों में विरासत वृक्ष वाटिका तैयार की जाएगी। यह वाटिका गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, बरेली, मथुरा, सीतापुर, चित्रकूट व मीरजापुर में तैयार होगी। प्रत्येक वाटिका में विरासत वृक्ष से तैयार पौधा/टहनी/डाल को अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा। शेष पौधे स्थानीय महत्व की प्रजातियों के होंगे। इसके लिए लगभग आठ हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी। प्रभागों द्वारा चिह्नित 11 जनपदों में पर्याप्त संख्या में विरासत वृक्ष से पौधे तैयार करने के लिए प्रत्येक प्रभाग में कम से कम 10 वृक्ष उपलब्ध कराए जाएंगे।

योगी सरकार में विशिष्ट विरासत वृक्षों में चीनी यात्री हवेनसांग द्वारा उल्लिखित झूंसी (प्रयागराज) का एडनसोनिया वृक्ष, मथुरा के टेर कदंब मंदिर परिसर व निधि वन में अवस्थित पीलू वृक्ष, प्रयागराज के किले में अक्षयवट, उन्नाव जनपद में वाल्मीकि आश्रम, लव कुश जन्म स्थली व जानकी कुण्ड नाम से प्रसिद्ध स्थल पर अवस्थित बरगद वृक्ष एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े हुए एनबीआरआई लखनऊ और महामाया देवी मन्दिर परिसर गाजियाबाद में अवस्थित बरगद वृक्ष शामिल हैं।

अविनाशी काशी में हैं सर्वाधिक विरासत वाले वृक्ष

उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कुल 948 विरासत वृक्ष हैं। इनमें सर्वाधिक विरासत वृक्ष वाराणसी में हैं। यहां कुल 99 विरासत वृक्ष हैं। वहीं प्रयागराज में कुल 53 विरासत वृक्ष हैं। हरदोई में यह संख्या 37, गाजीपुर में 35, उन्नाव में 34, रायबरेली में 32 और झांसी में 30 है। फिरोजाबाद में 29, लखीमपुर खीरी में 27, बरेली और बहराइच में 26-26, लखनऊ में 25 और जौनपुर में 24 विरासत वृक्ष हैं। इनमें पीपल प्रजाति के 422, बरगद के 363 और पाकड़ के 57 विरासत वृक्ष शामिल हैं।

संघ नेता के साथ दो दिन तक पार्टी नेताओं ने किया मंथन

यूपी में भाजपा आखिर की हार की वजह तलाश रहे

लखनऊ, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश में भाजपा को लोकसभा चुनाव के दौरान हुए नुकसान की वजहों की तलाश अभी जारी है। खुद भाजपा के भीतर पार्टी आलकमान हार के कारणों की समीक्षा में जुटा है। लोकसभा चुनाव-2019 में भाजपा को उत्तर प्रदेश में 62 सीटें मिली थीं लेकिन यहा आंकड़ा 2024 में महज 33 रह गया। जबकि भाजपा ने यह अनुमान लगाया था कि पार्टी इस बार पिछले चुनावों से बेहतर प्रदर्शन करने वाली है। ऐसा नहीं हुआ और अब संगठन के महामंत्री बीएल संतोष ने लखनऊ पहुंच कर दो दिन तक पार्टी नेताओं के साथ बातचीत की और हार की समीक्षा पर रिपोर्ट बनाई है। इस दौरान पार्टी नेताओं ने हार के कई कारण भी गिनाए।

पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष की मौजूदगी में पार्टी के नेताओं ने हार की कई बड़ी वजह गिनाई। जिनमें से एक महत्वपूर्ण वजह मौजूदा सांसदों के खिलाफ नाराजगी को बताया गया। कहा गया कि पार्टी के कार्यकर्ता कई बार से मैदान में उतारे जा रहे नेताओं से परेशान थे। इसलिए ग्राउंड पर उस तरह से काम नहीं हो पाया और कार्यकर्ताओं की उत्सुकता कम थी। पार्टी नेताओं ने एक और कारण चुनाव के दौरान हुई आरक्षण की बहस और संविधान खत्म किए जाने की चर्चा को बताया।

कहा गया कि विपक्ष ने जब आरक्षण का मुद्दा उठाया गया तो हम (भाजपा) इसका काट नहीं दे सके। जिससे वोटरों का एक बड़ा तबका भाजपा से खिसक गया। बैठक में कहा गया कि गैर-यादव ओबीसी और गैर जाटव वोटों का एक बड़ा हिस्सा भाजपा के हाथ से छिटक गया, जिससे भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ। इस दौरान बीएल संतोष ने भाजपा के दलित नेताओं से भी मीटिंग की और हार के कारणों पर चर्चा की।

भाजपा के महामंत्री बीएल संतोष के सामने इसके अलावा भी कई मुद्दे आए। जिनपर प्रमुखता से चर्चा हुई। वह अब रिपोर्ट के ज़रिए पार्टी आलाकमान के साथ बैठक कर सकते हैं। उनके सामने संगठन के भीतर मनमुटाव और स्थानीय नेताओं के बीच दिक्कतों से जुड़े मामले भी सामने आए जिसपर बीएल संतोष ने कुछ कहा नहीं।

ग्रेटर नोएडा के दादरी का हो रहा अत्याधुनिक व्यापारिक विकास

लखनऊ, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रदेश में औद्योगिक क्रांति की नई पटकथा लिख रही है। एक ओर, सुदृढ़ कानून व्यवस्था के साथ प्रदेश की तरक्की को गति दी है, जिससे अब दुनिया भर के निवेशक उत्तर प्रदेश को मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन के तौर पर देख रहे हैं। वहीं, प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार की अवसंरचना विकास की गतिविधियों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में, ग्रेटर नोएडा के दादरी में मल्टी मोडल लॉजिस्टिक हब (एमएमएलएच) का विकास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कुल 823 एकड़ के प्रसार क्षेत्र में फैले मल्टी मोडल लॉजिस्टिक हब में से 455 एकड़ क्षेत्र को कोर एरिया के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

जबकि, 17.5 एकड़ क्षेत्र में कमर्शियल व एडमिनिस्ट्रेटिव फैसिलिटीज तथा 350 एकड़ क्षेत्र में रेल यार्ड व अन्य प्रोजेक्ट्स पर कार्य हो रहा है। इन सभी कार्यों की पूर्ति और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए सीएम योगी की मंशा अनुसार एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है।

सीएम योगी का विजन के अनुसार तैयार की गई कार्ययोजना दादरी में बन रहे मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स हब को वर्ल्ड क्लास फ्रेट हैंडलिंग फैसिलिटी के तौर पर विकसित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। यह ड्राई पोर्ट की तरह काम करेगा जहां गुड्स व रॉ मटीरियल्स का तेज ट्रांजिट सुनिश्चित होगा। इसे देश के चुनिंदा सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है जिसे 7,064 करोड रुपए के व्यय से पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि देश के पूर्वी व पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर पर स्थित दादरी का मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स हब कंटेनर हैंडलिंग, वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग, डी-स्टफिंग व स्टफिंग तथा वैल्यू एडेड पैकिंग जैसी सुविधाओं के सिंगल प्वॉइंट डेस्टिनेशन के तौर पर कार्य करेगा। रेल कनेक्टिविटी से जुड़े होने के कारण रेल प्लैटफॉर्म्स, कस्टम क्लीयरेंस, कार्गो सेपरेशन, ट्रक पार्किंग एरिया व हरित क्षेत्रों जैसी सुविधाओं से युक्त होगा।

दादरी में एमएमएलएच को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) माध्यम के जरिए विकास कार्यों को पूर्ण किया जा रहा है जिसे ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण व राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट (एनआईसीडीआईटी) की मॉनिटरिंग में गाइडलाइंस के अनुरूप पूरा किया जा रहा है। न्यू दादरी स्टेशन से एमएमएलएच बाउंड्री के लिए अप्रोच ट्रैक व रेल ओवर रेल (आरओआर) ब्रिज के निर्माण के लिए ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने मास्टर डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर लिया है। वहीं, एमएमएलएच के अंतर्गत रेलवे ट्रैक्स व टर्मिनल स्टेशन के विकास के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसीसीआईएल) ने डीपीआर को स्वीकृति दे दी है। इसी प्रकार, अप्रोच ट्रैक के लिए लैंड एक्वायरिंग तथा सिग्नलिंग प्रक्रिया के लिए टेंडर डॉक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। वहीं, ट्रंक इंफ्रास्ट्रक्चर बाउंड्री, रोड्स, कैनाल, ब्रिज, यूटिलिटी शिफ्टिंग तथा जल और विद्युत आपूर्ति की प्रक्रियाओं को भी विभिन्न चरणों के कार्यान्वयन के जरिए पूरा किया जा रहा है।

अपने खेत में उपजी दाल खाएगा यूपी

दलहन उत्पादन में रिकॉर्ड 36 फीसद की वृद्धि

लखनऊ, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
अगले तीन चार साल में दलहन उत्पादन में उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर हो जाएगा। यह योगी सरकार का लक्ष्य है। इस बाबत उनके निर्देश पर किए गए सात साल के नतीजे शानदार रहे हैं। 2016/2017 से 2023/2024 के दौरान दलहन उत्पादन में करीब 36 प्रतिशत की वृद्धि इसका सबूत है। इस दौरान दलहन का उत्पादन 23.94 लाख मिट्रिक टन से बढ़कर 32.55 लाख मिट्रिक टन हो गया। दलहन का रकबा और प्रति हेक्टेयर उपज बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की मदद से योगी सरकार किसानों का हर संभव मदद कर रही है।

प्रदेश में दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए अरहर, उर्द एवं मूंग की कार्य-योजना योगी सरकार द्वारा तैयार कर ली गयी। इसके तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत 27200 हेक्टेयर फसल प्रदर्शन आयोजित होंगे। इसी क्रम में दलहन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत 31553 क्विंटल बीज वितरण एवं 27356 क्विंटल प्रमाणित बीज उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बीज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 14 सीड हब तैयार किए गए हैं। इनके जरिए 21000 क्विंटल बीज उत्पादन किया जाएगा। 10500 किसानों में अरहर की उन्नतशील प्रजातियों के मिनीकिट्स बांटे जाएंगे। इसी तरह पिछले साल की तरह इस साल भी दलहनी के अन्य फसलों मूंग, उर्द आदि के भी मिनिकिट बांटे जाएंगे। दलहनी फसलों के उत्पादन के बाद बाजार में उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए सरकार ने इन सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर रही है। किसान इनके उत्पादन के लिए प्रोत्साहित हों इनके लिए अन्य फसलों की तुलना में हर इनके एमएसपी में भी अधिक वृद्धि कर रही है।

दलहन उत्पादन में अग्रणी बुंदेलखंड के जिलों बांदा, महोबा, जालौन, चित्रकूट एवं ललितपुर में आदर्श दलहन ग्राम विकसित किये जाएंगे। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता राज्य है। पर, अभी उपभोग का आधा ही उत्पादन प्रदेश में होता है। रणनीति के अनुसार तय समयावधि में प्रति हेक्टेयर उपज 14 से बढ़ाकर 16 क्विंटल करने का है। कुल उपज का लक्ष्य 30 लाख टन है। इसके अलावा करीब 1.75 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त रकबे को दलहन की फसलों से आच्छादित करने की भी तैयारी है। सरकार इसके लिए दलहन की परंपरागत फसलों की उन्नत और अधिक उपज देने वाली प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराएगी। कुछ प्रगतिशील किसानों के वहां इनका प्रदर्शन भी होगा। किसानों को बड़ी संख्या में बीज के निशुल्क मिनीकिट भी दिए जाएंगे। यह क्रम जारी भी है। साथ ही फोकस कम समय में होने वाली मूंग, उर्द (उड़द) आदि की फसलों पर होगा। इनकी सहफसली खेती को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

इसके अलावा असमतल भूमि पर स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली का प्रयोग करते हुये उत्पादन में वृद्धि, फरो एंड रिज मेथड से खेती कर उत्पादन में वृद्धि और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की गारंटी भी सरकार दे रही है। दरअसल खाद्यान्न में रिकॉर्ड उत्पादन के बाद सरकार अब खाद्यान्न सुरक्षा से एक कदम आगे पोषण सुरक्षा के बारे में सोच रही है। इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका दलहनी फसलों की होगी। वजह आम आदमी, खासकर शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक मात्र स्रोत दाल ही है। खपत की तुलना में पैदावार कम होने से अक्सर कुछ वर्षों के अंतराल पर दाल के दाम सुर्खियों में रहते हैं। ऐसा होने पर आम आदमी के थाल की दाल पतली हो जाती है। गरीब के थाल से तो गायब ही। प्रोटीन का स्रोत होने के नाते आम आदमी खासकर गरीबों की सेहत के लिए भोजन में दाल जरूरी है। इसी तरह नाइट्रोजन फिक्ससेशन गुण के कारण दलहनी फसलें भूमि के लिए भी संजीवनी हैं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा दाल का उत्पादक, उपभोक्ता और आयतक है। सर्वाधिक आबादी के नाते इस उपभोग का सर्वाधिक हिस्सा यूपी का ही है। ऐसे में पूरे दुनिया के दाल उत्पादक देशों (कनाडा, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, टर्की,और म्यानमार) की नजर न केवल भारत और उत्तर प्रदेश के पैदावार बल्कि छह महीने के भंडारण पर भी रहती है। ऐसे में अगर पैदावार कम है तो यहां की भारी मांग के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाल यूं ही तेज हो जाती है। इस पर रुपए के मुकाबले डॉलर की क्या स्थिति है, इसका भी बहुत असर पड़ता है। रुपए के मुकाबले अगर डॉलर के दाम अधिक हैं तो आयात भी महंगा पड़ता है। इस तरह दाल के आयात में देश को बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भी खर्च करना होता है। अगर उत्तर प्रदेश दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो जाए तो विदेशी मुद्रा भी बचेगी।

महाकुंभ 2025 को दिव्य बनाने की तैयारी, सीएम योगी रख रहे नजर

नमामि गंगे मिशन ने 211.08 करोड़ की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी

देवबंद में 134.71 करोड़ और लखनऊ में 27.02 करोड़ की मिली मंजूरी

लखनऊ, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
योगी सरकार 2025 महाकुंभ को दिव्य-भव्य बनाने में जुटी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद समय-समय पर सभी विभागों के कार्यों की जानकारी ले रहे हैं। नमामि गंगे मिशन ने प्रयागराज महाकुंभ के मद्देनज़र स्वच्छता संबंधित बुनियादी ढांचों के निर्माण के लिए कुल तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है, इसकी लागत 211.08 करोड़ रुपए है। वहीं, उत्तर प्रदेश के देवबंद में इंटरसेप्शन एंड डायवर्जन और एसटीपी कार्यों के लिए 134.71 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी गई। जबकि लखनऊ के बरिकला में स्थित एसटीपी की क्षमता को बढ़ाने के लिए 27.02 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। यह निर्णय राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के कार्यकारी समिति की 55वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने की।

योगी सरकार का महाकुंभ में स्वच्छता पर विशेष जोर है। इस मद्देनजर प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के लिए स्वच्छता संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 152.37 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इस परियोजना के अंतर्गत 54,400 शौचालय- मूत्रालय तथा एक प्राथमिक ठोस अपशिष्ट संग्रह प्रणाली का निर्माण किया जाएगा। इसका उद्देश्य अस्थायी स्वच्छता सुविधाओं का निर्माण कर महाकुंभ में आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त सुविधाएं देने के साथ ही आयोजन के दौरान स्वच्छता और नदी के जल की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

महाकुंभ के दौरान प्रयागराज से निकलने वाले 22 नालों को पूरी तरह से टैप करने के लिए 55.57 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी गई है।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य इन नालों से निकलने वाले सीवेज को रोककर उसको पूरी तरह ट्रीट करना है, ताकि महाकुंभ के दौरान गंगा और यमुना नदी की अविरलता और निर्मलता सुनिश्चित की जा सके। महाकुंभ 2025 के दौरान सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर और नदी के पानी की गुणवत्ता पर अस्थायी आबादी के प्रभाव का मानचित्रण करने और नदियों के किनारे भविष्य में होने वाले ऐसे सामूहिक आयोजनों के लिए बेहतर रणनीति विकसित करने के लिए 3.14 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली आईपीएसए-कुंभ परियोजना को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना महाकुंभ के दौरान सीवेज बुनियादी ढांचे की निगरानी और प्रबंधन के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस प्रौद्योगिकियों का उपयोग करेगी, जिससे गंगा नदी के पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकेगी। यह वैज्ञानिक अध्ययन नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत आईआईटी रुड़की, आईआईटी-बीएचयू, टेरी और होक्काइडो विश्वविद्यालय सहित प्रमुख संस्थानों के एक संघ द्वारा किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के देवबंद में इंटरसेप्शन एंड डायवर्जन और एसटीपी कार्यों के लिए 134.71 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय जल निकायों के प्रदूषण तथा सीवेज को रोकने और मोड़ने के उपायों का निर्माण और कार्यान्वयन करके सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाना है।

टी-20 विश्वकप 2024 की विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य कुलदीप यादव ने लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की ।

दूसरा विमेंस टी-20 बारिश के कारण बेनतीजा : साउथ अफ्रीका ने 177 रन बनाए, तजमिन ब्रिट्ज की फिफ्टी, वस्त्राकर-दीप्ति को 2-2 विकेट

चेन्नई, 08 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच विमेंस टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा। चेन्नई में मेहमान टीम ने टॉस हारकर पहले बैटिंग की। ओपनर तजमिन ब्रिट्ज ने लगातार दूसरे टी-20 में फिफ्टी लगाई। उनकी फिफ्टी के सहारे टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 177 रन बना लिए। साउथ अफ्रीका से अनेके बोश ने 32 बॉल पर 40 रन की पारी खेली। भारत से पूजा वस्त्राकर और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। पहली पारी खत्म होते ही चेन्नई में बारिश होने लगी। इस कारण भारत की बैटिंग शुरू नहीं हो सकी। पहला टी-20 जीतकर साउथ अफ्रीका सीरीज में 1-0 से आगे है। तीसरा टी-20 मैच 9 जुलाई को चेन्नई में ही खेला जाएगा।

ओपनर्स ने दिलाई तेज शुरुआत – चेपॉक स्टेडियम में साउथ अफ्रीका को ओपनर्स ने दूसरे टी-20 में भी तेज शुरुआत दिलाई। कप्तान लौरा वोल्वार्ट और ब्रिट्ज ने 4 ही ओवर में 43 रन बना दिए। 5वें ओवर में वस्त्राकर ने वोल्वार्ट को कैच आउट कराया और भारत को पहली सफलता दिलाई। कप्तान ने 22 रन बनाए।

ब्रिट्ज की लगातार दूसरी फिफ्टी – पहले टी-20 में 81 रन की मैच विनिंग पारी खेलने वालीं ओपनर ब्रिट्ज ने इस मैच में भी फिफ्टी लगा दी। उन्होंने 39 बॉल पर 52 रन बनाए। उनके सामने मारिजान कैप 14 बॉल में 20 रन बनाकर आउट हुईं। दोनों को दीप्ति शर्मा ने पवेलियन भेजा।

अनेके बोश ने 160 पार पहुंचाया स्कोर – 113 रन के स्कोर पर साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट गंवा दिए। यहां से अनेके बोश ने एक एंड संभाल लिया। उनके सामने क्लो ट्रायन 12 और नदिन डी क्लर्क 14 रन बनाकर आउट हुईं। 19वें ओवर की आखिरी बॉल पर बोश भी 40 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। उन्होंने टीम का स्कोर 160 रन के पार पहुंचाया। साउथ अफ्रीका ने 6 विकेट खोकर 177 रन का स्कोर खड़ा किया। पूजा वस्त्राकर ने 2 विकेट लिए। वहीं श्रेयांका पाटिल और राधा यादव को 1-1 सफलता मिली।

भारत ने 12 रन से गंवाया था पहला टी-20 – भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 टी-20 की सीरीज खेली जा रही है। तीनों मैच चेन्नई में हैं, साउथ अफ्रीका ने पहला मुकाबला 12 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली थी। दूसरा टी-20 बारिश के कारण बेनतीजा रहा। तीसरा मैच 9 जुलाई को खेला जाएगा, अगर यह मुकाबला भारत ने नहीं जीता तो टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरी टी-20 सीरीज गंवा देगी।

न्यूज ब्रीफ

एल्ड्रिन, अंकिता ने इस आधार पर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया भारतीय एथलीटों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली । पेरिस ओलंपिक को शुरू होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और सभी एथलीट इसमे अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार हैं। इस बीच लंबी कूद के भारतीय एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन और 5000 मीटर की धाविका अंकिता ध्यानी ने भी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। इन दो एथलीटों ने विश्व रैंकिंग कोटे के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया जिससे भारतीय एथलेटिक्स टीम में सदस्यों की संख्या बढ़कर 30 हो गई। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी। लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एल्ड्रिन और अंकिता का नाम विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) द्वारा प्रकाशित नवीनतम सूची में शामिल है। राष्ट्रीय महासंघों ने अंतरराष्ट्रीय संस्था को अपने उन एथलीटों के बारे में सूचित किया जो कट बनाने के बावजूद विभिन्न कारणों से पेरिस में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। इसी तरह का उदाहरण भारत के शीर्ष लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर का है, जिन्हें 8.27 मीटर के क्वालिफिकेशन मानक से सीधे प्रवेश करने के बावजूद चोट के कारण खेलों से बाहर होना पड़ा। एल्ड्रिन सूची में 31वें स्थान पर हैं, जबकि 32 खिलाड़ी ओलंपिक में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में भाग लेंगे। अंकिता को 42वें स्थान पर रखा गया जो अंतिम रैंकिंग स्थान है। दो जुलाई को दोनों ही क्वालीफिकेशन ब्रैकेट से बाहर थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि दोनों को भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, हां, ये दोनों विश्व रैंकिंग के जरिए सूची में शामिल हुए हैं और उन्हें ओलंपिक के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम 9 और 12 जुलाई को म्यांमार से खेलेगी मैत्री मैच 23 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली । भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम म्यांमार के खिलाफ 9 और 12 जुलाई को दो मैत्री मैच खेलेगी। इसके लिए 23 सदस्यीय भारतीय महिला फुटबॉल टीम घोषित कर दी गयी है। भारतीय टीम की मुख्य कोच चाओबा देवी ने कहा है कि इस टीम में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का मिश्रण है। साथ ही कहा कि टीम का संयोजन अच्छा है। उन्होंने कहा कि पिछले महीने उज्बेकिस्तान के साथ खेलने के बाद हमने 10 दिनों के अंदर ही अपना राष्ट्रीय अभ्यास शिविर शुरू कर दिया था जिसका भी लाभ हमें मिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सभी खिलाड़ी फिट हैं जो हमारे लिए एक अच्छा संकेत है। ये सभी खिलाड़ी अब तक अपने-अपने क्लबों में अभ्यास कर रही थीं। भारतीय महिला फुटबॉल टीम उज्बेकिस्तान दौरे में एक मैच में 0-3 से हार गयी थी जबकि दूसरे मैच में मुकाबला बराबरी पर रहा था।

डायमंड लीग में अविनाश साबले ने दिखाया दम, तोड़ा अपना ही राष्ट्रीय स्टीपलचेज रिकॉर्ड

नई दिल्ली । ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके अविनाश साबले ने डायमंड लीग में 8 मिनट और 9.91 सेकंड का समय लेकर छठा स्थान हासिल करते हुए 3000 मीटर स्टीपलचेज का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 2022 में बनाए गए अपने पहले के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 8 : 11.20 से करीब 1.5 सेकंड बेहतर प्रदर्शन किया। इथियोपिया के अब्राहम सिमे 8 : 02.36 के समय से कीनिया के अमोस सेरेम ((8 : 02.36) से 'फोटो फिनिश' में पहले स्थान रहे। कीनिया के अब्राहम किबिवोट 8 : 06.70 के समय से तीसरे स्थान पर रहे। साबले ने दो साल पहले बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और वह इसे तोड़ने में सफल रहे। यह उनका 10वां राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन रहा। वहीं पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में ओलंपिक दल के सदस्य किशोर जेना का संघर्ष जारी रहा और वह 78.10 मीटर के प्रयास से आठवें स्थान पर रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.54 मीटर है और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 80.84 मीटर है। पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले जेना का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर का थ्रो लगाया था।

भारत ने हॉकी में जीते हैं सर्वाधिक पदक टेनिस में अच्छा नहीं रहा है प्रदर्शन

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक का काउंडटाउन शुरू हो चुका है और भारतीय दल इसके लिए पूरी तरह है। भारत को इस बार उम्मीद है कि पेरिस में खिलाड़ी अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वहीं, लंबे अरसे बाद टोक्यो 2020 में पदक का सूखा समाप्त करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम की नजरें अब स्वर्ण पदक पर रहेंगी। भारत ने 1980 में मॉस्को ओलंपिक के बाद से इन खेलों में अब तक स्वर्ण नहीं जीता है। भारत अब तक हॉकी में कुल 12 पदक जीत चुका है जिसमे आठ स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

भारत ने 41 साल का सूखा किया था समाप्त

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में जर्मनी को 5-4 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इस तरह ओलंपिक खेलों में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया था। यह 1980 में मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उसका पहला पोडियम फिनिश था। यह भारत का हॉकी में तीसरा कांस्य पदक भी था। इस बार पुरुष टीम की कोशिश पदक का रंग बदलने पर रहेगी। टीम से ज्यादा उम्मीद इसलिए भी होगी क्योंकि महिला हॉकी टीम पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी है।

भारत को इस बार एथलेटिक्स से भी काफी उम्मीदें है जिसमे पिछली बार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था। 121 साल में पहली बार भारत को ट्रैक एंड फील्ड में स्वर्ण पदक हासिल हुआ था। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने भारोत्तोलन, बैडमिंटन, हॉकी, मुक्केबाजी, कुश्ती और एथलेटिक्स में पदक अपने नाम किए थे। दिलचस्प बात यह है कि भारत का ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हॉकी में रहा है और देश ने सबसे ज्यादा पदक इसी खेल में जीते हैं।

हॉकी में भारत ने कब-कब जीते पदक

भारत के लिए हॉकी में स्वर्णिम युग की शुरुआत 1928 में एम्स्टर्डम ओलंपिक से हुई थी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दिग्गज खिलाड़ी ध्यान चंद के नेतृत्व में 29 गोल किए और एक भी गोल खाए बिना अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद टीम ने 1932 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीता था और अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया था। भारत ने फिर 1936 बर्लिन ओलंपिक में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्णिम हैट्रिक लगाई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के चलते 1940 और 1944 में ओलंपिक खेलों का आयोजन नहीं किया गया था और फिर 1948 में लंदन ओलंपिक से भारत ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपने पहले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया। भारत ने यहां भी अपनी छाप छोड़ी और हॉकी में लगातार चौथा स्वर्ण जीता। इसके बाद 1952 और 1956 में भी टीम स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही थी। भारत ने इस तरह लगातार छह ओलंपिक में हॉकी में स्वर्ण पदक जीते थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 1960 रोम ओलंपिक में पाकिस्तान से फाइनल में 0-1 से हार गई थी और इस तरह उसका स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला टूट गया था। भारत ने उस वक्त रजत पदक हासिल किया था। हालांकि, चार साल बाद फिर 1964 में टोक्यो ओलंपिक में भारत ने स्वर्ण पदक जीता। इस बार टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को मात दी और पुरानी हार का बदला चुकता किया। 1968 में मेक्सिको सिटी में हुए ओलंपिक में पुरुष हॉकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उसे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, टीम ने वेस्ट जर्मनी को हराकर कांस्य पदक जीता। 1972 में म्यूनिख ओलंपिक में भी टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। उस समय सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराया था, लेकिन भारतीय टीम ने नीदरलैंड को हराकर ओलंपिक में दूसरा कांस्य पदक जीता था। 1980 मॉस्को ओलंपिक में पुरुष हॉकी टीम ने फिर अपना दबदबा बनाया और स्पेन को हराकर आठवीं बार ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का दबदबा इसके बाद लंबे समय तक गायब रहा और टीम टोक्यो 2020 से पहले तक कोई पदक नहीं जीत सकी थी। हालांकि, भारत ने टोक्यो में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया, लेकिन ओलंपिक में 44 साल से हॉकी में भारत स्वर्ण नहीं जीत सका है।

टेनिस में आया है सिर्फ एक पदक

भारत ने 1924 के पेरिस ओलंपिक में टेनिस में अपना डेब्यू किया था। चार पुरुष और एक महिला खिलाड़ियों ने सिंगल्स वर्ग में हिस्सा लिया। पुरुष डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में दो जोड़ियों ने हिस्सा लिया। हालांकि, इस खेल में भारत का प्रदर्शन ओलंपिक में बेहतर नहीं रहा है और देश ने अब तक सिर्फ एक पदक जीता है। भारत को 1996 में एटलांटा ओलंपिक में लिएंडर पेस ने कांस्य पदक दिलाया था जो ओलंपिक में टेनिस में भारत का एकमात्र पदक है। पेस ने उस वक्त फर्नांडो मेलिगेनी को हराकर पोडियम फिनिश किया था।

डायमंड लीग में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक के लिए लय हासिल करने उतरेंगे जेना और साबले

पेरिस, 08 जुलाई (एजेंसियां) ।

ओलंपिक की तैयारियों को बेहतर करने के लिए भारत के स्टीपलचेस एथलीट अविनाश साबले और भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना यहां पेरिस डायमंड लीग मुकाबलों में उतरेंगे। इससे साबले और जेना को पेरिस के माहौल में ढलने का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उन्हें विश्वस्तरीय खिलाड़ियों से मुकाबला का अवसर मिलेगा। इससे उन्हें पल चल जाएगा कि ओलंपिक के लिए उन्हें कितने सुधार और करने है।

दोनों ने ही ओलंपिक से पहले अधिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है पर अब वे पेरिस के हालातों के अनुसार ढलने का प्रयास कोशिश करेंगे। साबले ने अभी तक दो 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धाओं में हिस्सा लिया है।

उन्होंने पोर्टलैंड में 8: 21.85 और पंचकुला में 8: 31.75 का समय निकाला था जबकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 8: 11.20 है। इस खिलाड़ी ने कहा, ''मैंने पिछले दो साल में अपने मुकाबलों में गलतियां की हैं जिन्हें में सुधारना चाहता हूं।'' वहीं जेना का भी अब तक का सफर अच्छा नहीं रहा है।

उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर के थ्रो लगाये। इस प्रकार उनका अब तक का प्रदर्शन ओलंपिक स्तर से काफी कम रहा हालांकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 87.54 मीटर है जो उन्होंने 2023 एशियाड में रजत पदक जीतकर हासिल किया था।

बर्थडे स्पेशल : 52 साल के हुए सौरव गांगुली सोशल मीडिया पर लगा बधाइयों का तांता

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट में दादा के नाम से मशहूर पूर्व कप्तान सौरव गांगुली अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। प्रिंस ऑफ कोलकाता के नाम से भी मशहूर सौरव गांगुली को भारत के सबसे सफल क्रिकेटरों में से एक माना जाता है। गांगुली ने एमएस धोनी, हरभजन सिंह और जहीर खान जैसे कई सफल खिलाड़ियों को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। भारतीय क्रिकेट के दादा 1996 में लॉर्ड्स में अपने यादगार टेस्ट डेब्यू शतक के चार साल बाद 2000 में कप्तान बने। इसके बाद उन्होंने युवराज सिंह और मोहम्मद कैफ जैसी युवा प्रतिभाओं को तैयार किया। गांगुली के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2-1 से जीती। 2002 में एक यादगार पल तब आया जब नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की वापसी के बाद दादा ने लॉर्ड्स की बालकनी पर अपनी जर्सी उतार दी। इसके बाद उन्होंने भारत को 2003 के वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया, जहां ऑस्ट्रेलिया से हार मिली। गांगुली ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का भी नेतृत्व किया। फ्रेंचाइजी ने अपने पूर्व कप्तान को शुभकामनाएं दीं और एक्स पर अपने पोस्ट का शीर्षक दिया, महाराजा, दादा, प्रिंस ऑफ कोलकाता, हैप्पी बर्थडे सौरव गांगुली। मुनाफ पटेल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, भारतीय क्रिकेट टीम के विकास में इस व्यक्ति का बहुत बड़ा हाथ है। हैप्पी बर्थडे लीजेंड। आपके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं दादा। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा, आप हैं, आप थे और आप हमेशा एक प्रेरणा रहेंगे। प्यार करता हूं दादा और आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। गांगुली ने 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की और 2012 तक इंडियन प्रीमियर लीग में खेले। उन्होंने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले, जिसमें 18,575 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए।

पहला सेट गंवाने के बाद जोकोविच ने की शानदार वापसी, प्री क्वार्टर फाइनल में अब इससे होगा सामना

लंदन, 08 जुलाई (एजेंसियां) ।

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विंबलडन के सात बार के चैंपियन जोकोविच ने एलेक्सेई पोपिरिन के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की और चार सेटों में जीत दर्ज कर पुरुष सिंगल्स वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

जोकोविच ने विंबलडन में लगाए 1000+ ऐस

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के जोकोविच ने पोपिरिन को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। इसी के साथ जोकोविच ने विंबलडन में एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है। जोकोविच विंबलडन में 1000 से अधिक ऐस लगाने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। जोकोविच से पहले रोजर फेडरर, गोरान इवानिसेविच, पीट संप्रास, जॉन इस्नर और इवो कारलोविच ऐसा कर चुके हैं।

स्वियातेक का सफर समाप्त

महिला एकल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियातेक को शिकस्त का सामना करना पड़ा। स्वियातेक को पहला सेट जीतने के बावजूद ऑल इंग्लैंड क्लब पर तीसरे दौर के मुकाबले में गैर वरीय यूलिया पुतिंत्सेवा ने 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। इसके साथ ही स्वियातेक का लगातार 21 मैच में जीत का अभियान भी थम गया। पांच बार की ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक को विंबलडन का ग्रास कोर्ट काफी रास नहीं आता है। 2022 में भी एलिज कोर्नेट ने तीसरे दौर में उन्हें हराकर उनके लगातार 37 मैच के विजयी अभियान पर रोक लगाई थी। पुतिंत्सेवा अगले दौर में 2017 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 13वीं वरीय जेलेना ओस्टापेंका से भिड़ेंगी। महिला सिंगल्स वर्ग में ही 21वीं वरीय एलेना स्वितोलिना ने 10वें नंबर की ओन्स जेब्युर को 6-1, 7-6 से हराया।

गत चैंपियन अल्काराज ने खिताब के लिए बढ़ाए कदम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, अब इस खिलाड़ी से सामना

लंदन, 08 जुलाई (एजेंसियां) ।

गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इसके साथ ही अल्काराज खिताब बचाने के अभियान में एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट पर उगो हम्बर्ट पर 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 से आसान जीत दर्ज की। यह नौवीं बार है जब अल्काराज किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम आठ दौर में पहुंचने में सफल रहे हैं।

अल्काराज इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले संयुक्त रूप से स्पेन के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस सूची में सबसे आगे 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता राफेल नडाल हैं जिन्होंने 47 बार किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम आठ दौर में जगह बनाई है। उनके बाद डेविड फेरेर का नंबर है जिन्होंने 17 बार मेजर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। दिलचस्प बात यह है कि फेरेर ने करियर में कभी कोई ग्रैंडस्लैम नहीं जीता है। अल्काराज जुआन कार्लोस फेरेरो और मैनुअल ओरांटेस की बराबरी पर पहुंच गए हैं जिन्होंने अल्काराज की तरह ही नौ बार किसी बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है।

अल्काराज ने मैच खत्म होने के बाद कहा, मुझे लगता है कि मैं इस मैच में अच्छा खेला और मैंने काफी ऊंचे स्तर का खेल दिखाया। अल्काराज का सामना अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा जिन्होंने पुरुष सिंगल्स वर्ग के एक अन्य मुकाबले में स्पेन के रोबर्टो बतिस्ता ऑगुट को हराया। पॉल पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।

पाओलिनी को मिला वॉकओवर

महिलाओं के वर्ग में फ्रेंच ओपन की उपविजेता जैस्मीन पाओलिनी अपने पहले विंबलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं क्योंकि चौथे दौर के तीसरे सेट में मेडिसन कीज पैर की चोट के कारण रिटायर हो गईं, तब स्कोर 5-5 था। इटली की खिलाड़ी जैस्मीन ने पहला सेट 6-3 से जीता था, जबकि 2017 यूएस ओपन की उपविजेता कीज ने दूसरा सेट 7-6 से अपने नाम किया था। जैस्मीन इस तरह पेशेवर युग में विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली इटली की पांचवीं महिला खिलाड़ी बनीं और अब वह सेमीफाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगी। जैस्मीन का सामना एम्मा नावारो से होगा जिन्होंने एक अन्य मुकाबले में कोको गॉफ को मात दी।

रोहित परिवार के साथ छुट्टियां मनाने निकले

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा अपने परिवार सहित छुट्टियां मनाने के लिए निकल गये हैं। रोहित ने टी20 विश्वकप में जीत के साथ ही इस प्रारुप को अलविदा कह दिया है। अब जबकि अगली सीरीज में समय है, ऐसे में तरोताजा होने रोहित अपनी पत्नी रितिका और बेटी समायरा के साथ छुट्टियां मनाने के लिए गये हैं। रोहित को मुंबई एयरपोर्ट पर परिवार के साथ देखा गया जहां से वह छुट्टियां मनाने के लिए आगे निकल गए। रोहित पिछले काफी समय से लगातार खेल रहे हैं। विश्वकप से पहले उन्होंनें आई पीएल भी खेला था। ऐसे में उनका कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहा है। विश्वकप के बाद भी तीन तूफान के कारण चार दिन बारबाडोस में फंसी हुई थी। वहीं से वापसी के बाद टीम का स्वदेश में शानदार स्वागत हुआ। पहले नई दिल्ली में टीम प्रधामंत्री से मिलने गयी थी। उसके बाद टीम मुम्बई पहुंची जहां विजय परेड निकाली गयी। रोहित ने तब वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के दौरान कहा कि जितनी बेसब्री हमें ट्रॉफी जीतने की थी, उससे कहीं ज्यादा प्रशंसकों में थी और ये उनकी खुशी और जश्न को देखकर समझा जा सकता है। मैं अपनी टीम और बीसीसीआई की ओर से प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले 11 सालों से वे ट्रॉफी भारत में वापस चाहते हैं। विश्वकप में रोहित ने शानदार बल्लेबाजी और कप्तानी की थी। फाइनल मैच में विराट कोहली के अर्धशतक के साथ ही सूर्यकुमार यादव ने अंतिम ओवर में जो कैच पकड़ा था। उसकी भी जमकर चर्चाएं हुई थीं। भारतीय टीम विश्वकप में सभी मैच जीती थी।

संपादकीय

ढहते पुलों का बिहार

यह बिहार में ही हो सकता है। किसी अन्य राज्य में अपवाद के तौर पर हादसा हो सकता है। बिहार के सारण (छपरा) और सीवान में 24 घंटे के दौरान पांच पुल ध्वस्त हुए हैं। संभवतः लापरवाही, नालायकी और भ्रष्टाचार का यह विश्व कीर्तिमान है। एक पखवाड़े के दौरान 12 पुल ध्वस्त होकर 'मलबा' हुए हैं। यह सिर्फ बिहार में ही हुआ है। इन पुलों के जरिए कितने गांव, कस्बे और मानवीय आबादी जुड़ी होगी। वे सब अधर में लटक गए हैं। उनकी आवाजाही, काम-धंधों पर विराम लग गया है। एक पुल कितने समय में बनता है और उस पर कितने करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं, अचानक वह भुरभुरा कर ढह जाता है, तो कितने संसाधन बर्बाद होते हैं? एक जंगलराज अतीत में था और अब 'सुशासन राज' के ढोल पीटे जाते हैं, जो दरअसल जंगलराज ही है। अब ये 12 पुल कब तक बन सकेंगे और उनके लिए आर्थिक संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, यह सवाल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि बिहार मौजूदा वित्त वर्ष में केंद्र सरकार की 52,000 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान राशि पर गुजारा कर रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत सत्ता और विपक्ष के सभी बड़े नेता 'विशेष राज्य का दर्जा' दिए जाने का प्रलाप करते रहे हैं। हाल ही में सत्तारूढ़ जनता दल-यू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राजधानी दिल्ली में हुई थी। उसमें भी यह प्रस्ताव पारित किया गया। चूंकि मोदी सरकार में जद-यू एक महत्वपूर्ण घटक है। सरकार की स्थिरता का एक मजबूत स्तंभ भी है, लेकिन सरकार के अपने नियम-कानून भी होते हैं। 2014 में मोदी सरकार की शुरुआत में ही तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेतली ने बयान दिया था कि 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के बाद ही राज्यों को 'विशेष श्रेणी का दर्जा' देने का युग समाप्त हो गया। पूर्वोत्तर के राज्यों, जम्मू-कश्मीर (अब संघशासित क्षेत्र), हिमाचल और उत्तराखंड सरीखे हिमालयन राज्यों को इस श्रेणी के तहत आर्थिक मदद जारी रहेगी। अब 16वें वित्त आयोग का दौर है। साफ है कि बिहार और आंध्रप्रदेश को 'विशेष श्रेणी के राज्य' का दर्जा दिया जाना तो संभव नहीं है। अलबत्ता उन्हें 'विशेष आर्थिक पैकेज' जरूर दिए जा सकते हैं। आंध्र की सत्तारूढ़ तेलुगूदेशम पार्टी के 16 सांसद भी मोदी सरकार की स्थिरता के आधार हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बीते कल ही प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर विशेष आर्थिक सहायता मांगी है। बहरहाल बिहार के संदर्भ में व्यापक चिंतन-मनन करना चाहिए, क्योंकि उसे बजट के तहत जो राशि आवंटित की जाती रही है, वह भी 'अनखर्च' रहती है। दरअसल बिहार में संस्थानगत क्षमता, आधारभूत ढांचे, बाजार, उद्यमी कौशलता और उपयुक्त औद्योगिक माहौल आदि की कमी रही है, लिहाजा राशियां 'अनखर्च' रहती हैं। वित्त वर्ष 2023 में बिहार में राजस्व खर्च का 51,722 करोड़ रुपए और पूंजी बजट का 24 फीसदी, 14,786 करोड़ रुपए खर्च ही नहीं किए जा सके। वित्त वर्ष 2020, 2021 और 2022 में भी क्रमशः 78,122 करोड़, 75,926 करोड़ और 70,083 करोड़ रुपए 'अनखर्च' ही रहे। ये कोई सामान्य और कम राशियां नहीं हैं। यदि राशि बजट की अवधि के दौरान खर्च नहीं की जाती, तो उसे त्याग देना पड़ता है। यह भी एक किस्म का आत्मसमर्पण होता है। ये राशियां 'विशेष श्रेणी के राज्य' का दर्जा मिलने के बाद जो फंड मिलता है, उनसे भी अधिक हैं। जब विभाग बजटीय आवंटन की राशि को खर्च करने में अक्षम हैं, तो उसके साफ मायने हैं कि राज्य पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। बिहार की बुनियादी समस्याएं हैं, जो पुलों के ढहने में ही नहीं दिखतीं, बल्कि स्कूल-कॉलेज, अस्पताल आदि भी जर्जर अवस्था में हैं। पुल किसी भी सरकार ने बनाए हों, उनके निर्माण का ऑडिट होना चाहिए।

बिहार के सारण (छपरा) और सीवान में 24 घंटे के दौरान पांच पुल ध्वस्त हुए हैं। संभवत: लापरवाही, नालायकी और भ्रष्टाचार का यह विश्व कीर्तिमान है। एक पखवाड़े के दौरान 12 पुल ध्वस्त होकर 'मलबा' हुए हैं। यह सिर्फ बिहार में ही हुआ है। इन पुलों के जरिए कितने गांव, कस्बे और मानवीय आबादी जुड़ी होगी। वे सब अधर में लटक गए हैं। उनकी आवाजाही, काम-धंधों पर विराम लग गया है। एक पुल कितने समय में बनता है और उस पर कितने करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं, अचानक वह भुरभुरा कर ढह जाता है, तो कितने संसाधन बर्बाद होते हैं? एक जंगलराज अतीत में था और अब 'सुशासन राज' के ढोल पीटे जाते हैं, जो दरअसल जंगलराज ही है। अब ये 12 पुल कब तक बन सकेंगे और उनके लिए आर्थिक संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, यह सवाल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि बिहार मौजूदा वित्त वर्ष में केंद्र सरकार की 52,000 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान राशि पर गुजारा कर रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत सत्ता और विपक्ष के सभी बड़े नेता 'विशेष राज्य का दर्जा' दिए जाने का प्रलाप करते रहे हैं। हाल ही में सत्तारूढ़ जनता दल-यू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राजधानी दिल्ली में हुई थी। उसमें भी यह प्रस्ताव पारित किया गया।

भारत पर अंग्रेजों का अंग्रेजी में थोपा गया कानून 76 साल बाद खत्म

कदम कदम जनभाषा में न्याय की ओर बढ़ रहे हैं हम

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

जब हम जनतंत्र की बात करते हैं तो यह भी अपेक्षा की जाती है कि जनता के सभी कार्य, शासन, प्रशासन, न्याय शिक्षा और रोजगार आदि जनता की भाषा में हों। लेकिन 15 अगस्त 1947 को भारत की स्वतंत्रता के बाद ऐसा नहीं हो सका। संविधान निर्माताओं ने अंग्रेजी को संविधान लागू होने के बाद 15 वर्ष तक अंग्रेजी के प्रयोग की अनुमति देते हुए इस बीच संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और राज्यों के स्तर पर राज्यों की भाषा अथवा भाषाओं के सरकारी कामकाज में प्रयोग की व्यवस्था आदि करने की बात कही, लेकिन शासन ने इसके विपरीत भारतीय भाषाओं की उपेक्षा कर औपनिवेशिक भाषा अंग्रेजी को आगे बढ़ाया। संविधान के अनुच्छेद 348 में तो उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायलयों में अंग्रेजी को ही स्थापित किया गया। न्यायपालिका में भारतीय भाषाओं को लेकर जो रास्ते थे, उन्हें भी बंद करने के प्रयास होते रहे।

स्वतंत्रता के समय से ही यह मांग की जाती रही है कि विश्व के अन्य प्रभुसत्तासंपन्न लोकतांत्रिक देशों की तरह भारत में भी देश की जनता को उसकी भाषा में न्याय दिया जाए। न्याय प्रणाली के संबंध में तो यही बात न्याय संगत है कि जनता को उसकी भाषा में न्याय दिया जाए, जिसे वे ठीक से समझ सकते हैं, जिसमें वे ठीक से भी अपनी बात को रख सकते हैं, अभिव्यक्त कर सकते हैं। जब कभी किसी कानूनी कागज पर हस्ताक्षर करने हों तो वे उसे समझ कर उस पर हस्ताक्षर कर सकें। लेकिन तत्कालीन सरकारी अंग्रेजी का वर्चस्व बनाए रखना चाहती थी। इसलिए भारत की विधि एवं न्याय प्रणाली को लगभग पूरी तरह उस भाषा में रखा गया जो सामान्यत: भारत के नागरिकों की भाषा नहीं है। जी हां, अंग्रेजी में, जो सामान्यत: किसी की मातृभाषा नहीं है, किसी राज्य और क्षेत्र की भाषा भी नहीं है। नागालैंड जैसे राज्य में अगर अंग्रेजी राजभाषा है तो धर्मांतरण के माध्यम से जनमानस पर थोपी गई भाषा के रूप में। फिर भी वह शासन-प्रशासन शिक्षा-रोजगार और न्याय सहित हर जगह जमी हुई है और भारतीय भाषाओं का मार्ग अवरुद्ध किए हुए है। हो सकता है कि भारत जैसे कुछ पुराने औपनिवेशिक देश में कुछ हद तक उस भाषा का प्रयोग होता हो, जिन देशों के कभी वे गुलाम हों या गुलाम रहे हों और उनकी अपनी कोई विकसित भाषा न हो। अन्यथा विश्व के सभी प्रभुसत्तासंपन्न लोकतांत्रिक देशों में विधि और न्याय की भाषा वहाँ की राष्ट्रभाषा या जनभाषा ही होती है।

संविधान के अनुच्छेद 348 के अनुसार भारत में उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय की भाषा अंग्रेजी रखी गई है। अन्य छोटे न्यायालयों में राज्य द्वारा जनभाषा के प्रावधान किए जा सकते हैं और इस प्रकार के प्रावधान किए भी गए हैं। लेकिन तत्कालीन सरकारों द्वारा इस संबंध में कोई गंभीर प्रयास नहीं किए गया। इसलिए भारत की राजधानी दिल्ली सहित आज भी देश के अनेक राज्यों में सभी स्तरों पर अंग्रेजी का वर्चस्व बना हुआ है। विधि निर्माण से लेकर विधि शिक्षा और न्याय प्रणाली में भारतीय भाषाओं के समावेश के लिए या उन्हें स्थापित करने के लिए कभी कोई गंभीर प्रयास किया गया हो, मुझे याद नहीं।

जब सभी कानून अंग्रेजी में बनेंगे और विधि शिक्षा भी अंग्रेजी माध्यम से दी जाएगी तथा न्यायाधीश भी अंग्रेजी के पक्ष में खड़े रहेंगे या इसके विपरीत कहें तो अगर न्याय व्यवस्था भारतीय भाषाओं में अपनी बात रखने वालों को हतोत्साहित करेगी तो जनभाषा में यानी भारतीय भाषाओं न्याय का मार्ग कैसे प्रशस्त होगा? हालांकि संविधान के अनुच्छेद 348 में भी भारतीय भाषाओं में न्याय की कुछ रास्ते हैं। इसमें यह कहा गया है यदि कोई राज्य राज्यपाल के माध्यम से उस राज्य में स्थित उच्च न्यायालय की कार्यवाहियों में हिंदी अथवा राज्य की राजभाषा का प्रयोग करना चाहे तो वह राज्यपाल के माध्यम से ऐसा प्रस्ताव भेजकर राष्ट्रपति जी की मंजूरी क से ऐसा हो सकता है। इस प्रावधान के माध्यम से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और राजस्थान इन चार राज्यों में अंग्रेजी के साथ हिंदी के प्रयोग को स्वीकार किया गया है। हालांकि उनमें भी कुछ बाधाएं रही हैं, जिन पर हम आगे चर्चा करेंगे।

लेकिन संविधान लागू होने के कुछ समय बाद ही तत्कालीन सरकार ने उन रास्तों को भी बंद कर दिए गया। केंद्रीय सरकार ने मंत्रिमंडल में निर्णय लिया कि जब कभी किसी राज्य द्वारा इस प्रकार का प्रस्ताव आए तो उसे स्वीकृत करने से पूर्व सर्वोच्च न्यायालय की सहमति ली जाए। उद्देश्य बड़ा स्पष्ट था कि राज्यों का प्रस्ताव स्वीकृत भी न हो और उसकी जिम्मेवारी भी सरकार पर न आए। सरकार को अच्छी तरह मालूम था कि उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के ज्यादातर न्यायाधीश अंग्रेजी के पक्षधर हैं इसलिए वहां से सहमति मिलना संभव ही नहीं है। यहां यह उल्लेखनीय है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 में जहां यह प्रावधान किया गया था वहां पर सर्वोच्च न्यायालय की सहमति लेने जैसी कोई बात नहीं है। इसका परिणाम यह हुआ कि तमिलनाडु, गुजरात, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों ने अपने राज्यों में स्थित उच्च न्यायलय में अपने राज्य की भाषा के प्रयोग के जो प्रस्ताव भेजे मंत्रिमंडलीय निर्णय के अनुसार उन्हें सर्वोच्च न्यायालय की सहमति के लिए भेजा गया और सर्वोच्च न्यायालय ने सहमति देने से मना कर दिया। इस प्रकार एक मंत्रिमंडलीय निर्णय के माध्यम से जनभाषा में न्याय के प्रावधान को कार्यान्वित होने से रोक दिया गया।

सबसे मजेदार बात यह है कि जिस राज्य में पहले से हिंदी के प्रयोग का प्रावधान था, उससे अलग होकर जब कोई राज्य बना तो वहां स्थित उच्च न्यायालय में भी हिंदी के प्रावधान को नहीं रखा गया और वहाँ केवल अंग्रेजी चलने लगी। इस प्रकार आजादी के 75 वर्ष बाद भी स्थिति लगभग ज्यों की त्यों है। सुनने में आया है कि संसदीय राजभाषा समिति द्वारा राष्ट्रपति जी को की गई सिफारिशों में उपर्युक्त मंत्रिमंडल के निर्णय को समाप्त करते हुए जनभाषा में न्याय की मार्ग को प्रशस्त करने की बात है। यदि ऐसी सिफारिश है और राष्ट्रपति जी द्वारा उसे स्वीकार किया जाता है तो आज नहीं तो कल राज्यों की उनके राज्य में स्थित उच्च न्यायालय में भारतीय भाषा के प्रयोग का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। जब एक राज्य में ऐसा होगा तो निश्चित रूप से अन्य राज्य भी जनतंत्र में जनता की मांग के अनुसार अपने राज्यों में स्थित उच्च न्यायालय में अपने राज्य की भाषा का प्रयोग करने के लिए विवश होंगे। तब तत्कालीन सरकारों द्वारा भी उसे रोक पाना संभव न होगा।

यह सर्वविदित है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी सदा से जनतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप जनभाषा यानी भारतीय भाषाओं के प्रयोग की पक्षधर रही है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के पश्चात नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जनभाषा में न्याय का मार्ग प्रशस्त करने के प्रयास किए गए हैं। कुछ समय पूर्व भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश की उपस्थिति में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों और मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनभाषा में न्याय का मार्ग प्रशस्त करने की बात कही गई और उस मंच पर भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ने भी अपने संबोधन में जनभाषा में न्याय की बात को स्वीकार किया।पूर्व केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा भी अपने कार्यकाल में लगातार जनभाषा में न्याय का पुरजोर समर्थन करते हुए अनेक मंचों पर इस बात को रखा गया। यही नहीं, उसके बाद भी जो भारत के मुख्य न्यायाधीश आए उन्होंने भी जनभाषा में न्याय की आवश्यकता पर जोर दिया। इलाहाबाद में विधि महाविद्यालय के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय भाषाओं में न्याय की व्यवस्था के लिए यह आवश्यक है कि विधि महाविद्यालयों में विधि की शिक्षा भारतीय भाषाओं में दी जाए। ऐसी तमाम स्वीकारोक्तियों के बावजूद भी व्यवस्था में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है। यहां इस बात का उल्लेख करना भी समीचीन होगा कि जिन चार राज्यों के उच्च न्यायालय में संविधान के अनुच्छेद 348 (2) के अंतर्गत हिंदी का प्रयोग स्वीकार किया गया है वहां भी उसके रास्ते में इतनी बाधाएं हैं कि वहां भी ज्यादातर वकील यही बेहतर समझते हैं कि अंग्रेजी में ही केस लड़ा जाए। हालांकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्वर्गीय न्यायमूर्ति प्रेम शंकर गुप्त और वर्तमान में न्यायमूर्ति गौतम चौधरी सहित कई ऐसे न्यायमूर्ति हैं और हैं जो अपने अधिकांश निर्णय हिंदी में देते हैं। कैसे अधिवक्ता हैं जो हिंदी की प्रबल समर्थक हैं और उच्च न्यायालय में यथासंभव हिंदी में ही वकालत करते हैं। दूसरे कई उच्च न्यायालय में भी ऐसा कई अधिवक्ता हैं। लेकिन ऐसे न्यायमूर्तियों की संख्या बहुत ही कम है जो जान भाषा हिंदी को प्राथमिकता देते हैं। इसके विपरीत अंग्रेजीपरस्त न्यायमूर्तियों के कारण हिंदी में याचिका दाखिल करने और मुकदमे लड़ने वाले वकीलों को अक्सर निराशा ही हाथ लगती है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के ही एक वकील ने बताया कि उन्हें किस प्रकार न्यायमूर्तियों से हिंदी में याचिका दायर करने और अपनी बात रखने के कारण अपमानजनक शब्द सुनने पड़े। पटना उच्च न्यायालय में जहां हिंदी स्वीकार्य है, वहां भी पूर्व में केंद्र की तरह मंत्रिमंडल द्वारा निर्णय लेकर ऐसी व्यवस्था की गई थी कि यदि कोई व्यक्ति हिंदी में याचिका दायर करता है तो उसे उसका अंग्रेजी अनुवाद भी देना पड़ेगा? जब अंग्रेजी अनुवाद देना ही है तो कोई व्यक्ति हिंदी में याचिका दाखिल क्यों करेगा? स्पष्ट रूप से यह तत्कालीन बिहार सरकार का न्यायपालिका में हिंदी विरोधी निर्णय था। इसे लेकर पटना उच्च न्यायालय में सरकारी अधिवक्ता इंद्रदेव द्वारा निरंतर संघर्ष किया जा रहा है लेकिन न्यायमूर्तियों से लेकर महाधिवक्ता तक हिंदी का रास्ता रोके खड़े हैं। कई बार हिंदी में अपनी बात रखने के कारण मुख्य न्यायाधीश द्वारा उन्हें फटकार ही नहीं मिली बल्कि महाधिवक्ता द्वारा भी उन्हें सरकारी मामले देने बंद कर दिए गए और अनेक प्रकार से उन्हें प्रताड़ित और हतोत्साहित किया गया। अभी भी पटना उच्च न्यायालय में हिंदी में याचिकाएं दायर करने और बात रखने का मामला चर्चाओं में है, जिसमें वैश्विक हिंदी सम्मेलन भी एक पक्ष बना हुआ है लेकिन अंग्रेजी समर्थक शक्तिशाली तंत्र हिंदी की राह रोके खड़ा है।लेकिन भारत सरकार की नीति के अनुरूप बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा मंत्रिमंडल का निर्णय लेकर अंग्रेजी अनुवाद की अनिवार्यता को समाप्त करने का निर्णय राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति जी को भेजा गया है। इस निर्णय से अब पटना उच्च न्यायालय में हिंदी के लिए खड़ी की गई एक बड़ी अड़चन शीघ्र हटने की संभावना है। सरकार के कई और निर्णयों और कार्य से भी इस दिशा में रास्ते खुले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय सहित विभिन्न उच्च न्यायालयों और अन्य जिला न्यायालय आदि में प्रौद्योगिकी की मदद से जनभाषा में निर्णय दिए जाने की व्यवस्था की जा रही है। करीब एक वर्ष पूर्व हरियाणा के सोनीपत में भारतीय भाषा अभियान के कार्यक्रम में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी के संबोधन से प्रेरित हो कर उपस्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति ने विद्यार्थियों को हिंदी में परीक्षा देने की सुविधा की भी घोषणा की।मुंबई में वैश्विक हिंदी सम्मेलन द्वारा जनभाषा में न्याय के संबंध में अपनी बात रखते हुए मुंबई उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजन कोचर ने कहा कि न्यायपालिका में भारतीय भाषाओं की प्रयोग के लिए संविधान की अनुच्छेद 348 में आवश्यक परिवर्तन करने की आवश्कता है। उनका कहना था कि यह काम एकदम नहीं हो सकता, इसके लिए योजनाबद्ध रूप से व्यवस्था परिवर्तन करने के साथ-साथ सरकारी कामकाज भी भारतीय भाषाओं का प्रयोग किए जाने की आवश्यकता है। इसी प्रकार पटना में वैश्विक हिंदी सम्मेलन द्वारा जनभाषा में न्याय पर आयोजित सम्मेलन में उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश व विधि विश्वविद्यालय की प्राचार्या ने जनभाषा में न्याय के संबंध में कहा कि संविधान निर्माण के समय जो कमियां रह गई थीं, उन्हें अब ठीक किए जाने की आवश्यकता है।उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय के संबंध में अक्सर यह कहा जाता हैं कि भूल जाइए वहां भारतीय भाषाओं की बात। वहां आपको एक शब्द भी हिंदी में सुनने को नहीं मिलेगा। इस मिथक को तोड़ते हुए अब भारत सरकार ने एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय लिया है जो न केवल विधि और न्याय की दृष्टि से बल्कि भाषाई दृष्टि से भी अभूतपूर्व है। भारतीय संसद ने तीन ऐतिहासिक कानून भारतीय दंड संहिता 1860 दंड प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को क्रमशः भारतीय न्याय संहिता 2023 से प्रतिस्थापित करके आपराधिक न्याय प्रणाली में एक परिवर्तन कार्यक्रम उठाया है। विधि और न्याय की दृष्टि से तो यह परिवर्तन एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम है ही क्योंकि अंग्रेजों के जमाने के कानूनों को बदल गया है। ये कानून अंग्रेजों द्वारा ब्रिटिश हितों की रक्षा के लिए बनाए गए थे, जिन में भारत के लोगों से न तो कोई परामर्श लिया गया था और न ही भारतीयों के सामाजिक परिवेश और जीवन प्रणाली को ही ध्यान में रखा गया था।

भाषा की दृष्टि से महत्वपूर्ण बात यह है कि संसद से पास होने के बाद 1 जुलाई से ये कानून लागू हो गए हैं। ये कानून हैं - भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम इन तीनों कानूनों के नाम हिंदी में रखे गए हैं। अर्थात अंग्रेजी में भी अब इन हिंदी नामों का ही प्रयोग होगा। कहने का मतलब यह है कि निचली अदालतों से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक देश की सैकड़ों अदालतों में प्रतिदिन इन हिंदी नामों की गूंज सुनाई देगी। इस परिवर्तन से निश्चित रूप से देश की सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय से लेकर सभी न्यायालयों में भारतीय भाषाओं के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार होगा।

यह सही है कि सरकार द्वारा न्यायपालिका में भारतीय भाषाओं को लाने के प्रयासों के बावजूद अभी भी मंजिल बहुत दूर है। लेकिन विभिन्न संस्थाओं के प्रयासों और उनकी मांग तथा सरकार द्वारा भारतीय भाषाओं में न्याय व्यवस्था को लाने की घोषित नीति के चलते एक बहुत बड़ा परिवर्तन यह आया है कि पहले जहां पूरा न्याय तंत्र भारतीय भाषाओं को नकारता था। अब इस नकारता नहीं, बल्कि काफी हद तक स्वीकारता दिखता है। दिसंबर 2022 में इटावा में इटावा हिंदी सेवा निधि के कार्यक्रम में तत्कालीन सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी का कहना था कि यह सही है कि जनभाषा में न्याय होना चाहिए, लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाया जाए। न्यायमूर्तियों की स्थानांतरण नीति के कारण जब वे किसी अन्य उच्च न्यायालय में जाते हैं तो उन्हें वहां की भाषा में काम करने में असुविधा होती है। इटावा हिंदी सेवा निधि के दिसंबर 2023 के कार्यक्रम मैं ही सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज मित्तल ने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार निर्णय ले कि आगे किस भाषा को चलाना है, हिंदी अथवा भारतीय भाषाओं को चलाना है या अंग्रेजी को ही चलाए रखना है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सरकार ने नोटबंदी की है वह देश की व्यवस्था में अंग्रेजीबंदी क्यों नहीं कर सकती?

निष्कर्ष रूप में कहें तो अब न्यायपालिका द्वारा न्यायतंत्र में भारतीय भाषाओं का सीधे विरोध तो नहीं हो रहा लेकिन परिस्थितियों और व्यवस्थाओं का हवाला देते हुए फिलहाल अंग्रेजी के साथ खड़ा हुआ दिखता है। सरकारी नीति और देश के विभिन्न हिस्सों में भारतीय भाषाओं की संस्थाओं, कुछ न्यायमूर्तियों और अधिवक्ताओं आदि के प्रयासों से छोटे-छोटे कदमों से ही सही भारत के न्यायतंत्र में भारतीय भाषाएं अपना स्थान बनाने में लगी हैं। आशा है कि प्रौद्योगिकी के सहारे न्यायतंत्र में भारतीय भाषाओं की भूमिका और जनभाषा में न्याय की व्यवस्था और सुदृढ़ होगी। इसके लिए शासन-प्रशासन में भारतीय भाषाओं के प्रयोग को बढ़ाते हुए जनमानस को भी तैयार करना होगा।

कुछ अलग

चर्चा में रहना जरूरी है...

शाम को एक क्लब में मेरे साथ दो दो घूंट भरते हुए एक शायर मित्र कह रहे थे कि 'अगर जिंदा हो तो जिंदा नजर आना जरूरी है।' मैंने उन्हें कहा कि जिंदा नजर आने के लिए चर्चा में भी रहना जरूरी है। वरना इस दुनिया में कौन पूछता है कि कौन जिंदा है और कौन मुर्दा है? उस शायर मित्र ने कहा कि चर्चा में कैसे रहा जा सकता है? दो चार शे'र लिखकर तो चर्चा में नहीं रहा जा सकता। मैंने कहा सीधा सा फंडा है। कुछ ऐसे कर्म करो कि सरकारी एजेंसियां आपकी खिदमत में नजर आएं। आपके घर द्वार पर तशरीफ लाएं। आपका मोबाइल, आपका लैपटॉप जब्त करके अपने साथ ले जाएं। नोट गिनने की मशीन भी साथ लेकर आएं। फिर नोट गिनते गिनते मशीन हांफ जाए। मशीनों का कैरेक्टर संदेह के घेरे में आ जाए। लोग मशीनों की कार्यप्रणाली पर उंगलियां उठाएं। पूछें कि ये कैसी मशीनें हैं जो नोट गिनते गिनते गर्म हो गईं। मशीनें कंट्रोवर्सी में आएंगी तो यकीनन आप भी चर्चा में आएंगे। आपका धरती में आना सार्थक हो जाएगा। आपका रेपुटेशन बढ़ जाएगा। आप गर्व के साथ कहोगे कि मेरे नाम का डंका बजता है। मेरे घर पर कोई और आए न आए, लेकिन ईडी आती है। मेरा नाम अखबारों में छपता है। घरों में चर्चा होती है कि इनके घर में ईडी आई थी। पड़ोसी मुझे ईर्ष्या की निगाह से देखने लगते हैं। फिर ईडी के बाद सीबीआई आती है। मेरे रेपुटेशन को चार चांद लग जाते हैं। मीडिया वाले मेरे घर के बाहर कैमरे लेकर जमा हो जाते हैं। वह मुझे पूछते हैं कि पहले आपके घर में ईडी आई थी और अब सीबीआई आई है। आपने यह गौरव कैसे हासिल किया। इधर आपके मोहल्ले में कुछ कर्मचारी भी रहते हैं। कुछ कामगार भी रहते हैं। कुछ रिक्शा चालक भी रहते हैं। उनके घर को ईडी और सीबीआई ने गौरवान्वित क्यों नहीं किया? उनके साथ इतना भेदभाव क्यों हुआ। क्या ऐसे लोगों ने बेकार में धरती में जन्म लिया है? कैमरे की लाइटें मेरे चेहरे पर चमकने लगती हैं। कुछ चैनल वाले तो लाइव प्रसारण पर आ जाते हैं। मैं ऑनलाइन पब्लिक को दिखने लगता हूं। मेरे रिश्तेदार, मेरे दोस्त मुझे इस तरह चैनलों की भीड़ के बीच में घिरा देखकर अपने यारों दोस्तों को फोन लगाते हैं कि देखो, 'बंदे की जबरदस्त चर्चा हो रही है। इसके घर में ईडी भी आई है और सीबीआई भी आई है। अब यह बंदा छोटे से घर में नहीं रहेगा। इसे ऐसे बड़े घर में लेकर जाया जाएगा, जहां नेता भी रहते हैं, अभिनेता भी रहते हैं। चोर भी रहते हैं, उचक्के भी रहते हैं। बाहुबली भी रहते हैं और सस्पेंड हुए अफसर भी रहते हैं। यानी बड़ा टाइप घर कई बड़ी हस्तियों का संगम स्थल है और यहां जो किस्मत वाले आते हैं, उनकी बाकायदा अखबारों में फोटो छपती है। जिसने यहां की डुबकी लगा ली और चंद रोज यहां बिता दिए, पब्लिक की नजर में हीरो हो जाते हैं। उनके आगे बड़े-बड़े देशभक्त जीरो हो जाते हैं।' हमारी बातचीत सुन रहे साथ के टेबल में बैठे एक पत्नी पीड़िता सज्जन ने बातचीत में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि, 'चर्चा में रहने के लिए घर में ईडी और सीबीआई का आना ही जरूरी नहीं है, बल्कि आज कोई न कोई बाबा बनकर भी चर्चा में रहा जा सकता है। और बाबा बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपकी धार्मिक प्रवृत्ति रही हो। आप यौन उत्पीडन और बलात्कार के केस झेलते हुए जेल में रहने के बाद सबूत के अभाव में बरी होकर फिर से नौकरी ज्वाइन करके, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर सूट बूट और चश्मा लगाकर प्रवचन देते हुए भी हजारों लोगों को अपने पीछे लगा सकते हैं। फिर प्रवचन करते हुए कायदे कानून की धज्जियां उड़ाते हुए भगदड़ में सैंकड़ों लोगों की जान लेकर भी चर्चा में रह सकते हैं। आप पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए फरार होकर भी चर्चा में रह सकते हैं। जिंदा हो तो जिंदा नजर आना जरूरी है। और अगर जिंदा हो तो चर्चा में रहना भी जरूरी है।

देश दुनिया से

साहित्याकाश के ध्रुवतारा गुलेरी जी

उन्नीसवीं शताब्दी में भारतेंदु जी ने गद्य की भाषा के रूप में खड़ी बोली का प्रयोग करके हिंदी साहित्य को नई दिशा दी। यह समय लेखकों और पाठकों दोनों का था। हिंदी साहित्य का सर्वसाधारण जनता तक पहुंचना और उनके अनुरूप उतरना अनिवार्य समझा गया। उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध से बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक चरण में युगांतरकारी परिवर्तन, अव्यवस्था और निरंकुशता के काल में संस्कृत-हिंदी के विद्वान और अद्भुत शैलीकार, कहानीकार पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी का उदय हुआ। बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक साहित्योत्थान में पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी का नाम प्रथम पंक्ति के साहित्यसेवियों में लिया जाता है। गुलेरी जी उन हिंदी प्रेमियों में से हैं जिन्होंने स्वभाषा की संगठनात्मक, प्रचारात्मक और रचनात्मक दृष्टि से भरपूर सेवा की। गुलेरी जी के तात्कालिक देश-विदेश के साहित्यकारों और पुरातत्ववेत्ताओं के संबंधों और उनकी गुलेरी जी की विद्वता के प्रति श्रद्धाभावना को गंभीरता से अध्ययन करने पर उस युगपुरुष के साहित्यिक व्यक्तित्व की विशालता का अनुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने अपने अल्पल्प जीवनकाल में ही देश-विदेश के विद्वानों द्वारा असाधारण ख्याति प्राप्त करके अपने अद्भुत व्यक्तित्व की विशालता का अभूतपूर्व परिचय दिया। हिंदी और संस्कृत के तो वह महान प्रचारक और दृढ़वर्ती सेवक थे ही, साथ ही हिंदी साहित्य की कोई भी ऐसी विधा नहीं बची जिस पर गुलेरी जी ने कलम न चलाई हो। कविता, कहानी, समालोचना, निबंध और अनुसंधान, कौनसा पक्ष है, जो उनसे अछूता रहा हो। हिंदी पत्रकारिता के इतिहास में गुलेरी जी 'समालोचक' के माध्यम से अपनी अनूठी मुहावरेदार भाषा और हास्य-व्यंग्यपूर्ण शैली के साथ प्रकट हुए, जिसमें भाषाओं का पंचामृत-गान किया जा सकता है। आध्यात्मिक रूप से इतने ऊंचे उठ चुके थे कि उन्हें सांसारिक यश और मान-सम्मान की लिप्सा-मात्र तक न थी। गुलेरी साहित्य में तन और मन से डूबकर जब हम उतरते हैं तो उन्हें एक बेदाग व्यक्ति, प्रतिभा सम्पन्न साहित्यिक और सर्वप्रिय सामाजिक प्राणी पाते हैं-गंगा जल की तरह निर्मल, पवित्र और पूज्य। उनकी विद्वता ने उन्हें जीवन के प्रति शुष्क और नीरस नहीं बनाया, बल्कि बाल-कवि की तरह तीव्र अनुभूति प्रदान करने वाला बनाया। वे भिन्न-भिन्न विषयों के अनुशीलन में डूब गए, किंतु तथ्यों पर आधारित मोती लेकर ऊपर आए, यही उनके व्यक्तित्व की महानता है।

उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध से बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक चरण में युगांतरकारी परिवर्तन, अव्यवस्था और निरंकुशता के काल में संस्कृत-हिंदी के विद्वान और अद्भुत शैलीकार, कहानीकार पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी का उदय हुआ। बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक साहित्योत्थान में पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी का नाम प्रथम पंक्ति के साहित्यसेवियों में लिया जाता है। गुलेरी जी उन हिंदी प्रेमियों में से हैं जिन्होंने स्वभाषा की संगठनात्मक, प्रचारात्मक और रचनात्मक दृष्टि से भरपूर सेवा की। गुलेरी जी के तात्कालिक देश-विदेश के साहित्यकारों और पुरातत्ववेत्ताओं के संबंधों और उनकी गुलेरी जी की विद्वता के प्रति श्रद्धाभावना को गंभीरता से अध्ययन करने पर उस युगपुरुष के साहित्यिक व्यक्तित्व की विशालता का अनुमान लगाया जा सकता है।

हिंदी के अनन्य आराधक और मौलिक प्रतिभा के धनी अमर कहानीकार पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी जी का जन्म 25 आषाढ़ संवत 1940 (तदनुसार 7 जुलाई, सन् 1883 ईस्वी) को पं. शिवराम शास्त्री व श्रीमती लक्ष्मी के घर हुआ। गुलेरी जी के पूर्वज मूलतः गुलेर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश से थे। इनके पिता पं. शिवराम शास्त्री आजीविका से बंधे जयपुर चले गए। गुलेरी जी का संस्कृत, पाली, प्राकृत, हिंदी, बंगला, अंग्रेजी, लैटिन और फ्रेंच आदि भाषाओं पर अच्छा खासा समान अधिकार था। अभी गुलेरी जी दस वर्ष के ही थे कि इन्होंने एक बार संस्कृत में भाषण देकर भारत धर्म महामंडल के विद्वानों को आश्चर्यचकित कर दिया था। इन्होंने सभी परीक्षाएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थीं। बी. ए. की परीक्षा में सर्वप्रथम रहे। सन् 1904 में गुलेरी जी मेयो कालेज अजमेर में अध्यापक लगे। अध्यापक के रूप में उनका बड़ा मान-सम्मान था। अपने शिष्यों में वे बहुत लोकप्रिय थे। वे अनुशासन के नियमों का भी सख्ती से अनुपालन करते थे। उनकी असाधारण योग्यता से प्रभावित होकर मदन मोहन मालवीय ने उन्हें बनारस बुला भेजा और हिंदी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर लगाया। निबंधकार के रूप में भी गुलेरी जी बड़े प्रसिद्ध रहे हैं। इनके निबंधों की संख्या सौ से अधिक है। सन् 1903 में जयपुर से जैन वैद्य के माध्यम से समालोचक पत्र प्रकाशित होना शुरू हुआ था। इसी पत्र में वे संपादक रहे। इन्होंने पूरे मनोयोग से समालोचक में अपने निबंध और टिप्पणियां देकर उसे जीवंत बनाए रखा। इनके निबंधों के अधिकतर विषय इतिहास, दर्शन, धर्म, मनोविज्ञान और पुरातत्व संबंधी हैं। शैशुनाक की मूर्तियां, देवकुल, पुरानी हिंदी, संगीत, कछुआ धर्म, आंख, मारेसि मोहिं कुठाऊं और सोडहम, जैसे निबंधों पर उनकी विद्वता की अमिट छाप मौजूद है। एक बहुमुखी प्रतिभा संपन्न सरस्वती पुत्र चंद्रधर शर्मा गुलेरी का 39 वर्ष की अल्पायु में 12 सितंबर, 1922 को काशी में निधन हो गया। अपने गांव गुलेर के प्रति गुलेरी जी का गहन आकर्षण था। गुलेरी जी के पिता जी ने इनका विवाह हरिपुर निवासी 'कवि रैणा' की पुत्री पद्मावती से लगभग बीस-बाईस वर्ष की अवस्था में कर दिया। इस आशंका से कि उनके उत्तराधिकारी ग्राम मोह छोड़कर मारवाड़ी न बन जाएं, गुलेरी जी के पिता शिवराम जी महाराज ने जयपुर राज्य द्वारा प्रदत्त जागीर को भी अस्वीकार कर दिया था। गुलेरी जी पिता के देहावसान के पश्चात हर वर्ष छुट्टियां बिताने गुलेर आया करते थे।

आप का नजरिया

पत्थरों से मिट्टी हलाल

सियासी बिछौने पर सलवटें हजारों, फिर भी घाट पर चादरें लड़ रहीं। राजनीति कितनी कुत्सित हो सकती है, इसका अंदाजा लगाने के लिए नेताओं के संबोधन अब अपनी भाषा की पैरवी करते मिलेंगे। लगभग सोए हुए वक्त पर लाठियां चला कर, कोई है जो देश को जगाने के शोर में खुद है। बहस राष्ट्रीय स्तर पर मोदी बनाम राहुल हो गई तो लोकसभा-विधानसभाओं के कान खुल गए। वक्त पे भरोसा नहीं भविष्य को पोता जा रहा है। दिल्ली के बयान, हिमाचल में उपचुनाव के इम्तिहान में आ कर भिन्न नहीं होते। यहां भी आमना-सामना है और शिकस्त की चाबुक में जुबां लंबी है। पूरे उपचुनाव गुजर गए मगर जनता के बूढ़े होते अरमान कहीं रुक गए, क्योंकि उन्हें तो लडन्ना है सत्ता की दीवारों पर, बस इक यही पैगाम पढन्ना है कि तू दरकिनार होगा तो हम आएंगे। खैर प्रदेश की मिट्टी में तो फसाद न था, उनके पत्थरों ने हलाल कर दिया। उपचुनाव के चरम में राजनीति पर शुरू हुई बहस मौके पे चौका नहीं, बल्कि हम भांप सकते हैं कि ये गलियां यूं ही बदनाम न हुईं। हमीरपुर उपचुनाव ने हमीरपुर की अस्मिता को उपचुनाव बना दिया, तो वक्त के पैमानों ने पूछा पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के साथ ऐसा सुलूक क्यों किया। वैसे यहां आज धूमल का नाम चस्पां है, कल किसी और का था और कल किसी और का होगा, लेकिन मुख्यमंत्री स्वयं एक बड़ा सवाल उठा रहे हैं। प्रदेश की राजनीति अगर इस सवाल पर केंद्रित हो जाए तो हिमाचल से क्षेत्रवाद की सारी सरहदें मिट जाएं, लेकिन कहने को गालिब यह ख्याल अच्छा है, मगर करने को यह कोई वादा नहीं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने कहा है कि 2017 में धूमल की हार में हमीरपुर हार गया और तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इस क्षेत्र को सजा दे दी। यानी साजिशों की गोलबंदी में तब भी कोई किरदार था जो आज बहरूपिया बन कर फिर से मुख्यमंत्री पद पर वार है। मुख्यमंत्री के तर्क और निष्कर्ष में हमीरपुर पीड़ित व शोषित नजर आता है, लेकिन ऐसा क्यों है कि अब मुख्यमंत्री का पद एक जिले तक सीमित होने लगा या मंत्री का पद एक विधानसभा क्षेत्र हो गया। ऐसे में विधायक और खासतौर विपक्ष के विधायकों की उपेक्षा के लिए तो मतदाता ही दोषी हुआ। बेशक संवेदना और उम्मीदों की पालकी में चुनाव परिणाम आते हैं, लेकिन हर मत की ख्वाहिश में लोकतंत्र जिंदा होना चाहिए। परिस्थितियां उस वक्त जरूर बदली थीं जब मुख्यमंत्री का पद सुजानपुर में हार गया था, लेकिन प्रेम कुमार धूमल को हम केवल हमीरपुर जिला के सियासी नुकसान में मूल्यांकित नहीं कर सकते और यह भी एक सत्य है कि बतौर मुख्यमंत्री हारे तो वीरभद्र सिंह और शांता कुमार भी, लेकिन न कारवां शिमला का रुका और न ही कांगड़ा कहीं थमा। ऐसे में हम तो यह नहीं कहेंगे कि नादौन के विधायक होने के नाते मुख्यमंत्री केवल हमीरपुर के हो गए, बल्कि उन्होंने खुद को कांगड़ा से जोड़ कर यह साबित करने की कोशिश की, फिर भी हिमाचल में राजनीतिक सोच, सरकार की कार्रवाई, मंत्रियों की भूमिका और प्रशासन की मुंह दिखाई, अपने आप में क्षेत्रवाद सी लगती है। विकास कल राजनीतिक नस्ल था, अब हिमाचल को आगे बढन्ने, स्वावलंबन, आत्मनिर्भर तथा रोजगार देने की रूपरेखा चाहिए।

राजीव चंद्रशेखर यूके में आयोजित फ्यूचर ऑफ ब्रिटेन कॉन्फ्रेंस को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली,08 जून (एजेंसियां)। भारत की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लोकतंत्रीकरण पर ग्लोबल चर्चा शुरू की गई है। इसके तहत पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर अगले सप्ताह फ्यूचर ऑफ ब्रिटेन कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने वाले हैं।भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर 9 जुलाई को लंदन में टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल चेंज की ओर से आयोजित गवर्निंग इन द एज ऑफ एआई : री-इमेजिन्ड स्टेट की मेजबानी करेंगे। इस सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और आगे की रणनीति तैयार करने को लेकर बातचीत की जाएगी। लंदन के इंस्टीट्यूट में आयोजित होने वाले सेमिनार में राजीव चंद्रशेखर को देश की डिजिटल पहल जैसे इंडिया डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई), इंडिया-एआई मिशन के निर्माण में भारत के अनुभव और रणनीति के अलावा डिजिटल आईडी, डीपीआई और टेक के माध्यम से सरकार व शासन में बदलाव के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जा सकता है, को शेयर करने के लिए आमंत्रित किया गया है। राजीव चंद्रशेखर इस बात को भी उजगार करेंगे कि अन्य देश भारत के अनुभव से कैसे सीख सकते हैं और डिजिटल क्षेत्र में भारत की सफलता को कैसे दोहरा सकते हैं। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की ओर से स्थापित टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल चेंज, सरकारों और नेताओं को रणनीति, नीति और डिलीवरी पर सलाह देता है, जिससे तीनों में प्रौद्योगिकी की शक्ति का पता चलता है।

सम्मेलन में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी और उसे तैयार किया जाएगा। भविष्य का एजेंडा पेश किया जाएगा और 21वीं सदी की पुनर्कल्पना के लिए ठोस योजना बनाई जाएगी। पिछले सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल इंडिया-एआई मिशन शिखर सम्मेलन में ग्लोबल दक्षिण देशों ने विश्व एआई मंच पर उन्हें आवाज देने में भारत की भूमिका को स्वीकार किया और उसकी सराहना की थी। आपको अपने अगले ट्रेड में कौन सा स्टॉक खरीदना चाहिए एआई कंप्यूटिंग शक्तियां शेयर बाजार को बदल रही हैं। हमारे उन्नत एआई द्वारा चुने गए 6 विजेता स्टॉक पोर्टफोलियो हैं।

न्यूज ब्रीफ

एलआईसी ने आरआईएल, टाटा और अदाणी ग्रुप व अन्य कंपनियों में घटाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली । सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2024 में सभी प्रमुख समूहों में अपनी हिस्सेदारी घटाकर शेयर बाजार में तेजी का भरपूर फायदा उठाया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक हिस्सेदारी कम करने के बावजूद सभी समूहों में इसकी बची हुई हिस्सेदारी का मूल्य काफी हद तक बढ़ गया है। इस साल मार्च तक के शेयरहोल्डिंग डेटा के मुताबिक मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली कंपनियों में एलआईसी का निवेश सबसे ज्यादा है, इसके बाद टाटा और अदाणी ग्रुप की कंपनियां का नंबर आता हैं। पिछले सप्ताह बाजार बंद होने तक शीर्ष समूहों में एलआईसी का निवेश 37.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4.39 लाख करोड़ रुपये है। मुकेश अंबानी ग्रुप की कंपनियों में एलआईसी के निवेश का मूल्य सबसे ज्यादा 1.5 लाख करोड़ रुपये था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34.2 प्रतिशत अधिक है। एलआईसी ने रिलायंस ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी 6.37 प्रतिशत से घटाकर 6.19 प्रतिशत कर दी। एलआईसी ने इस साल मार्च तक टाटा समूह की कंपनियों में भी अपनी हिस्सेदारी घटाकर 4.05 प्रतिशत कर दी, लेकिन इसका मूल्य बढ़कर 1.29 लाख करोड़ रुपये हो गया। जून तिमाही का शेयरहोल्डिंग डेटा अभी उपलब्ध नहीं है। एलआईसी ने अदाणी ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी 4.27 प्रतिशत से घटाकर 3.76 प्रतिशत कर दी है। इसकी हिस्सेदारी का मूल्य 49.2 प्रतिशत बढ़कर 64,414 करोड़ रुपये हो गया। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि शेयर बाजारों में तेजी के साथ सरकार को एलआईसी में अपनी 96.5 प्रतिशत हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचने पर विचार करना चाहिए ताकि प्राप्त राशि का उपयोग विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने में किया जा सके।

सीएमएफ फोन 1 अगले महीने होगा लॉन्च, लॉन्च से पहले लीक हुई कीमत

नई दिल्ली । स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली कंपनी नथिंग का सब ब्रांड सीएमएफ जल्द ही अपना पहला स्मार्टफोन लॉन्च करने वाला है। हैंडसेट सीएमएफ फोन 1 अगले महीने की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है। इसकी जानकारी माइक्रोसाइट फलीपकार्ट पर लाइव हो चुकी है। कंपनी की माइक्रोसाइट से साफ है कि ये स्मार्टफोन सुपर अमोलेड डिस्प्ले के साथ आएगा। इसके अलावा फोन की कुछ जानकारी लीक रिपोर्ट्स भी सामने आई है। एक टिप्स्टर ने इसकी कुछ डिटेल्स शेयर की हैं। भारत में ये फोन 8 जुलाई को लॉन्च हो रहा है। टिप्स्टर योगेश बरार के मुताबिक, सीएमएफ फोन 1 में 6.7-इंच का एस अमोलेड एलटीपीएस डिस्प्ले मिल सकता है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट के साथ आएगा। इस फोन की पीक ब्राइटनेस 2000 नीटस की होगी। इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया जा सकता है। ऑप्टिक्स की बात करें, तो फोन में 16एमपी का सेल्फी कैमरा मिल सकता है, जो सेंटर पंच होल कटआउट में फिट होगा।

सोना गिरकर 73 हजार, चांदी भी 93,250 रुपए

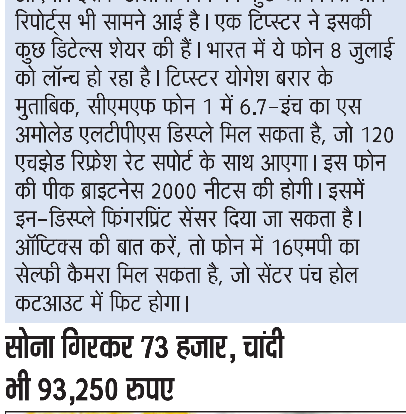

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा कारोबार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 13 रुपये की गिरावट के साथ 73,038 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 86 रुपये की गिरावट के साथ 72,965 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 259 रुपये की गिरावट के साथ 93,295 रुपये पर खुला। इस समय यह 284 रुपये की गिरावट के साथ 93,270 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सहयोग के...

भारतीय नागरिकों की जल्द से जल्द वापसी के लिए सभी प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 10 भारतीयों को पहले ही वापस लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वे रक्षा, निवेश, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों से जुड़े मामलों सहित द्विपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा करेंगे। रूस की अपनी यात्रा के बाद मोदी 9 और 10 जुलाई को ऑस्ट्रिया की यात्रा करेंगे। यह 41 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की उस देश की पहली यात्रा होगी।

ऑस्ट्रिया की अपनी यात्रा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन के साझा मूल्य वह आधार हैं, जिस पर दोनों देश एक और करीबी साझेदारी का निर्माण करेंगे। मोदी की यह टिप्पणी ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर द्वारा एक्स पर पोस्ट किए जाने के एक दिन बाद आई है, मैं अगले सप्ताह वियना में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, यह यात्रा एक विशेष सम्मान है, क्योंकि यह 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है और यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि हम भारत के साथ राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

सीबीआई जांच के...

जब जस्टिस गवई ने पूछा था कि आखिर एक निजी व्यक्ति के हितों को बचाने के लिए राज्य सरकार को क्यों याचिका दायर करनी चाहिए? इस पर पश्चिम बंगाल सरकार के वकील जयदीप गुप्ता ने कहा था कि इस मामले में सरकार पर टिप्पणी की गई थी कि उसने कार्रवाई नहीं की। अब पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी बतौर अधिवक्ता पेश हुए। उन्होंने दलील दी कि शाहजहां शेख के खिलाफ न सिर्फ यौन शोषण और जमीन हड़पने, बल्कि राशन घोटाले के तहत भी मामला दर्ज कर दिया गया है जिसमें 4 साल पहले ही 43 एफआईआर दर्ज किए गए थे। उनका कहना था कि ये मामला सिर्फ ईडी अधिकारियों पर हमले से जुड़े 2 एफआईआर का ही होना चाहिए था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी मामले संदेशखाली से ही जुड़े हुए हैं और अलग-अलग नहीं हैं। जस्टिस गवई ने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने कई दिनों तक कुछ नहीं किया। साथ ही वही सवाल दागा कि राज्य सरकार किसी को क्यों बचा रही है? शाहजहां शेख को राशन घोटाले में गिरफ्तार करने गई ईडी टीम पर हमले के बाद वह फरार हो गया था, जिसके बाद उसके कारनामों का काला चिट्ठा खुला था।

पेपर लीक हुआ...

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि एनटीए की इस गड़बड़ी से किन-किन छात्रों को फायदा पहुंचा?

यह जानने के लिए क्या कार्रवाई की?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, प्रश्नपत्र लीक हुआ है, इसे नकारना नहीं जा सकता। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रश्नपत्र लीक हुआ है। हम लीक की सीमा का पता लगा रहे हैं। हम प्रश्न पत्र लीक के लाभार्थियों की संख्या जानना चाहते हैं, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। कितने गलत कृत्य करने वालों के परिणाम रोके गए हैं, ऐसे लाभार्थियों का भौगोलिक वितरण जानना चाहते हैं। यह मानते हुए कि सरकार परीक्षा रद्द नहीं करेगी, यह जानना जरूरी है कि वह प्रश्न पत्र लीक के लाभार्थियों की पहचान करने के लिए क्या करेगी? यदि परीक्षा की शुचिता नष्ट हो जाए तो पुनः परीक्षा का आदेश देना पड़ता है। अगर हम दोषियों की पहचान करने में असमर्थ हैं तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। यदि प्रश्न पत्र लीक सोशल मीडिया के जरिए हुआ, तो दोबारा परीक्षा कराने का आदेश देना होगा। कुछ ध्यान देने वाली बातें हैं, 67 उम्मीदवार 720 में से 720 अंक प्राप्त कर रहे हैं, जबकि पिछले वर्षों में यह अनुपात बहुत कम था। यदि प्रश्नपत्र टेलीग्राम, व्हाट्सएप और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से लीक होता है, तो यह जंगल की आग की तरह फैलता है।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि लीक होने के कारण कितने छात्रों के परिणाम रोके गए। कोर्ट ने पूछा कि ये छात्र कहां हैं? भौगोलिक तौर पर ये छात्र कहां कहां हैं? क्या हम अभी भी गलत काम करने वालों का पता लगा रहे हैं और क्या हम लाभार्थियों की पहचान कर भी पाएं हैं? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि परीक्षा को दोबारा से कराना सबसे आखिरी विकल्प होना चाहिए। मामले में जो कुछ भी हुआ, उसकी जांच देश भर के विशेषज्ञों की एक बहु-अनुशासनात्मक समिति से कराई जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पढ़ाई-लिखाई की सबसे प्रतिष्ठित शाखा से निपट रहे हैं। हर मध्यम वर्ग का व्यक्ति चाहता है कि उनके बच्चे या तो चिकित्सा या इंजीनियरिंग की पढ़ाई करें। यह मानते हुए कि हम परीक्षा रद्द नहीं करने जा रहे हैं। हम ऐसे लोगों की पहचान कैसे करेंगे, जिन्हें इस धांधली का फायदा हुआ है। क्या हम काउंसलिंग होने देंगे और अब तक क्या हुआ है? सुप्रीम कोर्ट ने साइबर फोरेंसिक यूनिट को शामिल करने, एआई का उपयोग करके गलत काम करने वालों की संख्या का पता लगाने और उनके लिए फिर से परीक्षा की संभावना तलाशने के बारे में पूछा। कोर्ट ने सीबीआई को जांच की स्थिति बताते हुए रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह बताए कि प्रश्नपत्र पहली बार कब लीक हुआ। वह प्रश्नपत्र लीक होने की घटना और 5 मई को परीक्षा आयोजित होने के बीच की समय अवधि के बारे में भी बताए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 11 जुलाई की तारीख तय की।

देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा नीट-यूजी आयोजित की जाती है। पेपर लीक सहित अनियमितताओं के आरोपों के कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। इस पर जमकर राजनीति भी हुई। केंद्र और एनटीए ने 13 जून को अदालत को बताया था कि उन्होंने 1,563 अभ्यर्थियों को दिए गए कृपांक (ग्रेस मार्क) रद्द कर दिए हैं। उन्हें दोबारा परीक्षा या प्रतिपूरक अंकों को छोड़ने का विकल्प दिया गया था। एनटीए ने 23 जून को आयोजित पुन: परीक्षा के परिणाम जारी करने के बाद एक जुलाई को संशोधित रैंक सूची जारी की।

पांच मई को हुई परीक्षा में कुल 67 छात्रों ने पूरे 720 अंक प्राप्त किए। यह एनटीए के इतिहास में अभूतपूर्व था। इसमें सूची में हरियाणा केंद्र के छह छात्र शामिल हैं। इसके बाद परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर संदेह शुरू हुआ। आरोप लगाया गया कि कृपांक के चलते 67 छात्रों को शीर्ष रैंक मिली। इसके बाद एनटीए ने एक जुलाई को संशोधित परिणाम घोषित किया। इसके बाद नीट-यूजी में शीर्ष रैंक वाले अभ्यर्थियों की संख्या 67 से घटकर 61 हो गई।

सत्ताधारी सीपीएम...

को फिर से लॉन्च करने के लिए विस्तृत व्यवस्था की जा रही है। हमने कोट्टयम स्थित कंपनी के साथ समान लाभ-साझाकरण के आधार पर एक समझौता किया है। हम प्लांट की क्षमता के 100 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ाने की भी सोच रहे हैं।

मालाबार मीट अपने मौजूदा फ्रोजन बीफ, मटन और चिकन आइटम में और उत्पाद जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा आउटलेट्स को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित ताजा मांस उपलब्ध कराने के लिए सुल्तान बाथरी और कलपेट्टा नगरपालिकाओं सहित स्थानीय प्रशासनिक निकायों द्वारा बातचीत शुरू की गई है। सुनील कुमार ने कहा, अछूते बाजार स्थान का दोहन करने के लिए ताजा मांस और ठंडा मांस आपूर्ति श्रृंखला भी बनाई जाएगी।

बीडीएस में 500 से ज़्यादा शुरुआती निवेशक हैं, जिनमें से अधिकांश पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक हैं। इन्होंने केरल चिकन और वायनाड कॉफी सहित विभिन्न बीडीएस उपक्रमों में पैसा लगाया है। उन्होंने कृषि क्षेत्र सहित विभिन्न परियोजनाओं में 70 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया था। हालांकि, कोविड के कारण बीडीएस का कर्ज बढ़कर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। इस दौरान मालाबार मीट को 46 करोड़ रुपए और केरल चिकन प्रोजेक्ट को 26 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। दावा यह भी किया जाता है कि सीपीएम के नेताओं के आपसी मतभेद के कारण इस ड्रीम प्रोजेक्ट को बंद करना पड़ा। पूर्व चेयरमैन पी. कृष्ण प्रसाद, जिन्हें पिनाराई विजयन के विरोधी गुट का माना जाता है, को कर्ज बढ़ने के कारण चेयरमैन पद से हटना पड़ा था।

निवेश के साथ ही इस संयंत्र के पूर्व कर्मचारियों को बहाली की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मीट प्रोसेसिंग यूनिट के 70 से ज़्यादा कर्मचारियों में से 26 को बहाल किया जाएगा। बाकी कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से भर्ती किया जाएगा। पिछले महीने बंद हुई वायनाड कॉफ़ी प्रोजेक्ट भी कनियम्पट्टा स्थित एक सहकारी संस्था से निवेश के बाद सुधार के दौर में है। वायनाड स्थित ब्रह्मगिरी डेवलपमेंट सोसाइटी (बीडीएस) देश में सबसे बड़े बहु-प्रजाति बूचड़खाने का मालिक है। कोरोना से पहले इस संयंत्र की प्रतिदिन की क्षमता 45 टन थी। जबकि सालना टर्नओवर 7.5 करोड़ रुपए थी। मालाबार मीट ब्रांड के कई फ्रेंचाइजी भी बांटे गए थे। इसके साथ ही राज्य सरकार की ओर से किसानों को भैंस के बछड़े पालने के लिए दिए गए थे, ताकि भैंसों की कमी न हो।

हालांकि, केंद्र सरकार द्वारा पशुओं के वध से संबंधित नियम बना दिए गए। इसके बाद बीडीएस ने इसमें अवसर खोजा और साल 2017 में बीडीएस ने अगले पांच साल के भीतर यानी साल 2022 तक राज्य के 6,500 करोड़ रुपए के बीफ बाजार में कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य रखा था। हालांकि, कोरोना के कारण यह फेल हो गया।

आतंकी...

हाल के दिनों में कश्मीर में लगातार मुंह की खाने के बाद आतंकियों ने जम्मू संभाग के जिलों में आतंकियों हमलों के अंजाम देने की कोशिशें की हैं। बीते दिनों जिला कठुआ के हीरानगर के गांव सैडा सोहल में आतंकियों ने एक घर को निशाना बनाया था।

इस दौरान एक नागरिक घायल हुआ था और सीआरपीएफ जवान बलिदान हुआ था। हालांकि सुरक्षाबलों ने यहां दो आतंकी मार गिराए थे। ये दोनों आतंकी पाकिस्तानी पाए गए थे। रियासी में एक महीना पहले आतंकियों ने एक बस पर निशाना साधा था। इसमें 9 लोगों की मौत हुई थी और करीब पचास लोग घायल हुए थे। यहां आतंकी हमले को अंजाम देकर भाग निकले थे।

अधिकारियों ने बताया कि कठुआ के कंडी क्षेत्र लोहाई मल्हार में जैंडा नाला के पास मच्छेड़ी में आतंकियों ने सैन्य वाहन को निशाना बनाया गया था। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबलों की अन्य टीमें भी मुठभेड़ स्थल के लिए रवाना हो गई थी। इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। आसपास के संपर्क मार्गों को भी अलर्ट कर दिया गया है। पिछले कुछ दिनों से इस इलाके में आतंकी देखे जाने की सूचनाओं के उपरांत तलाशी अभियान चल रहा था। बिलावर कस्बे में भी और सुकराला देवी तीर्थ स्थान के आसपास भी आतंकी देखे गए थे। एक अधिकारी के बकौल, बिलावर की मस्जिद में कुछ अज्ञात लोगों को रात के वक्त नमाज अता करते थे देखा गया था। जानकारी के लिए इंटरनेशनल बार्डर से इस ओर आने वाले आतंकी इसी रास्ते से भद्रवाह और डोडा से होते हुए कश्मीर जाते रहे हैं।

आतंकियों ने...

मारे गए आतंकियों की शिनाख्त यावर बशीर निवासी कैमोह, जाहिद अहमद डार निवासी यारीपोरा, तौहीद अहमद राथर निवासी, शकील अहमद वानी निवासी कुलगाम के रूप में हुई है। अन्य दो आतंकियों की भी पहचान की जा रही है। डीजीपी आरआर स्वैन ने कहा कि एक जगह मुठभेड़ खत्म हो चुकी है। पूरे इलाके की घेराबंदी की गई है। तलाशी अभियान जारी है। मुठभेड़ स्थल से चार आतंकियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मुदरघम में हुई मुठभेड़ में पैरा कमांडो लांस नायक प्रदीप नैन और चिन्नीगाम में राष्ट्रीय राइफल्स के सिपाही प्रवीण प्रभाकर शहीद हो गए।

मुठभेड़ के बाद आतंकियों के अड्डे पर बने बंकरों का पता चला। आलमारी के ड्रॉअर के भीतर बंकर बनाकर उसमें आतंकी छिपे हुए थे। आतंकियों ने आलमारी के भीतर जहां सामान रखने के स्लैब बनाए जाते हैं उसके अंदर घुसकर बंकर बना रखे थे, ताकि सुरक्षाबल इन बंकरों के बारे में सोच ही न पाएं। लेकिन वे बच नहीं पाए। आलमारी के भीतर बने छोटे-छोटे बंकरों का खुलासा दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में हुई मुठभेड़ों के दौरान ही हुआ। भारतीय जवान बहादुरी से उस घर में घुसे जहां आतंकी थे, छानबीन के दौरान पुलिस ने पाया कि घर की आलमारी में एक तहखाना बनाया गया था। पुलिस ने एक शख्स को उस बंकर के भीतर घुसवाकर पूरे बंकर की वीडियो बनवाई। माना जा रहा है कि इन बंकरों का प्रयोग आतंकी अपने छिपने के साथ-साथ हथियार और गोला बारूद छिपाने के लिए करते थे। इसमें सुरक्षाबल ने द रेजिस्टेंट फ्रंट के कमांडर सहित दो और आतंकियों को मार गिराया। टीआरएफ कमांडर आदिल हुसैन वही आतंकी था जिसने साल 2022 में शोपियां में सेब के बाग में कश्मीरी हिंदू सुनील कुमार की टारगेट किलिंग की थी। इसके अलावा भी उसने दर्जनों घटनाओं को अंजाम दिया था। कुलगाम में हुई 2 मुठभेड़ों में अब तक 6 आतंकी मारे गए हैं। वहीं हमारे 2 जवान भी शहीद हुए हैं।

अयोध्या समाधान का...

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक सभा सदस्य लवली आनंद ने की और इसका आयोजन श्री चंद्रशेखर के अनुयायी एवं पूर्व सांसद आनंद मोहन ने किया। श्री मोहन को इस आयोजन के लिए भेजे गए संदेश में बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने कहा, चंद्रशेखरजी अपनी सरलता, ईमानदारी, दृढ़ निश्चय और साहस के लिए जाने जाते थे। श्री चंद्रशेखर 40 साल से अधिक समय तक सांसद रहे। वह कांग्रेस में समाजवादी गुट के तेज तर्रार नेता थे और आपातकाल में उन्हें एकाकी जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने 10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991 के बीच भारत के आठवें प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया।

सांसद श्रीमती आनंद ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेयर युवाओं के आदर्श थे। उनका राजनीतिक जीवन भावी पीढ़ियों लिए प्रेरणा स्रोत है। यह कार्यक्रम उनके आदर्शों और सिद्धांतों को आगे बढ़ने के निश्चय के साथ आयोजित किया गया है। श्री हरिवंश ने कहा श्री चंद्रशेखर ने एक सबसे नाजुक दौर में सरकार संभाली थी और देश को दिवालियापन (विदेशी भुगतान संकट) से बचाया तथा देश आज वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बन रहा है। उन्होंने कहा, श्री चंद्रशेखर अपने 65 वर्ष के राजनीतिक जीवन में सात माह ही सत्ता में रहे । उन्होंने किसी दल को नहीं छोड़ा, दलों ने उनको छोड़ा। उन्होंने अपने कार्यकाल में तमिलनाडु में आतंकवाद और पूर्वोत्तर की समस्या के समाधान के लिए भी कारगर कदम उठाए थे।

राज्य सभा के उपसभापित ने कहा कि श्री चंद्रशेखर ने कांग्रेस में रहते हुए भी, सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के चलते राष्ट्रपति पद के लिए कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी का विरोध करते हुए कहा था कि उनको वोट देने के बजाय, अपना वोट अरब सागर में फेंक दूंगा। प्रसिद्ध पत्रकार एवं विचारक राम बहादुर राय ने कहा कि चन्द्रशेखर जब प्रधानमंत्री बनने वाले थे तो देश आरक्षण की आग से सुलग रहा था।

उन्होंने अयोध्या मसले के समाधान का प्रयास किया और बात आगे बढ़ी तो कांग्रेस नेता राजीव गांधी ने एक पुलिसकर्मी के जासूसी करने की बात लोकसभा में कह दी। बाद में श्री गांधी के गलती मानने के बाबजूद श्री चंद्रशेखर ने पद से इस्तीफा दे दिया था। बिहार के पूर्व मंत्री अख्लाक अहमद कहा कि चंद्रशेखर ऐसे राजनेता थे जिनके समर्थक सभी राजनीतिक दल में थे। बिहार के पूर्व मंत्री जय कुमार सिंह ने श्री चंद्रशेखर के विचारों को देश भर में फैलाने की जरूरत पर बल दिया।

उन्होंने इस आयोजन के लिये पूर्व सांसद आनंद मोहन और सांसद लवली आनंद की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के अनुयायी सादाता अनवर ने किया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 09 जुलाई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

वाईएस राजशेखर रेड्डी चाहते थे कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनें : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी की 75वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दिवंगत नेता चाहते थे कि राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनें। रेवंत ने कहा कि हम सभी को राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लेना चाहिए। वह राजशेखर रेड्डी की जयंती के अवसर पर गांधी भवन में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की छह गारंटियों के पीछे पूर्व मुख्यमंत्री राजशेखर की ही प्रेरणा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पूर्व मुख्यमंत्री का शासन देश में कल्याण का प्रतीक है और उनकी विरासत गरीबों के दिलों में गहराई से अंकित है।

उन्होंने कहा कि वाईएसआर का उद्देश्य कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है।

उन्होंने कहा कि श्री गांधी की पदयात्रा की प्रेरणा वाईएसआर की थी, जिसने तेलंगाना में कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। श्री रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोक सभा में विपक्ष के नेता के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रधानमंत्री बनने से एक कदम दूर हैं, जिसे वे ऐतिहासिक आवश्यकता मानते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाईएसआर के असली उत्तराधिकारी वे हैं जो राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग श्री गांधी के नेतृत्व के खिलाफ जाते हैं, वे वाईएसआर के खिलाफ हैं।

इस अवसर पर श्री रेड्डी ने वाईएसआर की एक फोटो प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री श्रीधर बाबू, एआईसीसी प्रभारी दीपा दास मुंशी, पूर्व राज्यसभा सांसद केवीपी रामचंद्र राव, विधायक, एमएलसी और पार्टी के नेता मौजूद थे। इससे पहले रेवंत रेड्डी, उप मुख्यमंत्री एम बी विक्रमार्क और अन्य पार्टी नेत-ाओं ने यहां पंजागुट्टा में राजशेखर रेड्डी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

साहित्य सेवा समिति की 113वीं गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद 7 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्यिक संस्था साहित्य सेवा समिति की 113वीं गोष्ठी सोमवार को आनलाईन सम्पन्न हुई। गोष्ठी को तकनीकी सहयोग उमेश यादव जी दिया।

सभा की अध्यक्षता का निर्वाहन भारत स्काऊट एंडगाइड से जुड़े तेलुगु और हिन्दी के कवि जी. परमेश्वर ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अर्चना पांडेय ने सरस्वती वंदना से किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में वाट्स एप का हिन्दी साहित्य को योगदान विषय पर चर्चा हुई।विषय का परिचय सेवानिवृत्त शिक्षिका पूजा महेश ने दिया। अध्यक्षता कर रहे जी. परमेश्वर जी ने बताया कि वाट्स एप के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। लोगों की रचनाएँ सुरक्षित नहीं रहतीं, एकाधिकार नहीं रह पाता और सर्वाधिकार भी सुरक्षित नहीं रह पाते। चंद्र प्रकाश दायमा ने वाट्स एप के अन्य दुष्प्रभावों पर चर्चा की कि किस प्रकार अनावश्यक पोस्ट इत्यादि लोग यहाँ से वहाँ भेजते रहते हैं।अंत में समिति की महामंत्री सुनीता लुल्ला ने वाट्स एप के साहित्य को योगदान के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि आज वाट्स एप के द्वारा ही कविताएँ प्रचारित और प्रसारित की जाती हैं। उनका संकलन किया जाता है। द्वितीय सत्र का संचालन पूजा महेश ने किया और मंच पर उपस्थित सभी कवियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया।

ईसीआईएल की भारतीय ज्ञान प्रणाली राष्ट्रीय सेमिनार में सहभागिता

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बाम्बे में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के प्रबंधक एवं प्रभारी, कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास डॉ. राजनारायण अवस्थी को मानव संसाधन प्रशिक्षण एवं शाश्वत विकास में मानव-मूल्यों का समावेश विषय पर शोधपत्र प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मानव संसाधन प्रशिक्षण के विभिन्न पक्षों में भारतीय ज्ञान प्रणाली के प्रभाव पर शोधपत्र प्रस्तुति के माध्यम से प्रकाश डाला। इस प्रस्तुति में प्रशिक्षण की प्रत्यक्ष पद्धति, अप्रत्यक्ष पद्धति, प्रयोग पद्धति, साहचर्य पद्धति तथा व्यवहार मनोविज्ञान को सविस्तार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में ईसीआईएल के कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र में चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। सेमिनार का समानांतर सत्रों में ईसीआईएल के विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूल से प्रतिभागियों को परिचित कराया गया। आईआईटी, बाम्बे तथा आईआईएम, अहमदाबाद सहित राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थानों ने प्रस्तुति की प्रशंसा की। इस सेमिनार में राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणाली कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास के क्षेत्र में दो सौ से अधिक विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 130वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा सिद्धार्थ गणेश समिति बेगम बाजार के सहयोग से 130वां निःशुल्क मेडिकल कैम्प बेगम बाजार दीपा नरसिंग अस्पताल के सामने स्थित एलएमजी स्मार्ट किड्स हाई स्कूल में आयोजित किया गया।

यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर श्री भगवान महावीर विकलांग समिति हैदराद, मेडिकवर अस्पताल बेगमपेट, एलसीएस डंडू आई इंस्टीट्यूट वेस्ट मारेडपल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया। जिसमें मेडिकवर अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. सी.एल.एन प्रसाद ने दी। साथ ही ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की गई

जिसमें सहायक कर्मचारी, टीम लीडर नरेन्द्र, नर्सिंग स्टाफ अखिला, संगीता, रिजवानुल हक ने प्रदान की। शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच के पश्चात 163 लोगों को चश्मा वितरण किया गया और 31 लोगों को निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। जिसमें मैनेजर के.श्रीनिवासुलू, डी. वेंकटेश्वर राव, तकनीशियन हसन अली खान ने सेवा प्रदान की। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की गई।

अवसर पर आर्थोपेडिक की सेवा डॉ. प्रशांत और कार्डियोलॉजी आर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी, गायनेकोलॉजी की सेवा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. राधिका द्वारा दी गई। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद के द्वारा 1 दिव्यांग को सेवा प्रदान की गई। शिविर में 331 रोगियों ने लाभ लिया।

शिविर को सफल बनाने में शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, अजीत गुप्ता, निखिल रानासारिया, उर्मिला अग्रवाल, एलएमजी के स्मार्ट किड्स हाई स्कूल करेस्पांडेंट सुनील व्यास, स्थानीय भागीदार सिद्धार्थ गणेश समिति के राजेंद्र जाधव, रोहित भगत, गोपाल दास रामावत, परमेश यादव, स्वयंसेवक बबीता गर्ग, रितु गर्ग, अजय तुलस्यान, राधेश्याम बियानी, मनोज सिंह, समाजसेवी शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, शरद यादव, हरि बंसल, नवल बंसल, पित्ती ,लेमिनेशन के सदस्य ने अपना सहयोग प्रदान किया।

नारनौल अग्रवाल समिति का छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति आवेदन पत्र विमोचित

समिति की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नारनौल अग्रवाल समिति हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में मिट्टी का शेर, चार कमान में श्रीनाथ जी की हवेली हॉल में कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुई।

पंकज कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन महामंत्री रविंदर अग्रवाल ने किया।

बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के प्रस्ताव पर नारनौल अग्रवाल समिति की ओर से दूसरी बार नारनौल अग्रवाल समिति के छात्र-छात्राओं के लिए छात्र वृत्ति देने का निर्णय लिया गया। यह छात्रवृत्ति केवल नारनौल अग्रवाल के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के लिए रहेगी।

छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु छात्र-छात्राएं नारनौल अग्रवाल समिति के कार्यकारिणी सदस्यों से संपर्क कर आवेदन पत्र (फॉर्म) प्राप्त कर उसे नारनौल अग्रवाल समिति के राजेश अग्रवाल (राजेश सिंथेटिक-रिकाबगंज), अनूप अग्रवाल (अनूप टेक्सटाइल- उर्दू गल्ली) के पास आगामी 12 जुलाई तक जमा करवा सकते हैं।

इस अवसर पर समिति द्वारा दि. 20 से 25 जुलाई तक आयोजित होने वाली गौरव यात्रा सावन की सेल के संदर्भ में भी चर्चा की गई।

बैठक में अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, महामंत्री रविंदर अग्रवाल, डॉ. सरिता अग्रवाल, विशाल बंसल, अनूप अग्रवाल एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे। बैठक का समापन राजेश अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा श्री जगन्नाथ रथयात्रा निकाली गई

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा जी को पालकी में विराजमान कर शोभा यात्रा निकाली गई। श्रीराम दरबार पंचायतीबाड़ा से प्रारम्भ हुई रथयात्रा विभिन्न मार्गों से भजन कीर्तन के साथ वापस रात्रि 7.00 बजे श्रीराम दरबार पंचायती बाड़ा पहुंची । जहां भगवान का श्रृंगार एवं छप्पन भोग के बाद रात्रि 9.00 बजे महाआरती हुईं, तत्पश्चात सैकडों भक्तों ने स्वरूची प्रसाद ग्रहण किया। दिन भर श्रीराम दरबार भक्तों से भरा रहा। पालकी यात्रा में हैदराबाद, सिकंदराबाद के अलावा तेलंगाना क्षेत्र से भी स्वजातीय बंधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई ।

दो गाड़ियों में भरी 37 गोवंश को कटने से बचाया गया

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में काटने के मकसद से अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर लाई जा रही गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना एवं हिंदू विश्व परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा गाय बचाओ के ि अभियान के तहत कटने से बचाया गया।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उगादि एवं सनातनी नव वर्ष के बाद से गोवंश पकड़ने का सिलसिला जारी है। गौरक्षों ने पहलीबोलोरो गाड़ी एमएच34 बीजी 9408 में 28 गोवंश शमीरपेट पुलिस की सहायता से तथा दूसरी गाड़ी टीएस12 यूई 2596 में मौजूद 09 गोवंश शमीरपेट पुलिस की सहायता से छुड़ाया। इन गाड़ियों में भरी कुल 37 गायों को पुलिस की सहायता से काटने से बचाया गया। गाड़ियों में भरे अवैध गोवंश को कत्लखाने में ले जाया जा रहा था। गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में सुरक्षित छोड़ा गया।

विज्ञप्ति में राष्ट्रीय गौ रक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी के पूर्व गौ संरक्षक कोटी शीधर ने बताया कि गौ रक्षा के इस महाभियान में गौ रक्षा दल तेलंगाना अध्यक्ष कालू सिंह, गोरक्षा दल आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष विजय रामकुमार यादव, बजरंग दल के उप्पल जिला संयोजक सुनील नायकख गौ ज्ञान फाऊंडेशन के नितेश विजयवर्गीय, बीजेपी तुक्कुगुड़ा पार्षद यादगिरीअन्ना, रविंदर गौड, डॉ. इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौरक्षा दल तेलंगाना जनरल सेक्रेटरी पवन रेड्डी, (एवीबीपी) गौ रक्षा दल सिटी अध्यक्ष शंकर यादव , विश्व हिंदू परिषद के राम राजू, केदरी, शिव प्रसाद, छोटा भानु प्रसाद, सालबेरू, वेनू, श्रीसाईलम, गोमती प्रसाद, नामले, नवीन पोनाला, विनय बगी, भारत कुमार, शिव शंकर, अविनाश मयूरी, बीजेपी नेता राहुल संतु संदीप नरेश निशा नाथ सोनू सिंह बिंदला विनय छोटू विनय वेंकट बोनतो पवन कोटी मयूरेश सहित अन्य गौ रक्षक मौजूद थे।

दमरे महाप्रबंधक ने की मानसून की तैयारियों और सुरक्षा उपायों की समीक्षा

दमरे जीएम अरुण कुमार जैन ने मातहतों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ पूरे जोन में मानसून की बारिश के मद्देनजर मानसून की तैयारियों और सुरक्षा उपायों पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम)/अति. मंडल प्रबंधक (एडीआरएम) सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

समीक्षा बैठक के दौरान अरुण कुमार जैन ने मानसून के मौसम के मद्देनजर कमजोर पुलों, सुरंगों और उनके रखरखाव की स्थिति को प्रभावित करने वाले संभावित मानसून पर प्राथमिक ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने किसी भी घटना की स्थिति में आपातकालीन उपकरणों की उपलब्धता और रेत, बोल्डर एवं पाइप जैसी आवश्यक सामग्रियों के आरक्षित स्टॉक की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को भारी बारिश की स्थिति में संवेदनशील पुलों और टैंक, बांधों पर 247 निगरानी के लिए चौकीदार तैनात करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि चौबीसों घंटे निगरानी की जानी चाहिए ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत आवश्यक उपाय किए जा सकें। महाप्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को पटरियों पर बाढ़ से बचने और ट्रेनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए किनारे की जल नालियों और जलमार्गों की सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को उपकरणों की सुरक्षित कामकाजी स्थिति का सख्ती से पालन करने, ट्रेन संचालन से संबंधित रजिस्टरों के उचित रखरखाव और सभी आवश्यक मानसून सावधानियां बरतने की सलाह दी।

महाप्रबंधक ने कहा कि सभी पर्यवेक्षकों को क्षेत्र स्तर की गतिविधि की लगातार निगरानी करनी चाहिए और किसी भी समस्या पर तुरंत ध्यान देना चाहिए और जल्द से जल्द सुधार करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को समूह बैठकों और व्यक्तिगत परामर्श सत्रों आदि के माध्यम से सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों को नियमित रूप से जागरूक करने की भी सलाह दी।

यदाद्री मंदिर में अभिनेत्री मांचू लक्ष्मी ने की पूजा-अर्चना

यदाद्रीगुट्टा, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
फिल्म अभिनेत्री मांचू लक्ष्मी ने सोमवार सुबह यदाद्री पंच नरसिम्हू मंदिर का दौरा किया और विशेष पूजा में भाग लिया। बाद में मंदिर के पुजारियों ने उन्हें वैदिक आशीर्वाद दिया और मंदिर के पुजारी भास्कर राव स्वामी ने लड्डू प्रसाद दिया।

दर्शन के बाद अभिनेत्री ने मंदिर के ईवो भास्कर राव के साथ पहाड़ी के नीचे मंदिर के संस्कृत विद्यालय का दौरा किया और कुछ देर तक छात्रों से बातचीत की। अभिनेत्री मांचू लक्ष्मी ने कहा कि संस्कृत विद्यालय के छात्रों के अनुरोध के अनुसार एक नए छात्रावास भवन का निर्माण किया जाएगा।

यूनियन बैंक की समूह बीमा योजना का लाभ उठाएं खाताधारक : एम. सत्तैया

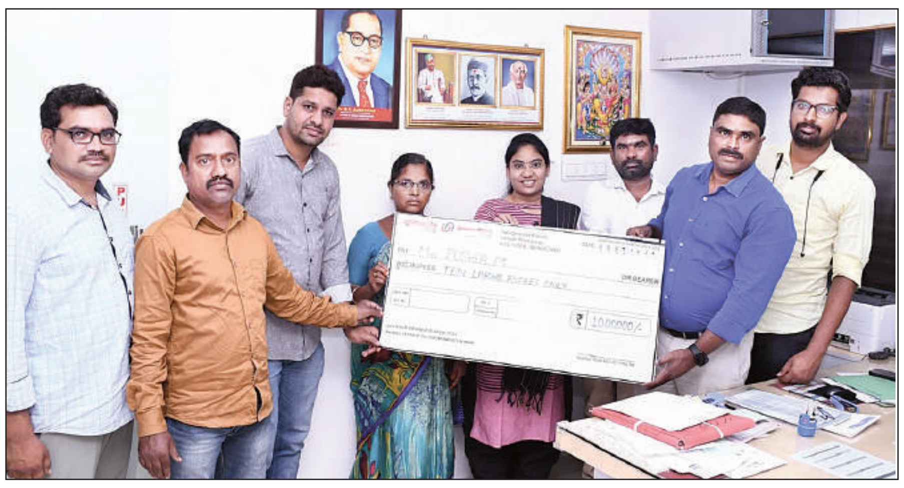

यादगिरी गुट्टा, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
यूनियन बैंक यादगिरी गुट्टा के शाखा प्रबंधक एम. सत्तैया ने कहा कि यूनियन बैंक के ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए उनके कर्मचारी हमेशा उपलब्ध हैं। देवस्थानम काउंटर पर काम करने वाले मुल्हू बालकृष्ण की मृत्यु हो गई, उनके लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया समूह बीमा योजना की व्यवस्था की गई और प्राकृतिक कारणों से उनकी मृत्यु के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से 10 लाख की बीमा मंजूरी दी गई।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि सभी खाताधारकों को इस बीमा योजना का उपयोग करना चाहिए और लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया समूह बीमा योजना एलआईसी के साथ साझेदारी में बचत खाताधारकों को प्रदान करती है। इस योजना के अनुसार, यदि प्रत्येक बचत खाताधारक प्रति वर्ष 1519 रुपये का भुगतान करता है, तो प्राकृतिक मृत्यु पर 10 लाख तक का बीमा होगा। जीवन सुरक्षा योजना के माध्यम से हर साल 436 रुपये, प्राकृतिक मृत्यु पर 2 लाख रुपये का बीमा होगा। यूनियन बैंक की शाखाएं कम ब्याज दर पर कृषि गोल्ड लोन प्रदान कर रही हैं।

सबसे कम ब्याज दर वाले गृह ऋण और कार खरीद ऋण को शीघ्रता से संसाधित और प्रदान किया जाएगा। मुद्रा लोन उन महिलाओं को भी दिया जाता है जिनके पास छोटे व्यवसाय हैं और नारी शक्ति लोन भी दिया जाता है। यादगिरी गुट्टा शाखा पहले ही बड़ी मात्रा में मुद्रा ऋण प्रदान कर चुकी है। इस कार्यक्रम में सहायक प्रबंधक पवन, कैशियर सुरेश, कर्मचारी इंद्रजा, सुरेश, परशुराम और अन्य ने भाग लिया।

पुलिस कर्मियों की कमी से जनगांव में चोर-उचक्के बेखौफ

जनगांव, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जनगांव शहर में पिछले कुछ महीनों में चोरियों की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है, पिछले चार महीनों में 39 चोरियों की सूचना मिली है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक जनगांव टाउन पुलिस स्टेशन में हर साल 800 से ज्यादा मामले दर्ज होते हैं। हालांकि पिछले दो महीनों में ही जनगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्राधिकार के तहत विभिन्न आवासीय कॉलोनियों से लगभग 20 ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। ऐसी सबसे ज्यादा घटनाएं बानापुरम इंदिराम्मा कॉलोनी, कृषि बाजार, अंबेडकर नगर कॉलोनी और वासवी कॉलोनी से सामने आई हैं।

पहली जुलाई को बीरप्पागड्डा में एक घर से 11 तोला सोना और 25 तोला चांदी के आभूषण और 15,000 रुपये लूट लिये गये थे। उसी रात बानापुरम के एक अन्य घर से लगभग 35 ग्राम सोने और 150 ग्राम चांदी के गहने चोरी हो गए। स्थानीय लोगों की शिकायत है कि कस्बे में एक ही पुलिस थाना होने के कारण उपलब्ध पुलिसकर्मी अपराध पर नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं। शहर की आबादी के हिसाब से थाने में कुल पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों की संख्या 70 तक होनी चाहिए, लेकिन बमुश्किल 50 ही हैं। मौजूदा कर्मचारियों को सुरक्षा, यातायात, कानून और व्यवस्था, कलक्ट्रेट और अन्य क्षेत्रों की सुरक्षा जैसे सभी प्रकार के कर्तव्यों का पालन करना पड़ता है, इसके अलावा विरोध प्रदर्शनों और धरनों पर बंदोबस्त कर्तव्यों के अलावा, रात्रि गश्त का तो जिक्र ही नहीं किया जाता है। अधिकारियों ने स्वयं स्वीकार किया कि मौजूदा कर्मचारी शहर में रहने वाले एक लाख से अधिक लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यदि कोई बड़ा राजनीतिक आयोजन होता है, तो बंदोबस्त ड्यूटी के लिए अच्छी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा, जिससे अधिकांश क्षेत्र या तो अपराधियों के लिए असुरक्षित होंगे या सीसीटीवी की दया पर निर्भर रहेंगे। अधिकारी ने कहा, राजनीतिक घटनाओं, दंगों और विरोध प्रदर्शनों से सामान्य रात्रि दौरों और अन्य अपराध रोकथाम उपायों के लिए उपलब्ध कई पुलिसकर्मियों की कमी हो जाती है। इस बीच, स्थानीय लोग सरकार से शहर में अपराध को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त कर्मचारियों के साथ कम से कम एक और पुलिस स्टेशन को मंजूरी देने की मांग कर रहे हैं।

आंध्र प्रदेश: सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

एलुरू, 08 जुलाई (एजेंसियां)।
आंध्र प्रदेश के द्वारकातिरुमाला मंडल के लक्ष्मी नगर में सोमवार को एक कार दुर्घटना में दो महिलाओं और एक बालक सहित एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि हादसा आज तब हुआ, जब परिवार की एक महिला सदस्य अपने परिवार के साथ सॉफ्टवेयर कंपनी में इंटरव्यू देने के बाद हैदराबाद से साराजावोलू गांव वापस जा रही थीं। उसी दौरान, उनकी कार अनियन्त्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गई, जिसमें मां, पुत्री और पुत्र की मौत हो गयी तथा कार चला रहे दुर्गा वामशी घायल हो गये। उनको एएसआरआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सोमवार को गाचीबोवली स्थित सर्टन हैदराबाद होटल में श्रीनिवासन मुनिस्वामी राधा अद्वांकी ट्रस्ट द्वारा गरीब छात्रों के लिए लैपटॉप वितरण कार्यक्रम में भाग लिया एवं विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किया।

स्नेह सुगंध का पधारो मारे देश कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
स्नेह सुगंध महिला क्लब के नीली ग्रुप द्वारा मासिक गोष्ठी की गई। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रभा दूगड़ ने बताया कि हर महीने की जाने वाली गोष्ठी में लीली ग्रुप की सुधा सुराणा, मंजू शर्मा, मधु अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल, करुणा अग्रवाल और संगीता अग्रवाल ने पूरी राजस्थानी रानी रंगीली वेशभूषा में सज कर गनरॉक स्थित सुधा सुराणा के निवास स्थान पर राजस्थानी थीम पर आधारित पधारो मारे देश कार्यक्रम आयोजित किया।

द्वार पर सुंदर रंगोली ने सबका ध्यान आकर्षित किया । करुणा ने थॉट ऑफ द डे पढ़ा कि ..अगर हमारा स्वभाव अच्छा है तो हमारे आसपास अच्छे लोग जुड़ते चले जाते हैं ।..

मंजू शर्मा द्वारा कॉमेडी स्किट किया गया तथा उनके निर्देशन में पूरी टीम ने थांरो स्वागत करा आज राजस्थानी गीत द्वारा सबका स्वागत किया। तत्पश्चात सभी ने मिल पर घूमर, काजलियो, लहरिया आदि राजस्थानी लोकगीत पर सुंदर लोक नृत्य किए । मंजू शर्मा की मीठी बोली और हाव-भाव ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम मेंलगभग 37 सदस्यों की उपस्तिथि रही और सभी रंग रंगीली राजस्थानी वेशभूषा में सुसज्जित होकर आई। मधु अग्रवाल ने राजस्थानी तंबोला खिलाया । विभिन्न प्रेतियोगिताओं एवं लक्की ड्रा के साथ-साथ जुलाई महीने में आने वाले जन्मदिन व सालगिरह के बधाइयां चॉकलेट के साथ दी गई।

अध्यक्ष आशा गुप्ता ने सबका स्वागत करते हुए सितंबर महीने में जाने वाले टूर के बारे में जानकारी दी। मंत्री नेता पटेल ने पिछले महीने में किए प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी। दाल बाटी चूरमा एवं पूरे राजस्थानी स्वाद के साथ स्वादिष्ट खाने के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

सभी सदस्यों ने लीली ग्रुप को रंग रंगीले, मनोरंजक और प्रोग्राम के लिए धन्यवाद् दिया ।

श्री रामचरितमानस का अखंडपाठ आयोजित

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिमायत सागर कोतवालगुड़ा स्थित श्री संकटमोचन दक्षिण मुखी वीर हनुमान मंदिर में श्री रामचरितमानस का संगीतमय अखंड पाठ का आयोजन किया गया । जिसका समापन आरती एवं प्रसाद के साथ हुआ ।

मंदिर के पुजारी पंडित लाल शुक्ला एवं विनीत शुक्ला महाराज द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि श्री संकटमोचन दक्षिण मुखी वीर हनुमान भक्त मंडल भाग्यनगर द्वारा उक्त आयोजन किया गया।

इसमें रामचरितमानस का संगीतमय पाठ एवं हनुमान जी महाराज की आरती की गई। आरती के पश्चात प्रसादी का आयोजन भक्तों के लिए किया गया।

अखंडपाठ में लगभग 200 से अधिक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। हनुमान भक्त मंडल के पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकुमार टंडन, पंकज वर्मा , उमेश सोनी, गोपाल बल्दवा, अनिल कुमार अग्रवाल सहित अन्य भक्त उपस्थित थे ।

अग्रवाल समाज मलकपेट के तत्वावधान में प्रतिमाह अनुसार मासिक अन्नाप्रसाद का आयोजन गंज स्थित अग्रसेन हॉल के पास किया गया। जिसमें 650 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। अवसर पर शाखा के उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, संयुक्त मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य लाजपतराय गुप्ता,परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल,सुरेश गुप्ता,गोपाल मोदी, नितिन अग्रवाल तथा युवा मोर्चा से जितेंदर गोयल,पी सुरेश ने अपनी सेवा प्रदान की।

हनुमान मन्दिर, बशीरबाग में शिव महापुराण कथा सम्पन्न हुई। डॉ. सुनील अग्रवाल कन्हैया लाल अग्रवाल बसई वाले द्वारा आयोजित कथा में व्यास पुष्पेंद्र शुक्ला, सुनील कुमार पाण्डेय, ओम प्रकाश गौतम, अमित शुक्ला, जीवेश से द्विवेदी सोनू मिश्रा, शत्रुहन दाहिमा द्वारा शिव पार्वती विवाह, कार्तिकेय गणेश जन्मोत्सव उत्सव मनाया गया। हवन पूर्णाहुति एवं प्रसादी में सैकड़ो भक्तों ने भाग लिया।

दिल्ली में हैं कई कांग्रेस, राहुल कांग्रेस अलग तो खड़गे कांग्रेस अलग

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में मिली 99 लोकसभा सीटों से कांग्रेस पार्टी बेहद उत्साहित है लेकिन देश की राजधानी नई दिल्ली में लगातार तीसरी बार कांग्रेस पार्टी खाता खोलने में असफल रही। अब लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर उत्तर पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रहे उदित राज का गुस्सा फूटा है। उन्होंने अपनी हार के लिए कांग्रेस नेताओं और आम आदमी पार्टी के विधायकों को जिम्मेदार ठहराया है।

उदित राज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में उन्हीं लोगों को प्रमोट किया जा रहा है, जिनकी वजह से उत्तर पश्चिमी लोकसभा सीट पर हार हुई। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी ने प्रत्याशी फरवरी में घोषित कर दिया था। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ढील करते रहे। आम आदमी पार्टी ने अपने पार्षदों, अपने विधायकों को अपने क्षेत्र में लगा दिया था। लेकिन कांग्रेस के नेता क्षेत्र में नहीं थे। आम आदमी पार्टी के विधायकों की मंशा पर सवाल खड़े करते हुए उदित राज ने कहा, कार्यकर्ता सपोर्ट कांग्रेस को कर रहा था लेकिन आपा विधायकों ने आम आदमी पार्टी के समर्थकों का वोट कांग्रेस की तरफ जाने नहीं दिया। 10 महीने बाद ही विधानसभा का चुनाव है, इसे ध्यान में रखते हुए आम आदमी पार्टी के विधायकों ने गठबंधन धर्म तो ताक पर रख कर कांग्रेस प्रत्याशी को हरवाया।

कांग्रेस नेताओं को अपनी हार के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने कहा, आंतरिक रूप से लगातार दो महीने से उत्तर-पश्चिम में कुछ लोग मेरे खिलाफ ब्राह्मण विरोधी, जाट विरोधी होने का कैंपेन चला रहे थे। यह कैंपेन भाजपा ने नहीं, बल्कि अपने ही कांग्रेसी लोगों ने चलाया। कांग्रेसियों ने मुझे ही बाहरी बताया। मैंने पार्टी आलाकमान को लिखकर

जिन्होंने हराया उन्हें ही किया जा रहा है प्रमोट: उदित राज

दिया लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया। अब चुनाव बीतने के बाद उन्हीं तत्वों के हाथ में संगठन की कमान आ गई। यानी, जो चुनाव हराए वही संगठन चलाए।

उदित राज ने कहा कि दिल्ली में कई कांग्रेस हैं, लोकल की अलग कांग्रेस है, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की कांग्रेस अलग अलग है। उन्होंने सवाल पूछा कि ऐसे लोगों के खिलाफ क्यों एक्शन नहीं हुआ? ये लोग जो लोकसभा चुनाव में अपने ही प्रत्याशियों को हरवाते हैं, वही लोग जिले की मीटिंग बुला रहे हैं। जिन्होंने कांग्रेस को हरवाया, वही लोग प्रमोट हो रहे हैं। उदित राज ने कहा, मुझे दुख है, तकलीफ है कि मुझे हरवाया गया। हमारे लोगों ने भितरघात किया। ऐसे लोग अगर पार्टी में रहेंगे तो आगे भी ऐसी ही स्थिति रहेगी।

पर रख कर कांग्रेस प्रत्याशी को हरवाया। कांग्रेस नेताओं को अपनी हार के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने कहा, आंतरिक रूप से लगातार दो महीने से उत्तर-पश्चिम में कुछ लोग मेरे खिलाफ ब्राह्मण विर-ोधी, जाट विरोधी होने का कैंपेन चला रहे थे। यह कैंपेन भाजपा ने नहीं, बल्कि अपने ही कांग्रेसी लोगों ने चलाया। कांग्रेसियों ने मुझे ही बाहरी बताया। मैंने पार्टी आलाकमान को लिखकर दिया लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया। अब चुनाव बीतने के बाद उन्हीं तत्वों के हाथ में संगठन की कमान आ गई। यानी, जो चुनाव हराए वही संगठन चलाए।उदित राज ने कहा कि दिल्ली में कई कांग्रेस हैं, लोकल की अलग कांग्रेस है, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की कांग्रेस अलग अलग है। उन्होंने सवाल पूछा कि ऐसे लोगों के खिलाफ क्यों एक्शन नहीं हुआ? ये लोग जो लोकसभा चुनाव में अपने ही प्रत्याशियों को हरवाते हैं, वही लोग जिले की मीटिंग बुला रहे हैं। जिन्होंने कांग्रेस को हरवाया, वही लोग प्रमोट हो रहे हैं। उदित राज ने कहा, मुझे दुख है, तकलीफ है कि मुझे हरवाया गया। हमारे लोगों ने भितरघात किया। ऐसे लोग अगर पार्टी में रहेंगे तो आगे भी ऐसी ही स्थिति रहेगी।

कृपाल गैंग रच रही थी कुलदीप गैंग के लोगों की हत्या की साजिश, पांच गिरफ्तार

भरतपुर, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान के भरतपुर में एक बार फिर से कृपाल जघीना गैंग के सदस्य गैंगवार करने की फिराक में थे। उससे पहले पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार लिया है। कृपाल जघीना गैंग के बदमाश कुलदीप जघीना गैंग के तीन लोगों को टारगेट कर रहे थे। इस वारदात को अंजाम देने वाला मास्टर माइंड कृपाल का भतीजा पंकज अजमेर जेल से ही तीन लोगों की रेकी करवा रहा था। इस गैंगवार की प्लानिंग में अभी तक 11 आरोपियों के नाम सामने आए हैं, जिसमें से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा पहली बार अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से मोबाइल और सिम बरामद किए गए हैं।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि हाल में भरतपुर साइबर सेल को पता लगा कि अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद कृपाल जघीना गैंग के लोग भरतपुर में गैंगवार की प्लानिंग कर रहे हैं। इसके बारे में जयपुर एटीएस से हमें कुछ इनपुट मिले थे। उसके आधार पर कोतवाली थाने में एक मामला दर्ज किया गया। जांच की गई। इस मामले में अभी तक पांच गिरफ्तारी की जा चुकी हैं। गैंगवार की प्लानिंग करने वाला मुख्य आरोपी पंकज जघीना, लोकेंद्र सहित हाई सिक्योरिटी जेल में मोबाइल उपलब्ध करवाने वाला आरोपी जहांगीर उर्फ डोरेमोन और दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में अभी और भी नाम सामने आ रहे हैं। पुलिस अभी इस मामले को लेकर जांच कर रही है। अभी और भी आरोपी हैं। जो अजमेर जेल में बंद हैं। उनसे भी पूछताछ की जाएगी। पंकज को 13 दिन की पुलिस रिमांड ले ली गई है। पंकज की अभी और भी पुलिस रिमांड ली जाएगी। पहली बार ऐसा हुआ है कि अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से पंकज और जहांगीर की निशानदेही पर मोबाइल और सिम बरामद किए गए हैं। हथियारों की व्यवस्था और रेकी करने वाला आरोपी रोहित हथैनी अभी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। इनके अलावा और भी बदमाश जो रेकी में शामिल थे, उन पर पुलिस नजर बनाए हुए हैं। उनकी तलाश की जा रही है। कुछ और भी स्थानीय लोगों के नाम पूछताछ में सामने आए हैं। जो दोनों गैंग से संबंध रखते हैं। कृपाल जघीना की गैंग क्षेत्र में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए इस घटना को अंजाम देना चाहती थी।

गौरतलब है कि 4 सितंबर 2022 को रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य कृपाल सिंह जघीना की हत्या कुलदीप ने अपनी गैंग के साथ मिलकर की थी। इसके बाद 12 जुलाई 2023 को भरतपुर के अमोली टोल प्लाजा पर रोडवेज बस से पुलिस अभिरक्षा में पेशी पर लाए जा रहे कुलदीप जघीना की कृपाल जघीना की गैंग ने अंधाधुंध फायरिंग कर हत्या कर दी। तब से दोनों गैंग के बदमाश जेल में बंद हैं।

कृपाल जघीना का भतीजा पंकज अजमेर जेल में बंद है। वह अपने साथियों के साथ कुलदीप गैंग के लोगों की हत्या की साजिश बना रहा था। पंकज जेल से ही लोगों से संपर्क कर रहा था और कुलदीप के साथियों की रेकी करवा रहा था।

टैंकर ने महिला सफाई कर्मचारी को कुचला, दर्दनाक मौत

अंबाला, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

छावनी रेलवे स्टेशन के ठीक सामने फ्लाईओवर के नीचे इंडियन ऑयल पेट्रोलियम के एक टैंकर ने सोमवार सुबह आठ बजे साइकिल सवार महिला को कुचल दिया। टैंकर का पहिया 12 क्रॉस रोड निवासी सलोचना के पेट के ऊपर से गुजर गया। महिला कैंटोनमेंट बोर्ड की सफाई कर्मचारी थी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने शोर मचाया तो टैंकर रुका। पुलिस को बुलाने के बाद लोगों ने टैंकर चालक को पुलिस को सौंप दिया। शव का छावनी नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। मृतक के परिजनों ने बताया कि सलोचना सुबह घर से काम के लिए निकली थी। वह रोजाना साइकिल पर ही जाया करती थी। घर से निकले 10 मिनट ही हुए थे कि उनकी मौत की सूचना आ गई।

फंदे से लटका मिला पत्नी का शव तो बेलदार पति ने भी खा लिया जहर

सोनीपत, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

जिले में गोहाना रोड स्थित जनस्वास्थ्य विभाग के स्टाफ क्वार्टर में रह रहे बेलदार और उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। बेलदार सुबह ट्यूबवेल चलाने गए थे। जब वह वापस लौटे तो पत्नी का शव फंदे पर लटका मिला। उसके बाद उन्होंने भी जहर खाकर अपनी जान दे दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मूलरूप से उत्तराखंड के जिला बागेश्वर के गांव असो निवासी बलवंत (50) जनस्वास्थ्य विभाग में बेलदार के पद पर कार्यरत थे। फिलहाल उनकी ड्यूटी सुबह-शाम ट्यूबवेल चलाने के लिए लगी थी। वह विभाग के स्टाफ क्वार्टर में पत्नी वीना (45) के साथ रहते थे। सोमवार सुबह वह ट्यूबवेल चलाने के लिए गए। जब वापस लौटे तो उनकी पत्नी का शव फंदे पर लटका मिला।

बताया जा रहा है कि पत्नी का शव फंदे पर लटका देख उन्होंने जहर खा लिया। जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। उनकी हालत खराब देखकर पड़ोसी सहकर्मियों

ने उन्हें अस्पताल में पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद सिटी थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम क्वार्टर में जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि दंपति का एक बेटा व एक बेटी है। उनका बेटा चंडीगढ़ में रहकर प्राइवेट जॉब कर रहा है। वहीं उनकी बेटी विवाहित है और फिलहाल कनाडा में रह रही है। पुलिस ने मामले की जानकारी उनके बेटे को दी है।

व्यवसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण क्षेत्र में सरकार की नायाब पहल

लखनऊ, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयासरत योगी सरकार ने इस दिशा में एक और अहम कदम उठाया है। इसके तहत, उत्तर प्रदेश राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एसवीईटी) और राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन हुआ है। इस समझौते के तहत एसवीईटी अब एक प्रमाणित अवार्डिंग एंड असेसिंग निकाय बन गया है, जो व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता के क्षेत्र में मील का पत्थर स्थापित करेगा।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के युवाओं को नए और उच्च स्तरीय रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में मदद करना है। इस प्रयास के अंतर्गत एसवीईटी अब प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षार्थियों को समय से मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्रदान कर सकेगा।

एक संस्था को पुरस्कार देने वाली संस्था के रूप में तब परिभाषित किया जाता है, यदि यह प्रशिक्षुओं को स्वीकृत योग्यता के लिए प्रमाणपत्र प्रदान करती है या प्रस्तावित करती है और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और विश्वसनीय मूल्यांकन सुनिश्चित करती है। साथ ही, क्षेत्र के विशेषज्ञ के रूप में वह औपचारिक रूप से शिक्षण प्रदाताओं, केंद्रों और पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता के साथ-साथ उनका अध्ययन करने वाले शिक्षार्थियों के ज्ञान और कौशल को भी प्रमाणित कर सकती है। एमओयू के समय उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव एम. देवराज, अध्यक्ष एनसीवीईटी अतुल कुमार तिवारी सहित एससीवीटी एवं एनसीवीईटी के अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी ने इस समझौते का स्वागत किया और इसे उत्तर प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

रक्षा का सबसे अच्छा तरीका युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहना है: धनखड़

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तेजी से बदलते तकनीकी और भू-राजनीतिक परिदृश्य का उल्लेख करते हुए सोमवार को कहा कि रक्षा का सबसे अच्छा तरीका युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहना है।

श्री धनखड़ ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में भारतीय रक्षा संपदा सेवा के 2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से बातचीत करते हुए कहा कि युवा अधिकारियों को तेजी से बदलते परिदृश्य के साथ लगातार तालमेल बिठाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखने का आग्रह किया। रक्षा भूमि को सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने रक्षा भूमि के प्रबंधन में आने वाली कई चुनौतियों जैसे अतिक्रमण और उसके बाद कानूनी विवादों का उल्लेख किया। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को भूमि प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का सर्वोत्तम उपयोग करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि इससे किसी भी घुसपैठ की निगरानी कर सकेंगे और दृढ़ संकल्प के साथ त्वरित कार्रवाई कर सकेंगे।उपराष्ट्रपति ने अधिकारियों से वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करने का आग्रह करते हुए कहा, जब आप दबावों और चुनौतियों का सामना करें, तब भी दृढ़ रहें। उन्होंने छावनी क्षेत्रों के अंदर पर्यावरण की देखभाल और वनस्पतियों का पोषण करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि समाज के व्यापक लाभ के लिए रक्षा संपदा भूमि पर संरचित तरीके से हर्बल वृक्षारोपण और बागवानी को बढ़ावा देकर इसे प्राप्त किया जा सकता है।

मासिक धर्म अवकाश पर केन्द्र और राज्य सरकारें आदर्श नीति बनाने पर कर सकते हैं विचार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि छात्राओं और कामकाजी महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान अवकाश देने के लिए केंद्र और सभी राज्य सरकारों को विचार करना है कि क्या वे इस बारे में कोई आदर्श नीति बना सकते हैं।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अधिवक्ता शैलेंद्र मणि त्रिपाठी की याचिका पर गौर किया कि क्या इस तरह के अवकाश महिलाओं को कार्यबल का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करती है या फिर इस तरह की छुट्टी अनिवार्य करने का मतलब महिलाओं को रोजगार से दूर रखना है। पीठ ने कहा, यह वास्तव में सरकार की नीति का पहलू है और अदालतों को इस पर विचार नहीं करना चाहिए। अधिवक्ता त्रिपाठी ने देश भर में छात्राओं और कामकाजी महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान अपने-अपने कार्यस्थलों पर मासिक अवकाश की अनुमति देने के लिए अदालत से निर्देश देने की मांग करते हुए जनहित याचिका दायर की है। शीर्ष अदालत ने केंद्र और राज्यों से इस मुद्दे पर विचार करने को कहा कि क्या वे इस मुद्दे पर एक आदर्श नीति बना सकते हैं या नहीं। पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम याचिकाकर्ता को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में सचिव और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी के पास इस मुद्दे को ले जाने की अनुमति देते हैं। अदालत ने कहा, हम सचिव से अन-ुरोध करते हैं कि वे नीति स्तर पर मामले को देखें और सभी हितधारकों से परामर्श करने के बाद निर्णय लें और देखें कि क्या एक आदर्श नीति बनाई जा सकती है।

पीठ ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में कदम उठाने के आड़े नहीं आएगा।

भारतीय स्पेस मिशन गगनयान में लगेंगे स्वदेशी पैराशूट

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के पहले ह्यूमन गगनयान मिशन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसरो इसके लिए अपने चार ट्रेंड पायलटों में से दो को ट्रेनिंग के लिए अमेरिका भेजेगा। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इन एस्ट्रोनॉट्स को गगनयान मिशन के लिए तैयार करेगी और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के मॉड्यूल में रहने के तौर-तरीके सिखाएगी। वहीं गगनयान की सुरक्षित लैंडिंग के लिए ड्रोग पैराशूट की जरूरत होगी। खास बात यह होगी कि ये पैराशूट्स पूरी तरह से स्वदेशी होंगे। ये पैराशूट लगभग बन कर तैयार हैं।

250 डिग्री तापमान में भी करेंगे काम

सरकार की महत्वाकांक्षी आत्मनिर्भर भारत पहल को आगे बढ़ाते हुए, भारत का पहला मानवयुक्त स्पेस एक्सप्लोरेशन गगनयान मिशन अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए स्वदेशी ड्रोज पैराशूट का उपयोग करेगा। इन पैराशूट्स को उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में हजरतपुर स्थित ऑर्डिनेंस इक्विपमेंट्स फैक्टरी में बनाए जा रहा है। इन पैराशूट्स को इस्तेमाल रफ्तार करम करने और तेजी से चलती वस्तुओं को स्थिर करने के लिए किया जाता है। इन ड्रोज पैराशूट्स का इस्तेमाल अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाने के लिए किया जाएगा।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 28 पैराशूट सेट का ऑर्डर दिया है। इनमें से 12 इसरो को मिल चुके हैं और बाकी का काम अगले महीने पूरा हो जाएगा। 5.8 मीटर व्यास वाले ये कॉनिकल रिबन-प्रकार के पैराशूट, कैनोपी मेकेनिक्स को न्यूनतम करने और खुलने पर पैदा होने वाले झटकों को कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिससे उतरने में आसानी हो। वहीं एक पैराशूट कैनोपी बनाने में कम से कम 5,000 घंटे की मेहनत लगती है। गगनयान मिशन के लिए चार प्रकार के पैराशूट का उपयोग किया जाएगा। इनमें रिंग स्लॉट - एपेक्स कवर सेपरेशन (एसीएस) कैनोपी, ड्रोज पैराशूट - कॉनिकल रिबन कैनोपी, पायलट पैराशूट - रिंग स्लॉट कैनोपी, और मुख्य कैनोपी - सर्कुलर स्लॉटेड होते हैं।

सूत्रों ने बताया कि 250 डिग्री सेल्सियस का तापमान झेलने वाले नायलॉन 66 जैसे विशेष कपड़े से बने हैं। डीआरडीओ और इसरो ने इन ड्रोज पैराशूट को डिजाइन और विकसित किया है। मिशन में इस्तेमाल किए जाने वाले पैराशूट के बारे में सूत्रों ने बताया कि यह 10 पैराशूटों का एक ग्रुप है। जब अंतरिक्ष यात्रियों वाला कैप्सूल पृथ्वी से 7 किलोमीटर की दूरी (ऊंचाई) पर पहुंचता है, तो वे काम करना शुरू कर देते हैं। दो एपेक्स कवर सेपरेशन (एसीएस) पैराशूट कैप को खींचकर दो ड्रोज पैराशूट को खोल देंगे, जिससे रफ्तार कम हो जाएगी, जो 190 मीटर प्रति सेकंड (11.4 किमी प्रति मिनट) तक पहुंच जाएगी। इसके बाद, तीन पायलट पैराशूट उतरने की रफ्तार को 10/12 मीटर प्रति सेकंड (600/720 मीटर प्रति मिनट) तक ले कर आएगा। पायलट पैराशूट मुख्य कैनोपी को खोलने के लिए बटन के रूप में कार्य करता है, जिनकी संख्या तीन होती है। प्रत्येक कैनोपी लगभग 1,000 किलोग्राम तक का भार झेल सकती है। इस प्रकार मुख्य पैराशूट प्रणाली में तीन कैनोपी कुल 3,000 किलोग्राम भार वहन कर सकती हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता विजय जैन ने छोड़ी पार्टी, कांग्रेस में हुए शामिल

पानीपत, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

जिले में भाजपा को एक और बड़ा झटका लगा है। वरिष्ठ नेता विजय जैन ने अपनी प्राथमिक सदस्यता समेत तमाम पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे की कापी जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट को भेजी है। इसके बाद जैन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में कांग्रेस में शामिल हो गए। जैन पानीपत ग्रामीण विधानसभा से टिकट के दावेदार थे। उन्होंने विधानसभा के साथ उनके वार्ड-26 में विकास कार्यों में भेदभाव के भी आरोप लगाए हैं। विजय जैन ने सोमवार को अपना एक पेज का इस्तीफा भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट को व्हाट्सएप पर भेजा है। उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा कि उनके हलके और वार्ड में विकास कार्यों में अनदेखी बरती जा रही है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Mrs. SUJATA PRABHAKAR Spouse of Service No. 600642K Ex.Sgt LOKA PRABHAKAR, R/o.1-24-644, Maruthi Nagar, Road No.5, Alwal, Secunderabad-500015, Telangana have changed my name from **Mrs SUJATA PRABHAKAR** to **SUJATHA PRABHAKAR LOKA** vide affidavit dt:8-7-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No.15671007X Hav PADUM LAL, R/o. Vill and Po:Singera, Teh:Kasimabad, Dist:Ghazipur, Uttar Pradesh - 233226 hereby declare that my daughter name is to be changed from **PAYAL** to **PAYAL KUMARI** vide affidavit dt:6-7-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, KALAGA LAKSHMI is legally Wife of Service No. 15414096Y, Rank: HAV, Name: KARAGANA RAJARAO, Unit: Military Hospital, Secunderabad, Residing at H No. 13-2-21, METTAKKIVALASA, HUDCO COLONY, TENTH WARD, AMADALAVALASA MUNICI-PALITY & MANDAL, SRIKAKULAM District, State Andhra Pradesh, Pin: 532185,Changed my name from **KALAGA LAKSHMI** to **KARAGANA LAKSHMI**, Affidavit Signed by Advocate and Notary, G.Samuel, Bsc LLB.

CHANGE OF NAME
I, Vandana is legally wedded spouse of Service No. 17003108F Rank : HAV, Name : Murkute Kundan Raghunath presently residing at Mhalsakore, Tal. Niphad, Dist. Nashik, State : Maharashtra Pin : 422210. I have changed my Name from **VANDANA** to **VANDANA KUNDAN MURKUTE** my date of birth 01/12/1992 (One December Nineteen Ninety Two). Affidavit Singed By advocate and Notary G.Samuel, Bsc LLB.

CHANGE OF NAME
I, BASANTHI PANDYA W/o. Kailash Pandya, R.o. H.No. 16-3-349, Fort Road, Railwaygate, Warangal. TS have change my name from **BASANTHI PANDYA** to **BASANTHI BAI PANDYA**. Vide affidavit dt. 8th July, 2024 before N. NEELAKANTAM GOUD, Advocate & Notary, Rahimpura, Puranapool, Hyderabad.

तेलंगाना सरकार ने की 35 राज्य-संचालित निगमों के अध्यक्षों की नियुक्ति

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने 35 राज्य संचालित निगमों के लिए अध्यक्षों की नियुक्ति की है। नियुक्त किए गए अध्यक्षों में से अधिकांश सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के वे नेता हैं जिन्हें नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट देने से इनकार कर दिया गया था।

हालांकि मुख्य सचिव शांति कुमारी द्वारा दो साल की अवधि के लिए अध्यक्षों की नियुक्ति के सात अलग-अलग आदेश 15 मार्च को जारी किए गए थे, लेकिन इन्हें सोमवार को सार्वजनिक किया गया। एस अन्वेष रेड्डी को तेलंगाना राज्य बीज विकास निगम लिमिटेड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कसुला बाला राजू तेलंगाना राज्य कृषि उद्योग विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख होंगे, जबकि जंगा राघव रेड्डी तेलंगाना राज्य सहकारी तेल बीज उत्पादक संघ लिमिटेड के प्रमुख होंगे। सरकार ने मनाला मोहन रेड्डी को तेलंगाना राज्य सहकारी संघ लिमिटेड का अध्यक्ष नियुक्त किया। रायला नागेश्वर राव तेलंगाना स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष हैं।

इसमें ज्ञानेश्वर मुदिराज तेलंगाना को राज्य मुदिराज सहकारी समिति निगम लिमिटेड का अध्यक्ष नामित किया गया।

मेट्टू साई कुमार तेलंगाना राज्य मत्स्य पालन सहकारी समिति फेडरेशन लिमिटेड का अध्यक्ष बनाया गया है।

सरकार ने एक अन्य आदेश के जरिये एम.डी. रियाज़ को तेलंगाना राज्य ग्रांडालय परिषद के अध्यक्ष के रूप में, पोडेम वीरैया को तेलंगाना राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में, कलवा सुजाता को तेलंगाना राज्य आर्य वैश्य निगम के प्रमुख के रूप में, आर. गुरुनाथ रेड्डी को तेलंगाना राज्य पुलिस आवास विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में, एन. गिरिधर रेड्डी को सोसाइटी फॉर एम्प्लॉयमेंट प्रमोशन एंड ट्रेनिंग इन ट्विन सिटीज़ (सेटविन) के अध्यक्ष के रूप में, जनक प्रसाद को तेलंगाना राज्य न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष और एम. विजया बाबू को तेलंगाना राज्य सिंचाई विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

अन्य अध्यक्ष हैं नायडू सत्यनारायण (तेलंगाना राज्य हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड), अनिल एरावथ (तेलंगाना राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड), टी निर्मला जग्गारेड्डी (तेलंगाना राज्य औद्योगिक बुनियादी ढांचा निगम लिमिटेड), ए. प्रकाश रेड्डी (तेलंगाना राज्य व्यापार संवर्धन निगम लिमिटेड), मन्ने सतीश कुमार (तेलंगाना राज्य प्रौद्योगिकी सेवा विकास निगम लिमिटेड), चल्ला नरसिम्हा रेड्डी (तेलंगाना राज्य शहरी वित्त अवसंरचना विकास सहयोग लिमिटेड), के. नरेंद्र रेड्डी (सातवाहन शहरी विकास प्राधिकरण), ई. वेंकटरामी रेड्डी (काकतीय शहरी विकास प्राधिकरण), रामरेड्डी मालरेड्डी (तेलंगाना राज्य सड़क विकास निगम लिमिटेड), पटेल रमेश रेड्डी तेलंगाना (राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड), एमए फहीम (तेलंगाना फूड्स), बी. शोबा रानी (तेलंगाना राज्य महिला सहकारी विकास निगम लिमिटेड), एम वीरैया (तेलंगाना राज्य विकलंगुला सहकारी विकास निगम लिमिटेड), के शिव सेना रेड्डी (तेलंगाना राज्य के खेल प्राधिकरण), आलेख्य पुंजला तेलंगाना संगीत नाटक अकादमी, एन प्रीतम (तेलंगाना राज्य अनुसूचित जाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड), नुथी श्रीकांत (तेलंगाना राज्य बीसी कंपनी) -ऑपरेटिव फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड), बेलैया नायक (तेलंगाना राज्य अनुसूचित जनजाति सहकारी वित्त विकास निगम लिमिटेड), कोटनाका तिरुपति (तेलंगाना राज्य गिरीजन सहकारी वित्त विकास निगम) और जे.जयपाल को (तेलंगाना राज्य सर्वाधिक पिछड़ा वर्ग विकास निगम लिमिटेड) का अध्यक्ष बनाया गया है।

एक अलग आदेश के माध्यम से, सरकार ने एमए जब्बार को तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक वित्त निगम का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस बीच, भारत राष्ट्र समिति के नेता कृष्णांक ने पिछली तारीख के सरकारी आदेश (जीओ) जारी करने के लिए सरकार की आलोचना की है। उन्होंने पूछा कि यदि जीओ 15 मार्च को जारी किया गया था, तो चार महीने तक किसी निगम अध्यक्ष ने कार्यभार क्यों नहीं संभाला। उन्होंने पूछा, इसे तब मीडिया में क्यों जारी नहीं किया गया, आज क्यों जारी किया गया। कि इससे पता चलता है कि यह पिछली तारीख का जीओ है। सर्वोच्च पद से इस तरह की हेराफेरी सरकार पर लोगों का विश्वास तोड़ सकती है।

तेलंगाना में अगले 48 घंटे में भारी बारिश होने का अनुमान

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के आदिलाबाद, निज़ामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिल्ला, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, सूर्यापेट, मेडक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नगरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट जिलों में कुछ स्थानों पर अगले 48 घंटों के दौरान भारी बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने सोमवार को यहां एक दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा कि मंगलवार को राज्य के आदिलाबाद, कुमरमभीम आसिफाबाद, मंचेरियाल, निर्मल, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, संगारेड्डी और कामारेड्डी जिलों में भी यही स्थिति रहने का अनुमान है। तेलंगाना के मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्रि कोठागुडेम, मेडक, कामारेड्डी जिलों में जबकि 12 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है।

अगले पांच दिनों में राज्य के सभी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

अगले सात दिन में तेलंगाना में कई स्थानों पर या कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। तेलंगाना में दक्षिण पश्चिम मानसून सामान्य रहा है। बीते 24 घंटों में भद्राद्रि कोठागुडेम में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हुई और राज्य के जयशंकर भूपालपल्ली, कामारेड्डी, मंचेरियल और मुलुगु जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई। रिपोर्ट में कहा गया कि इसी अवधि में तेलंगाना में कई स्थानों पर बारिश हुई।

इनोवेटर के माध्यम से नवाचार को दिया जाएगा प्रोत्साहन : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सरकार द्वारा शुरू किये गये इंटांडा इनोवेटर-2024 कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के उपयोगी नवाचारों को प्रोत्साहित किया जाएगा। जिला अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी, दसारी वेणु, आसिफाबाद, कागजनगर राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव और कसाबोइना सुरेश ने सोमवार को जिला केंद्र के बैठक हॉल में जिला कलक्ट्रेट भवन परिसर में इनोवेटर कार्यक्रम की दीवार प्रतियों का अनावरण किया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि इन्टिटा इनोवेटर कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण इनोवेटर्स को सशक्त बनाया जायेगा तथा नये इनो-वेशन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट विचार एवं प्रोजेक्ट बनाने वाले सभी वर्ग के आविष्कारों को प्राप्त किया जाएगा तथा सर्वश्रेष्ठ आविष्कारों का चयन कर 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संबंधित आविष्कारकों को पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने 3 महीने की अवधि के लिए नवाचार भागीदार और समन्वयक के रूप में काम करने और जिला अधिकारियों, स्वैच्छिक संगठनों, नागरिक समाज संगठनों और ग्रामीण लोगों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए प्रत्येक जिले के लिए युवा पेशेवरों की एक विशेष टीम नियुक्त की है। नवाचार के महत्व को बताकर सुदूर गांवों तक नए नवाचार लाना। आविष्कारक सीधे व्हाट्सएप के माध्यम से 9100678543 पर आवेदन भेज सकते हैं। आवेदन में आविष्कारक का नाम, उम्र, फोटो, पेशा, पता, आविष्कार का नाम, 100 शब्दों में आविष्कार का विवरण, आविष्कार से संबंधित 4 उच्च रिज़ॉल्यूशन वाली तस्वीरें, कार्यों को प्रदर्शित करने वाले 2 वीडियो शामिल होने चाहिए।

गुरुकुलों में रिक्त पड़े वार्डनों के सभी पद तत्काल भरे रेवंत सरकार : बंडी संजय

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से राज्य में गुरुकुल विद्यालयों के शिक्षकों के काम के घंटे कम करने का आग्रह किया। सोमवार को मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में बंडी संजय ने कहा कि नई समय सारणी के अनुसार शिक्षकों को सुबह 5 बजे से रात 9.30 बजे तक काम करना पड़ता है, जिससे नींद हराम हो जाती है और मानसिक तनाव बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, पढ़ाई के घंटों की जिम्मेदारी और रात में कार्यवाहक कर्तव्यों की जिम्मेदारी शिक्षकों को सौंपना सही नहीं है।

यह कहते हुए कि गुरुकुलों में वार्डन के बहुत सारे

पद खाली पड़े हैं केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार से रिक्त पदों को तुरंत भरने की मांग की।

करीमनगर जिले में पुलिस कर्मियों के सामने आने वाली कठिनाइयों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में पुलिस कर्मियों को महीनों से टीए, डीए, पीआरसी और आत्मसमर्पण अवकाश बिल नहीं मिले हैं और सरकार से तुरंत राशि जारी करने को कहा।

उन्होंने कहा मुझे यह जानकर दुख हुआ कि सरकार ने करीमनगर को छोड़कर सभी जिलों में पुलिस कर्मियों को बकाया भुगतान कर दिया है। मैं सीएम से तुरंत राशि जारी करने का अनुरोध करता हूं। ।

प्रजावाणी आवेदनों का निराकरण शीघ्रता से किया जाए : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में आ-वेदकों द्वारा किए गए आवेदनों की गहन जांच की जाएगी और विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे। सोमवार को जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलक्ट्रेट भवन परिसर में जिला अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी, दसारी वेणु, आसिफाबाद, कागजनगर राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव और कसाबोइना सुरेश ने आवेदकों से आ-वेदन प्राप्त किए। कागजनगर मंडल के चिंतागुड़ा गांव के दुर्गम शंकर ने आ-वेदन देकर विकलांगता पेंशन दिलाने की मांग की है।

केरामेरी मंडल के गौरी गांव की जादव सावित्रीबाई ने एक याचिका दायर कर अपने पति के नाम पर वन स्वामित्व विलेख को उनके नाम पर स्थानांतरित करने की मांग की, क्योंकि उनका निधन हो चुका है। वांकिडी मंडल के खमना गांव के राजा बोइना राजन्ना ने एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें जमीन को उनके नाम पर ऑनलाइन पंजीकृत करने और पासबुक प्रदान करने की मांग की गई है।

ग्राम क्रमांक 10, दुर्गा नगर मंडल, कागज नगर मंडल की सुमित्रा सरकार ने रोजगार के लिए सस्ते दर की दुकान देने की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया है। चिंथला मनेपल्ली मंडल डब्बा गांव के चपिडी सोमबाई ने एक आवेदन प्रस्तुत किया कि गांव के बाहरी इलाके में उनके नाम पर एक पट्टाभूमि है और गांव के कुछ सदस्य उस पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर रहे हैं।

आसिफाबाद मंडल के इडुलावाड़ा (कोम्मुगुडा) गांव की गद्दाम मंजुला ने मछली पालन के लिए महिला शक्ति योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया है। दहेगाम मंडल के गेर्रे गांव के दुगुता नानैय्या ने आवेदन दिया कि कुछ लोग उनके नाम की पट्टा भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने और घर बनाने की धमकी दे रहे हैं। रेबेना मंडल केंद्र के गोगर्ला राजम्मा ने कहा कि कुछ लोग उनकी पट्टे की जमीन को सड़क के लिए देने की धमकी दे रहे हैं।

उन्होंने प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम के माध्यम से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय कर लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जायेगा और उन्होंने कहा कि प्रजावाणी में प्राप्त आवेदनों के समाधान के लिये कदम उठाये जाएंगे।

इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, कलक्ट्रेट कर्मचारी एवं आवेदक शामिल हुए।

पीड़ितों को त्वरित न्याय सुनिश्चित कराया जाए : पुलिस अधीक्षक

जगतियाल, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के लोगों की सुविधा के लिए प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले शिकायत दिवस पर आज पुलिस अधीक्षक ने आज जिला पुलिस कार्यालय में जिले के विभिन्न हिस्सों से आए फरियादियों से सीधे बात की और उनकी समस्याओं को जाना और संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि हम पुलिस विभाग को जनता के करीब लाने के उद्देश्य से जनसमस्याओं के समाधान के लिए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि थाने पर आने वाले फरियादियों से विनम्रतापूर्वक बात करना, प्रार्थना पत्र प्राप्त करना, संबंधित शिकायतों का मैदानी स्तर पर परीक्षण करना, त्वरित प्रतिक्रिया देना तथा यह देखना कि पीड़ितों को न्याय मिल रहा है या नहीं।

कोरुटला में मनाई गई वाईएसआर की जयंती

जगतियाल, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत नेता डॉ. वाईएस राजशेखर रेड्डी की जयंती समारोह का सोमवार को भव्य आयोजन किया गया, जिसमें कांग्रेस पार्टी के जगतियाल जिले के कोरुटला के वरिष्ठ नेता जे. कृष्ण राव के नेतृत्व में कोरुटला शहर के जुवाड़ी भवन में रेड्डी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में मंडल कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष राजो निर्वाचन क्षेत्र के युवा कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष

इलेटी महिपाल रेड्डी, वार्ड पार्षद मबेरी सत्यनारायण, माचा कविता, पूर्व पार्षद सोगराभी, शहरी कांग्रेस पार्टी किसान सेल के अध्यक्ष रामुला अमरेंद्र दंडवेनी, वेंकट एदला, रमेश मल्लारेड्डी, चित्ती मिल्ली रंजीत गुप्ता द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.